26-05-2025 Final_26-05-2025 Final.qxd 5/26/2025 12:24 AM Page 1

26 मई 2025
सोमवार

डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

राजपुर ट्रिपल मर्डर मामले में दो नामजद गिरफ्तार, 17 आरोपित अभी भी फरार

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध **आपकी आवाज** ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

भारत अपनी संप्रभुता व नागरिकों की सुरक्षा के लिए किसी हद तक जा सकता है: मोदी

पीएम मन की बात

एजेंसी/नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 122वें एपिसोड में देशवासियों को योग और स्वस्थ रहने का संदेश दिया। पीएम ने वर्तमान सामाजिक, आर्थिक और विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात रखी। पीएम मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में भारतीय सेना द्वारा ध्वस्त किए गए आतंकवादी ठिकानों की तस्वीरें साझा कीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में एक निर्णायक मोड़ बताया और भारतीय सशस्त्र बलों की सटीकता और साहस की सराहना की उन्होंने कहा कि यह अभियान भारत की रक्षा क्षमताओं और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है, जिसमें 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत विकसित स्वदेशी रक्षा

तकनीकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे वीर जवानों ने आतंक के अड्डों को ध्वस्त कर यह संदेश दिया है कि भारत अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। कहा कि यह अभियान न केवल आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि वैश्विक मंच पर देश की बढ़ती ताकत और निर्णायक नेतृत्व का भी प्रमाण है।

सीबीएसई की पहल... स्कूलों में लगाया जा रहा शुगर बोर्ड

पीएम मोदी ने कहा कि स्कूलों में ब्लैक बोर्ड तो सभी ने देखा होगा, मगर अब कुछ स्कूलों में शुगर बोर्ड भी लगाया जा रहा है। सीबीएसई की इस अनोखी पहल का मकसद, बच्चों में शुगर इनटेक के प्रति जागरूकता फैलाना है। इस पहल के तहत कितनी चीनी खाई जा रही है और कितनी चीनी लेनी चाहिए, इसकी जानकारी दी जाएगी। इससे बच्चे खुद से हेल्दी रहने का विकल्प चुनने लगेंगे। इस अनोखे प्रयास का परिणाम बेहद सकारात्मक होगा। पीएम मोदी ने कहा कि इस पहल की कई अभिभावकों ने सराहना की है। मेरा मत है कि इस प्रकार की पहल सरकारी कार्यालयों, कैंटीनों और संस्थानों में भी होनी चाहिए। आप स्वस्थ रहें, यही सब कुछ है। फिट इंडिया ही स्ट्रांग इंडिया की नींव है। पीएम मोदी ने डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक की उपस्थिति में एमओयू साइन करने का जिक्र किया।

बोले पीएम- स्वस्थ नागरिक ही समृद्ध राष्ट्र की आधारशिला हैं

पीएम मोदी ने कहा, 21 जून 2015 में योग दिवस की शुरूआत के बाद से ही इसका आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। इस बार भी योग दिवस को लेकर दुनिया भर के लोगों में जोश और उत्साह है। मुझे इस वर्ष विशाखापत्तनम में योग दिवस कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा। प्रधानमंत्री ने योग और स्वस्थ जीवनशैली को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर बल देते हुए कहा, फिट इंडिया ही स्ट्रॉन्ग इंडिया की नींव है। उन्होंने स्वस्थ नागरिकों को एक समृद्ध राष्ट्र की आधारशिला बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ड्रोन दीदी कृषि में एक नई क्रांति की शुरूआत कर रही हैं। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में, कुछ समय पहले तक जिन महिलाओं को दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, आज वे ही महिलाएं ड्रोन से 50 एकड़ जमीन पर दवा के छिड़काव का काम पूरा कर रही हैं।

बिहार की धरती ने खेलो इंडिया आयोजन को बनाया खास

पीएम मोदी ने कहा, साथियों, बीते दिनों खेलों इंडिया गेम्स की बड़ी धूम रही। खेलो इंडिया के दौरान बिहार के पांच शहरों ने मेजबानी की थी। वहां अलग-अलग कैटेगरी के मैच हुए थे। पूरे भारत से वहां पहुंचे एथलीटों की संख्या पांच हजार से भी ज्यादा थी। इन एथलीटों ने बिहार की खेल भावना की, बिहार के लोगों से मिली आत्मीयता की बड़ी तारीफ की है। पीएम ने कहा कि बिहार की धरती ने इस आयोजन को और भी खास बनाया। यह पहला मौका था जब खेलो इंडिया यूथ गेम्स को ओलंपिक चैनल के माध्यम से दुनियाभर में प्रसारित किया गया। विश्व ने भारत के युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को देखा और सराहा। इस आयोजन में महाराष्ट्र, हरियाणा और राजस्थान शीर्ष तीन विजेताओं में रहे, जिन्हें पीएम ने विशेष रूप से बधाई दी।

5 वर्षों में गिर में शेरों की संख्या 674 से बढ़कर 891 हुई

पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में देशवासियों को गुजरात के गिर में बढ़ी शेरों की संख्या की सुखद खबर भी सुनाई। पीएम मोदी ने कहा कि बीते पांच वर्षों में ही गुजरात के गिर में शेरों की आबादी 674 से बढ़कर 891 हो गई है। शेर जनगणना के बाद आई शेरों की यह संख्या बेहद उत्साहित करने वाली है। शेरों की जनगणना 11 जनपदों में 35 हजार वर्ग किमी के दायरें में की गई थी। जनगणना के लिए टीमों ने 24 घंटे यानि राउंड द क्लॉक इन इलाकों की निगरानी की। अभियान में वेरिफकेशन और क्रॉस वेरिफिकेशन दोनों किए गए। पूरी बारीकी से शेरों को गिनने का काम पूरा हो सका। पीएम ने कहा कि कुछ वर्षों पहले गिर के हालात बहुत चुनौतीपूर्ण थे। वहां के निवासियों ने बदलाव का बीड़ा उठाया और नवीनतम तकनीक के साथ ग्लोबल बेस्ट प्रेक्टिसेज को अपनाया।

लड़की के साथ तस्वीर वायरल होने के बाद राजद सुप्रीमो ने की कार्रवाई

तेज प्रताप पर एक्शन... राजद से 6 साल के लिए निलंबित, परिवार से भी किए गए दूर

रिश्तों पर आंच

- लालू प्रसाद यादव ने लिखा- निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है
- कहा- लोकजीवन में लोकलाज का सदैव हिमायती रहा हूं

केटी न्यूज/पटना

पूर्व मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के विधायक तेज प्रताप यादव पर मुसीबतों को पहाड़ टूट पड़ा है। शनिवार को सोशल मीडिया में एक लड़की के साथ अपनी तस्वीर साझा कर नए रिश्तों की जानकारी देने के बाद उनके पिता व राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने उन पर सख्त कार्रवाई की है। राजद सुप्रीमो ने तेज प्रताप को छह साल के लिए पार्टी से निलंबित करने के साथ ही परिवार से भी दूर कर दिया है। सोशल मीडिया के जरिए ही लालू प्रसाद ने अपनी इस कार्रवाई की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा, 'निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूं। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित किया जाता है। लालू प्रसाद यादव ने आगे लिखा कि अपने निजी जीवन का भला -बुरा और गुण-दोष देखने में वह स्वयं सक्षम है। उससे जो भी लोग संबंध रखेंगे वो स्वविवेक से निर्णय लें। लोकजीवन में लोकलाज का सदैव हिमायती रहा हूं। परिवार के आज्ञाकारी सदस्यों ने सावर्जनिक जीवन में इसी विचार को अंगीकार कर अनुसरण किया है। धन्यवाद।

एक लड़की के साथ रिश्ते में होने की बात पर मचा है घमासान

दरअसल, शनिवार शाम तेज प्रताप यादव के सोशल मीडिया (फेसबुक) अकाउंट से एक पोस्ट वायरल हुआ था। पोस्ट में कहा गया था कि वे पिछले 12 साल से अनुष्का यादव नाम की महिला के साथ रिश्ते में हैं और दोनों एक-दूसरे से बेहद प्यार करते हैं। हालांकि, तेज प्रताप यादव के इस रिश्ते को लेकर दो बार फेसबुक पर फोटो के साथ पोस्ट किया और दोनों बार डिलीट कर दिया। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अकाउंट हैक होने की बात कही फिर वहां से भी पोस्ट डिलीट कर दिया। फिर से अकाउंट हैक होने का पोस्ट डाला। तेज प्रताप यादव के फेसबुक पेज से रिलेशनशिप को लेकर पोस्ट की गई। पोस्ट में लिखा था, ह्यमैं तेज प्रताप यादव और मेरे साथ इस तस्वीर में जो दिख रही हैं, उनका नाम अनुष्का यादव है। हम दोनों पिछले 12 सालों से एक-दूसरे को जानते हैं और प्यार भी करते हैं। हमलोग पिछले 12 सालों से एक रिलेशनशिप में रह रहे हैं। मैं बहुत दिनों से आपलोगों से यह बात कहना चाहता था, पर समझ नहीं आ रहा था कैसे कहूं, इसलिए आज इस पोस्ट के माध्यम से अपने दिल की बात आप सबके बीच रख रहा हूं। आशा करता हूं आप लोग मेरी बातों को समझेंगे। तेज प्रताप के इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं देने लगे।

तेज प्रताप ने दी सफाई- हैक हो गई मेरी आईडी

कथित गर्लफ्रेंड के साथ पोस्ट वायरल होने के कुछ देर बाद तेज प्रताप यादव ने अपने फेसबुक अकाउंट हैक होने की जानकारी दी। इसमें यह कहा गया है कि ये सब उन्हें बदनाम करने की कोशिश की गई है। उन्होंने लिखा है - मेरे सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म को हैक एवं मेरी तस्वीरों को गलत तरीके से एडिट कर मुझे और मेरे परिवार वालों को परेशान और बदनाम किया जा रहा है। मैं अपने शुभचिंतको और फॉलोवर्स से अपील करता हूं कि वे सतर्क रहें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें...।

तेजस्वी ने बड़े भाई के संबंधों पर जताया एतराज

तेजस्वी यादव ने भी अपने बड़े भाई के संबंधों पर एतराज जताया है और कहा है कि राजनीति और निजी जीवन अलग चीज है, लेकिन जो हुआ है ना तो मैं उसको पसंद करता हूं और ना ही बर्दाश्त करता हूं। तेजस्वी ने कहा है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव ने अपने नजरिए को इस मामले में स्पष्ट कर दिया है और मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष के फैसले के साथ हूं। मेरे बड़े भाई अपने निजी जीवन के फैसले लेने के लिए स्वतंत्र हैं। अनुष्का के बारे में यह बताया जा रहा है कि राजद के किसी पूर्व नेता की करीबी रिश्तेदार हैं। उसी नेता की वजह से अुनष्का और तेज प्रताप की पहचान हुई थी और दोनों करीब आए थे।

उपचुनाव की तिथि घोषित

4 राज्यों की विस सीटों पर 19 जून को पड़ेंगे वोट, 23 को नतीजे

नई दिल्ली। केंद्रीय चुनाव आयोग ने गुजरात, केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल की विधानसभा सीटों पर उपचुनाव कराने के लिए तिथियों का ऐलान कर दिया है। इन उपचुनावों के लिए वोटिंग 19 जून को कराई जाएगी, जबकि मतगणना 23 जून को होगी। आयोग ने इस दौरान मतदान केंद्रों पर मोबाइल फोन के प्रबंधन को लेकर भी खास दिशा-निर्देश जारी किए हैं, ताकि मतदान प्रक्रिया में कोई व्यवधान न आए। एएनआई गुजरात में कादी और विसावदर विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे। कादी सीट विधायक करसनभाई पंजाबभाई सोलंकी के निधन और विसावदर सीट भयानी भूपेंद्रभाई के इस्तीफे के कारण खाली हुई है।

केरल के नीलांबुर सीट पर एलडीएफ समर्थित विधायक पीवी अनवर के इस्तीफे के बाद चुनाव होगा, जिन्हें तृणमूल कांग्रेस की केरल इकाई का संयोजक बनाया गया है। वहीं पंजाब में लुधियाना पश्चिम सीट विधायक गुरप्रीत बस्सी गोगी के निधन से खाली हुई है। इस चुनावी प्रक्रिया में आयोग ने मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नई व्यवस्था लागू की है। अब मतदान केंद्र के अंदर मोबाइल फोन ले जाना पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। हालांकि, केंद्र के बाहर मतदाताओं के लिए मोबाइल जमा करने की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए जूट बैग या पिजनहोल बॉक्स लगाए जाएंगे।

बोले पीएम... हाशिए पर पड़े लोगों को विकास की मुख्यधारा में लाएंगे

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने एकजुटता का प्रदर्शन किया है। राजग के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों ने ऑपरेशन सिंदूर में सशस्त्र बलों के पराक्रम और पीएम मोदी के साहसी नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए प्रस्ताव पारित किया। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बैठक की जानकारी दी। वहीं, बैठक के दौरान पीएम मोदी ने पार्टी के नेताओं के लिए कुछ जरूरी निर्देश भी दिए।

सूत्रों के अनुसार, कुछ पार्टी नेताओं के अनर्गल बयानों से नाराज पीएम ने टो-टूक शब्दों में कहा कि सार्वजनिक जीवन में वाणी की मर्यादा बनाए रखना आवश्यक है। हर मुद्दे पर बोलना जरूरी नहीं होता है। गैरजरूरी टिप्पणियां पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा सकती हैं। उन्होंने यह हिदायत हाल ही में विजय शाह, जगदीश देवड़ा, रामचंद्र जांगड़ा जैसे पार्टी नेताओं के पहलगाम नरसंहार और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर की गई विवादित बयानबाजी पर दी। कांग्रेस समेत विपक्ष ने इन भाजपा नेताओं के बयानों को लेकर पीएम मोदी पर निशाना साधा और देश से माफी मांगने की मांग की। बैठक में 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि भी दी गई।

जाति गणना पर भी चर्चा: एनडीए के मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जाति गणना पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह उनकी सरकार के उस मॉडल की दिशा में एक कदम है, जिसके तहत वे हाशिए पर पड़े लोगों और हर क्षेत्र में पिछड़े लोगों को विकास की मुख्यधारा में लाएंगे। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता देश की आत्मनिर्भरता की दिशा में हासिल की गई उपलब्धियों की पुष्टि भी है, जिसमें स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी की सटीकता भी दुनिया ने देखी है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि राज्यों को राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ जुड़े साहसिक, समावेशी और दूरदर्शी विजन दस्तावेज तैयार करने चाहिए, जो स्थानीय वास्तविकताओं पर आधारित होने चाहिए।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश कई इलाकों में जलभराव, उड़ानों में देरी

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में शनिवार देर रात मौसम का मिजाज एक बार फिर बदल गया। दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद सहित एनसीआर के अन्य इलाकों में तेज आंधी और बारिश देखने को मिली। पहले आंधी और उसके बाद गरज के साथ जबरदस्त बारिश दर्ज की गई। जिससे सड़कें जलमग्न हो गईं, यातायात बाधित हुआ और इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ानों में देरी हुई।

दिल्ली के कई इलाकों में भारी जलभराव हो गया, जिसमें मोती बाग, मिंटो रोड और एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 के पास के इलाके शामिल हैं। भारतीय मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है और तेज आंधी, भारी बारिश और 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे अधिक की गति से तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी है।

कोच्चि तट से कुछ दूर समंदर में डूबा लाइबेरिया का जहाज, सभी 24 चालक सदस्य सकुशल बचाए गए

एजेंसी/केरल

कोच्चि तट से कुछ दूर समंदर में डूबे लाइबेरिया के झंडे वाले कंटेनर जहाज एमएससी ईएलएसए- तीन से सभी 24 चालक सदस्यों को सकुशल बचा लिया गया है। इसके बाद अब भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) और नौसेना ने समुद्री प्रदूषण रोकने के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। शनिवार रात को जहाज से खतरे का संदेश मिला। सबसे पहले भारतीय तटरक्षक बल ने कार्रवाई की और 21 क्रू सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। रविवार सुबह बाकी बचे तीन वरिष्ठ अधिकारी, जहाज के कैप्टन, चीफ इंजीनियर और असिस्टेंट इंजीनियर को नौसेना के पोत आईएनएस सुजाता ने रेस्क्यू किया।

नौसेना ने बताया कि तीनों अधिकारी शुरूआत में जहाज पर ही रुके थे ताकि बचाव और सामान निकालने की व्यवस्था देख सकें, लेकिन हालत बिगड़ने पर उन्हें भी निकालना पड़ा। यह जहाज 640 कंटेनरों के साथ चल रहा था। इनमें से 13 कंटेनर खतरनाक रसायनों से भरे थे और 12 में कैल्शियम कार्बाइड था। इसके अलावा जहाज में करीब 84.44 मीट्रिक टन डीजल और 367.1 मीट्रिक टन फर्नेस ऑयल था। अगर ये पदार्थ समुद्र में फैलते हैं, तो तटीय इलाकों के समुद्री जीवन और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंच सकता है।

ने संघ के मुखपत्र ऑर्गनाइजर वीकली के इंटरव्यू के दौरान आरएसएस चीफ ने कही बात...

भारत की एकता हिंदुओं की सुरक्षा की गारंटी है: मोहन भागवत

एजेंसी/नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने एक बार फिर हिंदुओं की एकता को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि भारत की एकता हिंदुओं की सुरक्षा की गारंटी है। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज और भारत एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए है और जब हिंदू सशक्त होगा, तभी भारत भी गौरव प्राप्त कर पाएगा। ये सारी बातें आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने संघ के मुखपत्र ऑर्गनाइजर वीकली के इंटरव्यू के दौरान कही हैं।

आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने पड़ोसी देशों में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार और मानवाधिकार संगठनों की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जब तक हिंदू समाज खुद मजबूत नहीं होगा तब तक तो दुनिया में कोई उनके बारे में टेंशन नहीं लेगा। कहा कि हम दुनिया पर हावी होने के लिए ताकत नहीं चाहते, बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हर कोई शांत, स्वस्थ और सशक्त जिंदगी जी सके। हमारी सीमाओं पर दुष्ट ताकतों की हरकतें देखते हुए हमारे पास मजबूत होने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने हिंदू समाज को एकजुट और मजबूत होने का आह्वान करते हुए कहा कि आपको अपनी रक्षा खुद करनी होगी और किसी के भरोसे नहीं रहना चाहिए। उन्होंने सुरक्षा को सिर्फ सीमाओं और सेना तक सीमित न बताते हुए इसे सभ्यता और मानसिकता से जोड़ा। उन्होंने बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदू अल्पसंख्यकों का उदाहरण देते हुए कहा कि अब वे वहां भागने की बजाय अपने हक के लिए लड़ रहे हैं।

आरएसएस चीफ ने कहा कि इस बार बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ जिस तरह गुस्सा दिखा, वह अभूतपूर्व है। वहां के हिंदू अब कहते हैं कि हम भागेंगे नहीं, बल्कि रहकर अपने हक के लिए लड़ेंगे। हिंदू समाज की अंदरूनी ताकत अब बढ़ रही है।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

बक्सर

बक्सर, 26 मई 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

हास्यास्पदः सीओ ने पीड़ितों पर ही लगाया नहर की जमीन पर अतिक्रमण का आरोप

- सरकारी पोखरे की जमीन पर आरोपितों ने बनाया है मकान
- अवैध रूप से गिट्टी-बालू बेचने के लिए अकबरपुर पंचायत के राजस्वकर्मी को शो-कॉज जारी

फाइल फोटो

केटी न्यूज/राजपुर

शनिवार को राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव में हुए तिहरे हत्याकांड के बाद स्थानीय प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठने लगे है। पहले तो पीड़ित परिवार ने स्थानीय पुलिस पर आरोपियों से मिलीभगत का आरोप लगाया था, लेकिन अब राजपुर सीओ द्वारा अकबरपुर पंचायत के राजस्वकर्मी से पूछा गया शो-कॉज भी हास्यापद बन गया है।

वहीं, सीओ की इस कार्रवाई से अपराधियों खासकर तिहरे हत्याकांड को अंजाम देने वाले रसूखदारों का मनोबल बढ़ाने वाला बताया जा रहा है। राजपुर सीओ डॉ. शोभा कुमारी ने शनिवार को ही अकबरपुर पंचायत के राजस्वकर्मी श्याम कुमार को शो-कॉज जारी करते हुए पूछा है कि आप 19 जुलाई 2023 से ही इस पंचायत के राजस्वकर्मी है तथा इस पंचायत के अहियापुर गांव में नहर किनारे की जमीन पर अवैध रूप से गिट्टी बालू बेचा जा रहा है, इसकी जानकारी आपने कभी सीओ को नहीं दी है। सीओ ने अपने स्पष्टीकरण में इस बात का जिक्र भी किया है कि इसी सरकारी जमीन पर अवैध रूप से गिट्टी बालू बेचने के विवाद में तीन लोगों की हत्या हो गई हैं। उन्होंने राजस्वकर्मी पर हत्या का मुकदमा दर्ज कराने की चेतावनी भी दी है।

बता दें कि हाल के दिनों में राज्य सरकार द्वारा जल जीवन हरियाली योजना के तहत जलाशयों को अतिक्रमणमुक्त व जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। बावजूद सीओ ने पोखरे की जमीन पर बनी उनके मकान को नहीं पूर्व में नहीं तोड़वाया और अब हृदय विदारक घटना होने के बाद भी सीओ का ध्यान उक्त मकान के बदले गिट्टी बालू की दुकान तक ही गया। वहीं, दूसरी तरफ पुलिस के वरीय पदाधिकारियों द्वारा इस घटना के बाद सिर्फ चौकीदार को सस्पेंड किए जाने पर भी नाराजगी जताई और कहा कि असली दोषी थानाध्यक्ष है, जो लगातार मनोज यादव व संतोष यादव को संरक्षण दे रहे थे, लेकिन उनपर अबतक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

सामुदायिक भवन पर भी है दबंगों का कब्जाः ग्रामीण सूत्रों का कहना है कि अकबरपुर पंचायत के अहियापुर गांव में बने सामुदायिक भवन पर भी इस घटना को अंजाम देने वाले मनोज यादव व संतोष यादव का कब्जा है। इस मामले में पूर्व में डीएम ने एसडीओ को इस सामुदायिक भवन को अतिक्रमणमुक्त कर उसे अपने कब्जे में लेने का निर्देश दिया था, लेकिन सूत्रों का कहना है कि उनकी दबंगई के आगे एसडीएम भी बौना साबित हुए थे तथा उक्त सामुदायिक भवन को अतिक्रमणमुक्त नहीं कराया जा सका है।

सीओ की मानसिकता का चल रहा है पता

इस चिट्ठी के जारी होने के बाद पीड़ित परिजनों के अलावे ग्रामीणों ने भी इसे हास्यास्पद बताया और कहा कि इस चिट्ठी से तिहरे हत्याकांड को अंजाम देने वालों का मनोबल बढ़ेगा। सीओ को नहर किनारे गिट्टी बालू बेचे जाने की जानकारी मिल गई, लेकिन उन्हें इस बात की जानकारी क्यों नहीं मिली कि इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी व पूर्व जिप चेयरमैन व उप चेयरमैन रह चुके मनोज यादव व संतोष यादव का मकान भी सरकारी पोखरे की जमीन को भरकर बनाया गया है। पीड़ित परिजनों का कहना है कि सीओ को आरोपियों का मकान दिखाई नहीं दिया और नहर किनारे रखी गिट्टी दिखाई पड़ गई, जिससे सीओ की मानसिकता का पता चल रहा है।

मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से दहशत में मृतक के परिजन

फाइल फोटो

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव में शनिवार की सुबह ट्रिपल मर्डर की घटना के 36 घंटे बाद भी मुख्य आरोपित मनोज यादव व संतोष यादव को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी है। जिससे पीड़ित परिवारों के अलावे ग्रामीणों में फिर हिंसक घटना का भय सता रहा है।

पीड़ित परिजनों का कहना है कि दोनों मुख्य आरोपी इलाके में मनबढ़ू व अपराधिक प्रवृति के है। पूर्व में भी उनपर कई संगीन मामले दर्ज है, जो उनके अपराधिक इतिहास को प्रमाणित करती है। वहीं, उनकी तस्वीरे भी कई राजनेताओं के साथ वायरल हो रही है, जो यह बता रहा कि उनका राजनीतिक रसूख कितना बड़ा है। पीड़ितो का कहना है कि यदि आरोपित शीघ्र गिरफ्तार नहीं हुए तो फिर से हिंसा फैला सकते है। उनके डर से पीड़ित परिवार को घर से निकलना मुश्किल हो गया है। वहीं, ग्रामीण भी डरे सहमे हुए है। आलम यह था कि रविवार को भी गांव में मातमी सन्नाटा पसरा रहा। अधिकांश लोग घरों में दुबके रहे। शनिवार की घटना के बाद ग्रामीण अभी तक सामान्य नहीं हो पाए है। ग्रामीण सूत्रों का कहना है कि तिहरे हत्याकांड के बाद से ग्रामीणों में भय का माहौल है। हालांकि, दूसरे दिन भी इस गांव में पुलिस की मुश्तैदी रही, बावजूद लोगों का डर कम नहीं हो रहा था।

फाइल फोटो

हत्याकांड में संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी के पुलिस लगातार कर रही छापेमारी

राजपुर ट्रिपल मर्डर मामले में दो नामजद गिरफ्तार, 17 आरोपित अभी भी फरार

- एसपी एवं एसडीपीओ ने पीड़ित परिजनों से मिल बंधाया ढाढस
- हत्या के 24 घंटे के बाद भी महिलाओं की चित्कार से गमगीन है अहियापुर गांव

केटी न्यूज/बक्सर

शनिवार की सुबह राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव में ट्रिपल मर्डर मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उनसे घटना के संबंध में आवश्यक पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार अपराधियों में ओम प्रकाश यादव और करण यादव शामिल है दोनों अहियापुर के ही रहने वाले हैं।

एसपी शुभम आर्य ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए सघन छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। एसपी ने कहा कि उन्हें भी जल्दी ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गौरतलब हो कि शनिवार की सुबह हथियारबंद अपराधियों ने अहियापुर के सुनील यादव विनोद यादव और वीरेंद्र यादव की गोलीमार हत्या कर दी थी, जबकि गोली लगने से दो अन्य गंभीर रूप से जख्मी है।

पुलिस ने इस घटना को चुनौती के तौर पर लिया था तथा तुरंत इस मामले में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया था। इस टीम ने 24 घंटे में ही दो नामजदो को गिरफ्तार कर लिया है, बावजूद इस घटना को लेकर गांव में तनाव कायम है। गौरतलब हो कि इस मामले में पीड़ित पक्ष ने 19 नामजद व तीन अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि सभी आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।

घटना के बाद से सामान्य नहीं हो पाया है पीड़ित परिवार : इस घटना के बाद से पीड़ित परिवार सामान्य नहीं हो पाया है। रविवार को भी पूरे दिन मृतक सुनील सिंह, विनोद सिंह व बीरेन्द्र सिंह के घर से रोने-सिसकने की आवाजे आती रही। महिलाओं के क्रंदन-चित्कार से माहौल गमगीन रहा तथा पीड़ित परिवारों के अलावे पूरे मोहल्ले में चूल्हा नहीं जला। उधर, दूसरी तरफ आरोपितों के घर भी वीरानी छाई रही। सभी पुलिस के डर से फरार हो गए है। वहीं, गांव में पुलिस के वाहन लगातार गश्त कर रहे है। पुलिस के गश्त लगाने व वाहनों के सायरन से सन्नाटा छंट जरूर रहा है, लेकिन सायरन की आवाज थमते ही फिर सिसकिया सुनाई पड़ने लग रही है।

पूरे दिन लोगों की रही भीड़ः रविवार को पूरे दिन मृतकों के घर मातमपूर्सी करने वालों की भीड़ लगी रही। नाते-रिश्तेदार व दोस्त घर आकर पीड़ितों को सांत्वना दे रहे थे, लेकिन सांत्वना का एक भी मरहम उनके जख्मों को भर नहीं पा रहा था। सबसे खराब स्थिति मृतक बीरेन्द्र सिंह के मासूम बच्चों का था। वे पहले ही अपनी मां को खो चुके थे। उनकी परवरिश सिर्फ पिता ही कर रहे थे, लेकिन हत्यारों ने उनके पिता की हत्या भी कर दी है। जिससे मृतक की बेटी व बेटा दोनों अनाथ हो गए है।

रविवार को पूरे दिन दोनों रोते रहे। इस दौरान उन्हें चुप कराने का प्रयास करने वाले खुद रो पड़ रहे थे। दोनों रोते हुए सिर्फ यही कह रहे थे कि अब केकरा सहारे जियब जा एक दादा..., मासूमों की चिख सुन बरबस ही लोगों की आंखे नम हो जा रही थी।

अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए हो रही है छापेमारी

वहीं, इस घटना को बक्सर पुलिस ने बेहद ही गंभीरता से लिया है। मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद से ही पुलिस की विशेष टीम अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए उनके संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। इस दौरान पुलिस ने दो अभियुक्तों को गिरफ्तार भी कर लिया है।

जबकि पुलिस सूत्रों का कहना है कि मामले में गिरफ्तार एक नाबालिग से भी पूछताछ हो रही है। जिसके बाद साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। वहीं, जानकारों का कहना है कि मुख्य आरोपित मनोज यादव संतोष यादव के साथ उसके कई गुर्गे घटना को अंजाम देने के बाद यूपी भाग गए है। गौरतलब हो कि इस घटना के बाद अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए एसपी ने सदर डीएसपी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया है। यह टीम घटना के बाद से ही संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

राजपुर ट्रिपल मर्डर के मुख्य आरोपियों की तेजस्वी समेत विपक्ष के कई नेताओं के साथ तस्वीर वायरल

केटी न्यूज/बक्सर

राजपुर के अहियापुर में हुए ट्रिपल मर्डर के आरोपियों के राजनीतिक रसूख की चर्चा घटना के बाद से ही हो रही थी, अब उसके प्रमाण भी मिल गए हैं।

चुनावी रंजिश व सरकारी जमीन पर कब्जा जमाने की नियत से मुख्य आरोपी और पूर्व जिप अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज यादव तथा जिप के पूर्व उपाध्यक्ष संतोष यादव ने अपने गुर्गो के साथ मिल गांव के ही तीन लोगों की गोली मार निर्मम हत्या कर दी। दोनों की तस्वीरे नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के साथ ही विपक्ष के कई नेताओं के साथ वायरल हो रही है।

वायरल तस्वीर में मनोज यादव हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के साथ तो संतोष यादव नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के साथ दिखाई पड़ रहे हैं। वहीं, अन्य तस्वीरों में दोनों बक्सर सांसद सुधाकर सिंह व राजपुर से कांग्रेस विधायक विश्वनाथ राम के साथ भी दिखाई पड़ रहे है। तेजस्वी के साथ उनकी तस्वीर संभवतः चक्की की है। यह तस्वीर इस बात की प्रमाण है कि दोनों की राजनीतिक गलियारे में मजबूत पकड़ है तथा इसी साख के बदौलत वे लंबे समय से अपराध, तस्करी और जमीन हड़पने के कारोबार में जुटे थे। अपने गांव में भी दोनों जमीन हड़पने और लोगों को प्रताड़ित करने से पीछे नहीं हटे। शनिवार की घटना ने यह साबित कर दिया है कि उन्हें किसी का डर नहीं था। तस्वीर वायरल होने के बाद एक तरफ इस घटना को लेकर हमलावर बने विपक्ष के नेताओं की बोलती बंद हो गई है। मनोज व संतोष की एक के बाद एक विपक्ष के कद्दावर नेताओं के साथ तस्वीर वायरल होना इस बात का प्रमाण है कि उनका राजद व महागठबंधन से गहरा जुड़ाव रहा है।

बोले समाजसेवी... ट्रिपल मर्डर की घटना है अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण

दो पक्षों के बीच आपसी रंजिश की पराकाष्ठा है अहियापुर की घटनाः प्रो. अखिलेश दूबे

केटी न्यूज/बक्सर

शनिवार को बक्सर के राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव में हुई ट्रिपल मर्डर की घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह आपसी रंजिश की पराकाष्ठा है, इस प्रकार की घटना की पुनरावृति बक्सर संसदीय क्षेत्र में कभी नहीं होनी चाहिए। उक्त बाते जिले के सिमरी प्रखंड के दुबौली गांव निवासी व भाजपा नेता प्रो. अखिलेश दूबे ने कही है।

उन्होंने इस घटना पर गहरा दुःख जताया और पीड़ित परिवार के अलावे सभी से आत्म संयम से काम लेने की अपील की। भाजपा नेता ने कहा कि ऐसी घटनाएं सभ्य समाज के माथे पर कलंक सरीखा है। उन्होंने कहा कि सभी की भावनात्मक बुद्धि उच्च स्तर पर हो, ईश्वर से यही प्रार्थना करता हूं। भाजपा नेता ने कहा कि जिलेवासियों को भाईचारे और आपसी सौहार्दपूर्ण संबंधों के साथ जीवन जीना चाहिए, यही समग्र जीवन जीने की कला है। उन्होने कहा कि अहियापुर की घटना में अपने परिजनों को खोने वाले परिवार के प्रति मै संवेदना व्यक्त करता हूं तथा दुःख की इस घड़ी में मै पीड़ित परिवार के साथ खड़ा हूं। गौरतलब हो कि प्रो. दूबे दिल्ली विश्वविद्याल में इतिहास विभाग के प्रोफेसर है, साथ ही वे इतिहास संकलन योजना दिल्ली प्रांत के उपाध्यक्ष भी है। उन्होंने कहा कि मैं जल्द अहियापुर के पीड़ित परिवारों से मुलाकात भी करूंगा।

महागठबंधन की सरकार में ही फले-फूले है अपराधी

बक्सर। भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने कहा कि यह घटना विपक्ष की मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अपराधी और तस्कर राजद-कांग्रेस के सरकार में ही पले बड़े थे और आज भी राजद समेत तमाम विपक्ष के लोग ऐसे लोगों को संरक्षण देते हैं, जिससे इनका मनोबल बढ़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि सिर्फ बक्सर में ही नहीं बल्कि पूरे राज्य में यदि अपराधियों व तस्करों को देखा जाए तो वे विपक्षी नेताओं के सहारे ही फले-फूले है। एनडीए की सरकार सुशासन और न्याय व्यवस्था की सरकार है, इसमें

दोषियों को बक्सर नहीं जाएगा अहियापुर में नरसंहार करने वालों को कड़ी सजा जरूर मिलेगी। सरकार ने इस घटना को बेहद गंभीरता से लिया है तथा पुलिस को इस मामले में कठोर कार्रवाई करने तथा दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार करने को कहा गया है।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98 Biology : 91
English Core : 97 Physics : 91
Physical Education : 96 Business Studies : 86
Mathematics : 92 Economics : 83
TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94
INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING, Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

धर्म-कर्म: जेठ में होंगे कई व्रत-त्योहार, आज महिलाएं करेंगी वट सावित्री व्रत

♦ वट सावित्री व गंगा दशहरा के अलावा इस माह महिलाएं मनाएंगी निर्जला एकादशी

केटी न्यूज/डुमरांव

जेठ माह में कई व्रत-त्योहार होंगे। वैसे भी सनातन धर्म में इस माह को पुण्यकारी माना गया है। पंचागों और हिन्दू कैलेंडर के अनुसार, जेठ माह 13 मई को शुरू हो चुका है जो 11 जून तक रहेगा। इस माह में वट सावित्री, गंगा दशहरा के अलावा निर्जला एकादशी भी है। ऐसी मान्यता है कि जेठ माह में जल और अन्नदान से दुष्ट ग्रह शांत हो जाते हैं। आचार्य पंडित विंध्याचल ओझा बताते हैं कि सनातन धर्म के लिए जेठ माह का अपना बहुत बड़ा महत्व है। मान्यता है कि इस माह हर सनातनियों को अपनी हैसियत के अनुसार, दान करना चाहिए। वैसे यह गर्मी का महीना होता है इसलिए हर इंसान को गरीबों के बीच छाता, चप्पल, अन्न आदि का दान करना चाहिए। इससे व्यक्ति के ग्रह-गोचर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इस साल जेठ माह में पड़ने वाला वट सावित्री व्रत 26 मई को मनाया जाएगा। पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और सौभाग्य के लिए सुहागिनें यह व्रत करतीं हैं। इस बार यह व्रत सोमवार को होगा। सोमवार को अमावस्या होने से व्रती महिलाओं को सोमवती अमावस्या का पुण्य भी प्राप्त होगा। इस दिन सुहागिनें बरगद वृक्ष की पूजा कर धागा बांधकर पति की लंबी आयु की कामना करती हैं। उन्होंने बताया कि इस व्रत के करने से सुहागिनों के पतियों के अशुभ और हानिकारण ग्रह शांत होते हैं।

पांच जून को पड़ रहा गंगा दशहरा : आचार्य बताते हैं कि सनातन धर्म में गंगा दशहरा का खास महत्व है। इसकी एक अलग ही महत्ता है। इस दिन गंगा स्नान के बाद श्रद्धालु जरूरतमंदों को सत्तू, पंखा, गुड़ आदि दान कर सुख, समृद्धि और वंश वृद्धि की कामना करते है। पांच जून गुरुवार को श्रद्धालु उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र और सिद्धि के साथ-साथ सिद्ध और रवियोग में गंगा दशहरा मनाएंगे। इस महीने में भगवान राम और हनुमान की पहली मुलाकात हुई थी। इसलिए यह महीना हनुमान जी के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। मान्यता यह है कि ज्येष्ठ माह में शनि देव का जन्म हुआ था, इसलिए इस महीने में शनि देव की पूजा का विशेष महत्व है।

छह जून को निर्जला एकादशी व 11 को पूर्णिमा: वे बताते हैं कि सनातन धर्म में निर्जला एकादशी अपने आप में बड़ा महत्व रखता है। छह जून को इस वर्ष निर्जला एकादशी पड़ रहा है। इस व्रत में श्रद्धालु भगवान विष्णु की पूजा करते हैं और इस दिन अनाज के साथ-साथ जल का भी त्याग करते हैं। भीषण गर्मी और उमस में पानी त्याग कर श्रद्धालु भगवान विष्णु के सहस्त्रनाम और विष्णु मंत्र का जाप करते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से उन्हें पुण्य की प्राप्ति होती है। ज्येष्ठ माह में 11 जून को स्नान दान की पूर्णिमा के साथ यह माह समाप्त होगी।

@राजपुर: गैस सिलेंडर में रिसाव के कारण हुई अगलगी, चार झुलसे

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के तिवाय गांव में गैस रिसाव के कारण बड़ी घटना हो गई। इसमें रविवार की शाम एक घर में खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर में रिसाव के कारण रसोई में अचानक आग लग गई। रिसाव के कारण हुई अगलगी की घटना में मां व बेटे साथ दो अन्य पड़ोसी भी बुरी तरह से झुलस गए।

घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि तिवाय गांव के श्रवण यादव की पत्नी खाना रविवार की शाम परिवार के लिए बना रही थी, इस बीच सिलेंडर में रिसाव होने लगा, जिससे रसोई में अचानक आग लग गई। जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। अगलगी के कारण मां और बेटे बुरी तरह से झुलस। वहीं आग बुझाने गए दो पड़ोसी भी आग अपने आगोश में ले लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आग बुझाने के दौरान तोष यादव के बेटे विवेक यादव व पड़ोसी भुअर साह भी आग की चपेट में आ गए। अगलगी की घटना में चारों घायलों को ग्रामीणों ने आनन फानन में इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उनका इलाज चल रहा है।

सुनसान जगह पर अपराधियों ने सिर में गोली मार कर दिया घटना को अंजाम

तिहरे हत्याकांड के अगले दिन वासुदेवा में अपराधियों ने गोली मार की युवक की हत्या

♦ अहले सुबह शौच करने गया था युवक, घटना के बाद मामले की जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/नावानगर

जिले में अपराधी बेलगाम हो गए है। शनिवार की सुबह जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव में ट्रिपल मर्डर की घटना की शोर अभी थमी भी नहीं थी कि बेखौफ अपराधियों ने वासुदेवा थाना क्षेत्र इलाके में एक और युवक की गोली मार हत्या कर दी है। इस वारदात को भी अहले सुबह ही अंजाम दिया गया है।

यह बासुदेवा थाना क्षेत्र के अमीरपुर गांव के कुशवाहां डेरा गांव के बधार तथा कोका कोला कंपनी के पीछे की है। मृतक की पहचान देवपुर (कुशवाहा टोला) गांव निवासी महेंद्र सिंह के 42 वर्षीय पुत्र संतोष सिंह के रुप में की गई है।

जानकारी के अनुसार वह सुबह चार बजे घर से शौच के लिए निकला था, लेकिन लौटकर नहीं आया। सुबह करीब छह बजे गांव के लोग जब बधार में शौच के लिए गए तो उनकी नजर खून से लथपथ पड़े संतोष की लाश पर पड़ी। ग्रामीणों ने शोर मचाते हुए पूरे गांव तथा उसके स्वजनों को इस घटना की जानकारी दी। ग्रामीणों ने वासुदेवा पुलिस को घटना से अवगत कराया।

जानकारी मिलते ही डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी, वासुदेवा थानाध्यक्ष मधुबाला भारती सदलबल मौके पर पहुंचे तथा शव को कब्जे में ले पंचनामा करा पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके साथ ही पुलिस इस हत्याकांड के उद्भेदन में जुट गई है। हालांकि, पुलिस को समाचार लिखे जाने तक कोई ऐसा साक्ष्य या सूत्र हाथ नहीं लग पाया है, जिससे पुलिस हत्यारे तक पहुंच सके। इधर मृतक के परिजन भी इस मामले में कुछ स्पष्ट नहीं बता पा रहे है। जिससे इस मामले के उद्भेदन में पुलिस की चुनौतियां बढ़ गई है। बताया जाता है, कि संतोष सिंह औद्योगिक प्रक्षेत्र की कंपनियों में मजदूरों को ठेकेदारी पर काम दिलवाता था। साथ ही ठेके पर जेसीबी व ट्रैक्टर से मिट्टी का काम भी करता था। घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे पत्नी समेत दो पुत्री व एक पुत्र छोड़ गया है। इधर घटना की सूचना पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने मृतक के दरवाजे पर पहुंच कर परिजनों को ढांढस दिया। इस संबंध में वासुदेवा थानाध्यक्ष ने बताया कि अमीरपुर के कुशवाहां डेरा गांव में अपराधियों ने गोली मारकर एक युवक की हत्या कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

वहीं, इस घटना के बाद लोगों में आक्रोश गहरा गया है। गौरतलब हो कि शनिवार की सुबह राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव में तीन लोगों की गोली मार हत्या कर दी गई थी। वहीं, अब वासुदेवा थाना क्षेत्र में भी युवक की हत्या के बाद लोग पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे है।

विधायक ने पीड़ित परिजनों से की मुलाकात: वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुशवाहा कुशवाहा टोला पहुंच पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर घटना पर गहरा दुःख जताया। उन्होंने कहा कि सुशासन की सरकार में अपराधी बेलगाम हो गए है। विधायक ने कहा कि घटना अत्यंत दुखद है। उन्होंने पुलिस से इस हत्याकांड में शामिल अपराधियों को चिन्हित कर उन्हें शीघ्र गिरफ्तार करने को कहा।

कई बिंदुओं पर जांच कर रही है पुलिस : हालांकि, समाचार लिखे जाने तक इस मामले में मृतक के परिजनों ने एफआईआर दर्ज नहीं करया है, बावजूद पुलिस इस मामले के उद्भेदन में जुट गई है। पुलिस सूत्रों की मानें तो कई बिंदुओं पर जांच की जा रही है। पुलिस अवैध संबंध से लेकर ठेकेदारी व पैसे के लेन देन के विवाद सहित कई अन्य बिंदुओं के आधार पर जांच शुरू कर दी है। देखना है कि पुलिस इस हत्याकांड की गुत्थी कैसे सुलझाती है।

स्कूल से विरमित होने पर शिक्षक व छात्र-छात्राएं हुए मायूस

केटी न्यूज/डुमरांव

उर्दू प्राथमिक विद्यालय कोरानसराय में पदस्थापित बीपीएससी शिक्षक रवि रंजन भारती अपनी नियुक्ति से लगातार लगभग 2 वर्षों तक विद्यालय में सेवा प्रदान करते आ रहे थे। बच्चों के पढ़ाने की लगन ने इन्हें उनके बीच काफी लोकप्रिय बना दिया था।

इनका चयन 6 से 8 में बीपीएससी शिक्षक के रूप में भोजपुर जिला के तरारी प्रखंड में उत्क्रमित मध्य विद्यालय हो गया। इसके पश्चात उर्दू प्राथमिक विद्यालय कोरानसराय से त्यागपत्र देकर स्थानांतरित विद्यालय में योगदान देने के बाद अपने पुराने विद्यालय से विदा लिए। इस दौरान स्कूल के शिक्षक, छात्र-छात्राओं ने विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया। इनके विदाई के दौरान छात्र-छात्राओं ने पुष्प वर्षा कर सम्मानित किया तथा विद्यालय परिवार की तरफ से फूल माला, अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर प्रधानाध्यापक इंद्रेश कुमार मिश्रा ने इनके उज्जवल भविष्य की कामना किए तथा वरीय शिक्षक तबरेज आलम ने कहा जहां एक तरफ उच्च विद्यालय में चयन होने की खुशी है तो दूसरी तरफ विद्यालय से जाने का गम, यह हमारे विद्यालय के कर्मठ और सहयोगी शिक्षक रहे। वहीं शिक्षक मोहम्मद रहमतुल्ला, रसोइया उषा देवी, कलावती देवी तथा सफाई कर्मी भोला सिंह ने भी इनको उपहार देकर सम्मानित किया बाल संसद के छात्र-छात्राओं में प्रियम राज, सलोनी कुमारी, कार्तिक कुमार, आरूषी कुमारी, मधु, सुधा, सनी राज, देव प्रकाश, कुलदीप प्रकाश, शिवानी जानवी, अनुष्का के साथ- साथ विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गली-नली का निर्माण नहीं होने से जलजमाव से परेशानी में हैं वार्डवासी

केटी न्यूज/डुमरांव

शहर में गली, नाली और पीसीसी रोड बनाने का जाल बिछाया जा रहा है, लेकिन शहर के कुछ ऐसी गलियां भी हैं, जो विकास से अछूती रह गई है। ऐसी एक गली है वार्ड 22 के अली खान की गली। इसमें बारिश का पानी नहीं निकल पाया है, जिससे गली में रहने वाले लोगों को घर से निकलना मुश्किल हो गया है। जलजमा से बीमारी फैलने का डर लोगों में बना हुआ है।

गली निवासी छोटू खान का कहना है की पिछले तीन महीने से इसकी जानकारी वार्ड पार्षद को दिया गया है, बावजूद नहीं इसकी सफाई पर ध्यान दिया जा रहा है और नहीं कोई समाधान निकाला जा रहा है। मालूम हो कि पूर्व वार्ड पार्षद का भी घर है फिर भी समस्या का कोई निदान नहीं निकल रहा है। मैनुदिन कुरैशी का कहना है कि शुक्रवार की जो बारिश हुई वह बारिश का पानी मेरे घर के आगे जमा हुआ है, घर के बच्चों और महिलाओं का निकलना मुश्किल हो गया है। परिवार के लोग बीमारी फैलने के डर से घबड़ाए हुए हैं। इसी तरह से छोटू खान, अरमान खान, धनु यादव, बिरेंड यादव, सुदरसन यादव, छोटू यादव, काशी यादव, संजय रजक, जोती रजक, मेराज खान का परिवार भी बीमारी फैलने और हो रही परेशानी से डरे हुए हैं।

शिक्षक बच्चों के विकास में सदा प्रयत्नशील : डॉ मनीष

केटी न्यूज/बक्सर

डुमरांव निवासी व सिमरी प्लस टू उच्च विद्यालय के शिक्षक डॉ मनीष कुमार शशि को बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय आइकॉन एक्सीलेंट एजुकेशन अचीवमेंट अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया है।

उन्हें यह सम्मान साउथ एशियन एलायंस फॉर डेवलपमेंट इनिशिएटिव अर्थात सादी के कार्यक्रम में नेपाल के लुंबिनी शहर में मिला है। बता दें कि नेपाल के लुंबिनी में रविवार को सेमिनार सह शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन लुंबनी बुद्ध विश्वविद्यालय, नेपाल में नेपाल के प्रमुख शिक्षाविद और देश के प्रमुख अधिकारी की उपस्थिति में किया गया।

सम्मान मिलने के बाद केशव टाइम्स से फोन पर बात करते हुए मनीष ने कहा कि शिक्षक हमेशा से समाज को नई दिशा के साथ-साथ विद्यार्थी के जीवन में रंग भरने का कार्य करते रहते हैं। समाज की कली को फूल का शक्ल देने के लिए सतत प्रयत्नशील रहते हैं। उनके इस प्रयास से एक समृद्ध समाज का निर्माण होता है। डॉ शशि को नेपाल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सम्मान मिलने के बाद जिले के शिक्षा विभाग व शिक्षकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। उन्होंने बताया कि इस सेमिनार में विशिष्ट अतिथि डॉ मानिक रत्न शाक्य डीन, लुंबिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, डॉ बीपी अशोक (एसपी, लखनऊ), येशी डोरेज, डॉ. राजेंद्र कुमार (प्राचार्य राजकीय शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय कुरूक्षेत्र हरियाणा) एवं प्रकाश निमराजे (निदेशक गोपाल किरण समाजसेवी संस्थान ग्वालियर मध्य प्रदेश) ने सेमिनार में अपनी महत्वपूर्ण भागदारी निभाई। वहीं, सेमिनार में भारत, श्रीलंका, नेपाल और अन्य देशों के शिक्षकों ने भी इस सम्मेलन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

कांग्रेस ने हर घर झंडा अभियान के तहत आयोजित किया चौपाल

राहुल जी के सपनों को करेंगे साकार: डॉ. सत्येंद्र

♦ जिले के सभी घरों में पहुंचेगा कांग्रेस का झंडा

केटी न्यूज/बक्सर

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत रविवार को बक्सर कांग्रेस के द्वारा नगर परिषद बक्सर के वार्ड नंबर 38 में हर घर झंडा अभियान कार्यक्रम के तहत चौपाल का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता वार्ड अध्यक्ष दिनेश कुमार ने व संचालन बक्सर युवा कांग्रेस के महासचिव रमेश राम ने किया।

इस कार्यक्रम का नेतृत्व प्रदेश प्रतिनिधि सह बक्सर विधानसभा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. सत्येंद्र कुमार ओझा ने किया। उन्होंने चौपाल को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी के सपनों का भारत बनाने के लिए कांग्रेस पार्टी इस बार पुरजोर से मेहनत कर रही है। यह चौपाल कार्यक्रम तथा हर घर कांग्रेस के झंडा वितरण का अभियान राहुल गांधी के सपने को पूरा करने के उदेश्य से ही चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की सोंच है कि जिसकी जितनी संख्या उसकी उतनी संसाधनों पर पकड़ एवं सत्ता में भागीदारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एससी-एसटी एवं ओबीसी समुदाय सहित जनरल कास्ट के गरीबी रेखा के नीचे के लोग लोगों को भी उनका अपना हक मिले, इसके लिए लगातार राहुल गांधी संघर्ष कर रहे हैं। जिसके अंतर्गत पूरे भारतवर्ष में खासकर उन लोगों के बीच जा रहे हैं जो दबे कुछ ले एससी एसटी एवं ओबीसी से संबंधित है। वहीं, उन्होंने कहा कि लगातार बिहार प्रदेश के अंतर्गत उनका दौरा चल रहा है। कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी के इस अभियान के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए प्रतिबद्ध है और बिहार प्रदेश के बक्सर जिले में सभी कांग्रेसी मिलकर हर घर झंडा अभियान कार्यक्रम का आयोजन करेंगे और लोगों के मन से कांग्रेस के साथ जोड़ेंगे। मौके पर कांग्रेस नेता अजय ओझा, रमेश राम, लाल यादव, ऋषिकेश, तुलसी, मुकेश, अमित, धर्मेंद्र यादव, विक्की कुमार, कमला देवी, लक्ष्मीना देवी, शकुंतला देवी, चंद्रावती देवी, कौशल्या देवी, लक्ष्मीना देवी, दीपक कुमार, सनी देओल माझी, तुलसी माझी, रामाशंकर तुरहा, अनिल शर्मा सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन राजनाथ यादव ने किया।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

भोजपुर आसपास

बक्सर, 26 मई 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

पीएम के आगमन को लेकर भाजपा कार्यकर्ता को मिले विशेष टाक्स

बिक्रमगंज में होगी पीएम की ऐतिहासिक जनसभा रैली: मंत्री

♦ रैली में करीब 4 लाख आने वाले लोगों को मिलेंगी यातायात सुविधाएं

केटी न्यूज/सासाराम

बिक्रमगंज में पीएम के कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए भूमि सुधार व राजस्व प्रभारी बिहार सरकार मंत्री संजय सरावगी ने रविवार को भाजपा कार्यकताओं के साथ बैठक की। उनके आगमन होते ही काराकाट विधानसभा भाजपा नेता डॉ.मनीष रंजन ने बिहार सरकार मंत्री संजय सरावगी और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद संजय जयसवाल का फूल-माला पहनाते हुए अंगवस्त्र भेंट कर सैकड़ों भाजपा कार्यकताओं साथ भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम अध्यक्षता जिलाध्यक्ष संतोष पटेल ने की।

बैठक का शुभारंभ मुख्य अतिथि बिहार मंत्री सरावगी ने एक सभागार में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय जयसवाल, एमएलसी निवेदिता सिंह, काराकाट विधानसभा भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन, पूर्व विधायक राजेश्वर राज सहित उपस्थित भाजपा सदस्यों के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मंत्री ने अवसर भारत माता की जयघोष करते हुए भाजपा पार्टी के जनक स्व. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और स्व.पंडित दिनदयाल उपाध्य के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। सभा को संबोधित करते हुए ने मंत्री ने कहा कि आगामी 30 मई को बिक्रमगंज के दुगार्डीह में आयोजित होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली एक ऐतिहासिक होगी। इस रैली को लेकर आमजनों व पार्टी कार्यकताओं में काफी उमंग है। जिस तैयारी को अंतिम रूप देने में कार्यकर्ता लगे है। जबकि काराकाट विधानसभा सहित पूरे शाहाबाद प्रक्षेत्र के लोग अपने लोकप्रिय नेता यशस्वी प्रधानमंत्री के भाषण को सुनने के लिए सुनहरे समय का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा कार्यकताओं से रैली की तैयारियों और रणनीति पर गहन चर्चा करते हुए कहा कि कार्यकर्ता जमीनी स्तर से स्थानीय लोगों से मुलाकात कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विभिन्न योजना नीतियों, ऑपरेशन सिंदूर, महिला सशक्तिकरण, बिहार में विकास सहित अन्य उपलब्धियों को लोगों तक हर हाल में पहुंचाते हुए प्रधानमंत्री कार्यक्रम की उन्हें सूचना दे। दूसरी तरफ बिहार सरकार मंत्री व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद संजय जयसवाल ने कहा कि 30 मई को बिक्रमगंज में प्रस्तावित प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारी पर महत्वपूर्ण बातें कहते हुए कहा कि सिंदूर ऑपरेशन के बाद प्रधानमंत्री का बिहार में पहली बार आगमन हो रहा है। जो बिक्रमगंज काराकाट विधानसभा की धरती पर आगमन पर ऑपरेशन सिंदूर के सफलता के बाद देश की जनता में गजब का जोश है पूरे देश में राष्ट्रीय भावना फैला हुआ है। जिस कार्यक्रम को लेकर सभी मंडल अध्यक्षों और कार्यसमिति सदस्य और क्षेत्रिय व पंचायत नेताओं को अपने-अपने क्षेत्र से अधिक से अधिक संख्या में कार्यकताओं को ले जाने का आमंत्रण देने की बात कही।

पीएम के प्रचार-प्रसार में एकजुट हो लाए तेजी : काराकाट विधानसभा के भाजपा कार्यकताओं सहित अन्य प्रभारी सभी क्षेत्रों में जगह प्रचार-प्रसार तेजी से को तेज रफ्तार दे। ताकि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में लोग स्वतः जाने के लिए तैयार हो। असमर्थ आने जाने में माता-बहनों व बुजुर्गो को वाहनों की सुविधा देने की चर्चा पर जोर दें। ताकि वह अपने लोकप्रिय नेता का भाषण सुन सके।

आयुष्मान कार्ड निर्माण के लिए पंचायतों में आयोजित होगा शिविर

बक्सर। 26 से 28 मई तक पंचायतों में आयुष्मान कार्ड निर्माण के लिए शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर जिले के सभी पंचायतों में आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में डुमरांव प्रखंड विकास पदाधिकारी संदीप कुमार पांडेय ने बताया गया कि अभी भी 37 हजार लोगों का आयुष्मान कार्ड नहीं बना है, तीन दिन के शिविर में 30 हजार लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

शिविर की सफलता के लिए रविवार को बीडीओ ने आशा, एएनएम, आशा फैसिलिटेटर, कार्यपालक सहायक, विकास मित्र सहित अन्य संबंधित कर्मियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए तथा शिविर को सफल बनाने का निर्देश दिया गया। बीडीओ ने बताया कि इस शिविर को सफल बनाने के लिए प्रशासन की तैयारियां पूरी है। इसके लिए माइक्रो प्लान के साथ साथ लाभुकों की सूची भी सभी को उपलब्ध करा दी गई है।

प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं को मिली जिम्मेदारी

केटी न्यूज/डुमरांव

प्रखंड के कारोनासराय में रविवार को भाजपा मंडल के कार्यकताओं की बैठक एक निजी सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कोरानसराय मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र पांडेय ने किया।

अगामी 30 मई को शाहाबाद क्षेत्र के बिक्रमगंज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन होने जा रहा है। इसके उपलक्ष्य में विशाल रैली का आयोजन किया गया है। इसको सफल बनाने हेतु एक तैयारी समिति बनाई गई। जिसकी बैठक रविवार को की गई। बैठक में राजपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी मनोज जयसवाल, बक्सर जिला के पूर्व महामंत्री सह वरिष्ठ भाजपा नेत्री पूनम रविदास, बक्सर जिला भाजपा के कार्यालय मंत्री सुनील राम, भाजपा के वरिष्ठ नेता दयाशंकर तिवारी, भाजपा नेता संतोष दुबे, भोला तिवारी, सत्यदेव मिश्रा, मंडल महामंत्री सुमित शर्मा, गणेश वर्मा, उपाध्यक्ष चंदन ओझा, गर्जन पासवान, सौरभ पांडे, सोनू पांडे, दीपू सहित अन्य वरिष्ठ व कनिष्ठ कार्यकर्ता शामिल रहे। विधान सभा प्रभारी मनोज जायसवाल ने कहा कि अधिक से अधिक संख्या में बिक्रमगंज की रैली में कार्यकर्ता और आमजन पहुंचे इसके लिये गांव और शहर में घुम लोगों को उत्प्रेरित किया जाए। बैठक में नेताओं ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद बिहार की धरती पर प्रधानमंत्री का प्रथम रैली है, इस रैली को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता आज से ही तैयारी में लगे जाए। मंडल अध्यक्षों ने कहा की हर मंडल से कार्यकताओं के साथ आम जन शामिल होने के लिये पहुंचेंगे। वैसे भी प्रधानमंत्री की रैली को लेकर लोगों में काफी उत्साह है। कार्यकताओं को बताया गया कि यदि बिक्रमगंज पहुंचने के लिये वाहन की तैयारी होगी उसे भी हवाले किया जाएगा। बक्सर जिला एवं मंडल क्षेत्रों से हजारों हजार की संख्या में युवा वर्ग, माता, बहनें पार्टी के समर्थक, पार्टी के कार्यकर्ता, प्रधानमंत्री के सभा में शिरकत करेंगे।

सोंवा में 58 साल पहले मृत महिला के नाम पर हुई 16 कट्ठा जमीन की रजिस्ट्री, 9 पर केस

केटी न्यूज/डुमरांव

जिले के कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। इसमें 58 साल पहले मर चुकी एक महिला के नाम पर जमीन की फर्जी रजिस्ट्री करा दी गई। वहीं, मृत महिला मंगरी देवी के बेटे दिवाकर मिश्रा की शिकायत पर पुलिस ने मामले में दो महिलाओं समेत कुल 9 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है किम दिवाकर मिश्रा ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव के निवासी हैं।

पीड़ित ने बताया कि उनकी मां मंगरी देवी की मृत्यु 15 अक्टूबर 1967 को हो चुकी थी। इसके बावजूद कुछ लोगों ने साजिश के तहत उनकी मां के नाम पर सोंवा में 16 कट्ठा जमीन की फर्जी तरीके से रजिस्ट्री करा ली। दिवाकर के अनुसार, यह पूरा मामला जालसाजी और धोखाधड़ी का है, जिसमें मृतक के नाम का उपयोग कर दस्तावेज तैयार किए गए।

वहीं, थाने में दर्ज प्राथमिकी में जिन 9 लोगों को आरोपी बनाया गया है, उनमें भगवान सिंह, रामायण सिंह, मोती लाल सिंह, शिव बिहारी सिंह, मुन्ना सिंह, अजय कुमार सिंह, रामाशंकर सिंह, मनजी देवी और पवित्रा देवी शामिल हैं। सभी नामजदों पर धोखाधड़ी, साजिश और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जमीन हड़पने का आरोप है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जब इस मामले का खुलासा हुआ तो जमीन की रजिस्ट्री को तीन महीने के भीतर ही रद्द करा दिया गया था।

हालांकि, इस कार्रवाई के बाद भी दिवाकर मिश्रा ने न्याय की मांग करते हुए संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है और आरोपियों की भूमिका की बारीकी से जांच की जा रही है। कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि कोर्ट का मामला है, परिवाद के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

पेंशनर समाज ने दिवंगत सचिव को दी श्रद्धांजलि

डुमरांव। रविवार को बिहार पेंशनर समाज डुमरांव शाखा के सदस्यों की एक आपात बैठक आयोजित की गई। यह बैठक पेंशनर समाज के कार्यालय में आयोजित हुई थी। बैठक में पेंशनर समाज डुमरांव शाखा के सचिव लक्ष्मण प्रसाद के निधन पर गहरा दु:ख प्रकट किया गया तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रख ईश्वर से प्रार्थना की गई तथा उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। सदस्यों ने उनके निधन को पेंशनर समाज के लिए अपूर्णीय क्षति बताया। कहा कि उनके निधन से समाज को जो क्षति पहुंची है, उसका निकट भविष्य में भारपाई नहीं किया जा सकता है। वे कुशल संगठनकर्ता व पेंशनरों की समस्या के प्रति हमेशा तत्पर रहते थे। गौरतलब हो कि पेंशनर समाज के सचिव लक्ष्मण प्रसाद का निधन शनिवार को अचानक हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही पेंशनर समाज में शोक की लहर दौड़ गई।

खबरें फटाफट

75 लीटर शराब जब्त, तस्कर फरार

डेहरी। इंद्रपुरी थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना पर छापेमारी कर करीब 75 लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया गया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम सुजानपुर से शराब बरामद किया गया है। जबकि मौके से धंधेबाज भागने में सफल रहा। इस संबंध में पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जूट गई है।

पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

काराकाट। जिले के कछवां थाना क्षेत्र अंतर्गत वारंटी जगदंबा सिंह ग्राम इब्राहिमपुर के घर पर व्यवहार न्यायालय बिक्रमगंज के स्तर से निर्गत सख्त आदेश के तहत पुलिस के द्वारा आरोपित इके घर पर इश्तेहार को चिपकाकर विधिवत तामिला की है। इस संबंध में जानकारी थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने कहा कि पुलिस कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई कर रही है, जल्द ही आरोपी पकड़े जाएंगे।

शराब और बाइक साथ एक गिरफ्तार

काराकाट। कछवां थाना क्षेत्र अतंर्गत ग्राम रामपुर भरहेता से रितेश कुमार पिता सगीना सिंह ग्राम गिरवाई थाना सासाराम मुफ्फसिल जिला रोहतास को 28 लीटर देशी महुआ शराब एवं बाइक के साथ गिरफ्तार किया गया है। प्रथम द्दष्टयता उक्त बाइक चोरी का प्रतीत होता है,जिसके संबंध में अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। इसकी जानकारी थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने दी।

हथियार और रुपए के साथ दो अपराधी गिरफ्तार

केटी न्यूज/सासाराम

बिक्रमगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय ने कार्यालय कक्ष में एक प्रेसवार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि रोहतास एसपी रौशन कुमार के निदेर्शानुसार अपराध नियंत्रण व कानून व्यवस्था बनाये रखने और अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

इस क्रम में 24 मई को काराकाट थानाध्यक्ष एवं उनकी पुलिस टीम के द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर काराकाट थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम शहरी में छापेमारी कर अरमान आलम उम्र 27 वर्ष पिता मोहम्मद मनीरूद्दीन के घर में छिपा कर रखे हुए एक अवैध पिस्टल,दो मैगजीन, 11 जिन्दा कारतूस,एक काले-लाल रंग का 16 जीबी का सैंडिस्क कम्पनी का पेन ड्राइव, एक ओप्पो कंपनी का रेनो मोबाईल, 3 लाख 97 हजार 600 रुपए नगद, एक पल्सर बाइक, एक स्कॉर्पियो को पुलिस ने बरामद कर लिया। पुलिस ने जब पकड़ाये हुए व्यक्ति अरमान आलम से पूछताछ की तो उसने बताया कि यह पिस्टल, मैगजीन व गोली मनीष मिश्रा उम्र 30 वर्ष पिता सुनील मिश्रा काराकाट थाना क्षेत्र के ग्राम रघुनाथपुर से कुछ दिन पहले पैतीस हजार रुपये में खरीदी थी।

मामले में काराकाट थाना में सुसंगत धारा अधिनियम के अंतर्गत प्राथमिकी अभियुक्त अरमान आलम उम्र 27 वर्ष पिता मोहम्मद मनीरूद्दीन ग्राम शहरी एवं मनीष मिश्रा उम्र 30 वर्ष पिता सुनील मिश्रा ग्राम रघुनाथपर के विरूद्ध दर्ज किया गया । कांड के अनुसंधानकर्त्ता पुअनि संजय कुमार यादव के द्वारा कांड अनुसंधान में अग्रेतर एवं त्वरित कार्रवाई करते हुए उपरोक्त कांड के दूसरे प्राथमिकी नामजद अभियुक्त मनीष मिश्रा को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार दोनों अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना में कांड दर्ज है।

शादी के हर्ष फायरिंग में नर्तकी को लगी गोली, आरोपी गिरफ्तार

केटी न्यूज/सासाराम

जिले के काराकाट थाना क्षेत्र अंतर्गत शहरी निवाशी नर्तकी पलक कुमारी डिहरी अनुमंडल के आयर कोठा थाना क्षेत्र के टढवाँ गांव में 24 /25 मई की रात गांव में आई एक बारात आई थी जिसमें नृत्य की नृत्य कर रही थी इस दौरान किसी के द्वारा हर्ष फायरिंग किया गया।

फायरिंग के दौरान गोली नृत्य कर रहे डांसर को लग गई। जिसे इलाज हेतु बिक्रमगंज भेजा गया। इस घटना की पुष्टि करते हुए रोहतास एसपी रौशन कुमार ने बताया कि इस मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना के बारे मे बताया जा रहा है कि 24 मई की देर रात्रि की है जहां नासरीगंज थाना क्षेत्र के सबदला गांव से बारात आयर कोठा थाना क्षेत्र के टड़वाँ गांव आया था। जहां बारातियों के ठहरने के लिए एक निजी होटल की व्यवस्था की गई थी।

बताया जा रहा है कि इसी होटल में नाच प्रोग्राम के बीच एक नर्तकी को हर्ष फायरिंग के दौरान गोली लग गई। सूत्रों की माने तो नर्तकी शहरी निवासी पलक कुमारी है। जिसका इलाज बिक्रमगंज के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। इस घटना की पुष्टि करते हुए रोहतास एसपी ने बताया कि उक्त मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं घटना की जांच डिहरी एसडीपीओ कर रहे हैं।

बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री का हुआ भव्य स्वागत

सासाराम। जिले के डेहरी ऑन सोन में रविवार को बिहार सरकार मंत्री मंगल पांडेय का भव्य स्वागत हुआ। अवसर पर सैकड़ों भाजपा कार्यकताओं ने उन्हें फूल माला पहना भव्य स्वागत लिया। जहां कार्यकताओं का अभिनंदन करते हुए मंत्री मंगल पांडे ने बताया कि आगामी 30 मई को बिक्रमगंज के दुगार्डीह में यशस्वी प्रधानमंत्री के आयोजित होने वाली भव्य कार्यक्रम को सफल बनाने में वह अपनी अहम भूमिका निभाए। मौके पर पूर्व विधायक इंजीनियर सत्यनारायण यादव,राजेंद्र सिंह उर्फ भोला, पूर्व जिला मंत्री मीना, प्रखंड अध्यक्ष आशुतोष सिंह, सुनीता यादव, कन्हैया, वीरेंद्र शर्मा, अशोक सोनी, महामंत्री पुतुल सोनी, श्रीकांत चौबे, पप्पू यादव, नगर उपाध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता सहित लोग उपस्थित थे।

12वीं की परीक्षा में सफल छात्रों को किया गया सम्मानित

मुश्किलों से निराश नहीं होना चाहिए: डॉ. प्रदीप

केटी न्यूज/बक्सर

जिला मुख्यालय स्थित हेरिटेज स्कूल, अर्जुनपुर में रविवार को सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा में सफल छात्रों को सम्मानित किया गया। दस दौरान ई. मुनि एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट एवं रूटर एजुकेशनल ट्रस्ट के अंतर्गत सीबीएसई संबद्ध (10+2) हेरिटेज स्कूल के छात्रों ने इस वर्ष भी सफलता का कीर्तिमान स्थापित किया। प्रतिभा सम्मान समारोह में सभी सफल छात्र अपने अपने अभिभावकों के साथ शामिल हुए।

विद्यालय के निदेशक डॉ. प्रदीप पाठक और प्राचार्या डॉ सुषमा कुमारी ने छात्रों को शुभकामनाएं और उज्वल भविष्य के लिए आशीष प्रदान किए। सफल बच्चों में समर्थ वर्मा (जिला टॉपर), स्नेहा (द्वितीय स्थान), आदित्य वर्मा के साथ अन्य सभी छात्रों को पदक, स्मारिका, प्रमाणपत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में सभी उत्तीर्ण छात्रों को सम्मानित किया गया। डॉ. प्रदीप पाठक ने बच्चों को करियर संबंधी कई बाते समझाई और शिक्षा के नए आयाम और स्त्रोत के बारे में बताया। उन्होंने बच्चों का भी हौसला बढ़ाया जिन्होंने किसी न किसी कारण से कुछ कम अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में कई बार आने वाली मुश्किलों से निराश न होते हुए, नई चुनौतियों का सामना मजबूत हौसले और सही निर्णय के साथ लक्ष्य का निर्धारण करते हुए करना चाहिए। अपने अभिरुचि के अनुसार अपने विषयों की जानकारी प्राप्त करने के साथ साथ उसे महसूस करने की आवश्यकता है जो जीवन में कभी भी विफल नहीं होने देगा। चकाचौंध की दुनिया से हटकर दिवा स्वप्न देखने के बजाय शांत चित्त से अपने लक्ष्यों की नियमित साधना की आवश्यकता है। प्राचार्या सुषमा पाठक ने उपस्थित सभी सफल छात्रों खासकर लड़कियों के प्रदर्शन की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए हौसला अफजाई की। सुनीता विलियम्स के जीवट का उदाहरण देते हुए कहा कि लड़कियों में उतना ही दमखम है और आज बेटे और बेटियों में कोई फर्क नहीं। इसके लिए उन्होंने माता पिता की महती भूमिका पर बल दिया। ि अंततः डॉ प्रदीप पाठक ने विद्यालय के स्मृति शेष संस्थापक दिलीप कुमार पाठक जी के सपनों को साकार होने का श्रेय विद्यालय के सभी परिश्रमी शिक्षकों के उचित एवं नियमित प्रयास एवं निर्देशन को दिया एवं बच्चों के उज्ज्वलभविष्य की कामना की।

वोट दे बिहारी और नौकरी पाए बाहरी ये अब नही चलेगा: दिलीप

केटी न्यूज/पटना

बिहार की सरकारी नौकरियों मे डोमिसाइल लागू करने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। डोमिसाइल को लेकर राजधानी पटना से आए बिहार स्टूडेंट यूनियन के अध्यक्ष छात्र नेता दिलीप कुमार के नेतृत्व मे छात्रों की एक बैठक मोतिहारी के गांधी मैदान मे गाँधी मूर्ति के पास हुई।

बैठक के बाद दिलीप कुमार के नेतृत्व मे सैकड़ों अभ्यर्थियों ने गांधी मैदान मे प्रदर्शन कर बिहार की सरकारी नौकरियों मे डोमिसाइल लागू करने की मांग किया। दिलीप कुमार ने कहा कि बिहार की सरकारी नौकरियों पर पहला हक बिहारी छात्रों का है। वोट दे बिहारी और नौकरी पाए बाहरी ये अब नही चलेगा। छात्र नेता दिलीप कुमार ने कहा कि कुछ राज्यों मे प्रत्यक्ष रूप से डोमिसाइल लागू है जिससे बिहार के अभ्यर्थियों का नुकसान हो रहा है। कुछ राज्यों मे परीक्षा की प्रक्रिया और सिलेबस ऐसा बनाया गया है जिससे उस राज्य से संबंधित प्रश्न अधिक पूछकर उस राज्य के अभ्यर्थियों को फायदा पहुँचाया जाता है। बिहार मे बीपीएससी टीआरई (शिक्षक भर्ती) मे सौ प्रतिशत डोमिसाइल लागू किया जाए तथा बीपीएससी सिविल सेवा, दारोगा, सिपाही, बीएसएससी सहित बिहार की अन्य सभी सरकारी नौकरियों मे 90 प्रतिशत डोमिसाइल प्रत्यक्ष रूप से लागू किया जाए। 10 प्रतिशत सीट खुला रखा जाए जिसमे बिहार से बाहर के अभ्यर्थियों का चयन हो सकता है तथा मेरिट के आधार पर बिहार के अभ्यर्थी भी चयनित हो सकते हैं। दिलीप कुमार ने कहा कि बिहार की जनसंख्या भी अधिक है और यहाँ फैक्ट्रियाँ भी नही है। रोजगार का एकमात्र सबसे बड़ा साधन सरकारी नौकरी ही है। बिहार में जितनी बहालियां आ रही है उसकी तुलना अन्य राज्यों में बहुत कम बहाली आ रही है। बीपीएससी टीआरई मे कुछ विषय मे सामान्य श्रेणी मे बिहार से अधिक बिहार से बाहर का चयन हुआ। इसलिए बिहारी छात्रों के हित मे डोमिसाइल लागू होना चाहिए। बिहार सरकार से मांग है कि बिहार मे डोमिसाइल लागू किया जाए। साथ ही बीएसएससी, दारोगा, सिपाही सहित सभी प्रतियोगी परीक्षाओं मे पारदर्शिता लायी जाए । प्रदर्शन के दौरान डोमिसाइल नही तो वोट नहीं का नारा भी लगाया गया। प्रदर्शन मे प्रियंका सिंह, शाहीन प्रवीण, ज्योति, पूनम तिवारी, साहिल, विक्की वाजपेई, राहुल यादव, पवन तिवारी, निरंजन, संदीप,रोहन, सुदामा, रवि, सहित सैकड़ों छात्र - छात्राएँ शामिल हुए।

हैवानियत की हदें पार... पश्चिमी चंपारण में चार युवकों ने नाबालिग के साथ किया गैंगरेप

केटी न्यूज/पटना

पश्चिमी चंपारण जिले के धनहा थाना क्षेत्र में एक 15 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है। यह घटना शनिवार रात को उस समय हुई जब चार युवकों ने नाबालिग को झांसा देकर केले के खेत में ले जाकर हैवानियत की हदें पार कर दीं। इस जघन्य कृत्य के बाद आरोपियों ने पीड़िता को अचेत अवस्था में छोड़कर मौके से फरार हो गए। सामूहिक दुष्कर्म के बाद नाबालिग को अत्यधिक रक्तस्राव हुआ, जिससे उसकी हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। परिजनों ने तत्काल उसे स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उसे बेतिया स्थित गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल (जीएमसीएच) रेफर कर दिया। खबर लिखे जाने तक उसे होश नहीं आया था, जो उसकी गंभीर स्थिति को दशार्ता है। इस हृदय विदारक घटना की सूचना मिलते ही धनहा थाना पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शनिवार रात ही छापेमारी कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि एक आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के रामघाट निवासी मुन्ना अंसारी के रूप में हुई है। यह घटना समाज में महिला सुरक्षा पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े करती है, लेकिन पुलिस की त्वरित गिरफ्तारी से कहीं न कहीं कानून के प्रति विश्वास कायम होता है।

बेगूसराय के साहेबपुर कमाल प्रखंड में अपहरण की घटना से दहशत

अंधाधुंध गोलियां चला हम पार्टी के नेता को घर से उठा ले गए बदमाश

- बिहार में हर दिन बड़ी वारदात को अंजाम देकर कानून-व्यवस्था को खुली चुनौती दे रहे अपराधी
- अपहरण के 24 घंटे बाद भी नेता का कोई अता-पता नहीं चल पाया

केटी न्यूज/पटना

बिहार के बेगूसराय जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां साहेबपुर कमाल प्रखंड में हथियारबंद अपराधियों ने हम (हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा) पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष और बीस सूत्री कार्यक्रम समिति के सदस्य राकेश कुमार का अपहरण कर लिया है। अपहरण के 24 घंटे बाद भी नेता का कोई अता-पता नहीं चल पाया। बताया जाता है कि शनिवार की रात सरपंच का पति कुख्यात बदमाश डब्ल्यू यादव एक दर्जन साथियों के साथ हम नेता विकास साह के घर के पास पहुंचा और ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए विकास का अपहरण कर लिया।

हालांकि, अपहरण की सूचना मिलते ही देर रात एसपी मनीष दलबल के साथ पहुंचकर पूरे मामले की जांच पड़ताल की। रविवार को भी एसपी मनीष ने खुद घटनास्थल और दियारा इलाके में छापेमारी की। लेकिन, अब तक विकास साह के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई। विकास के बरामदगी नहीं होने से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। अनहोनी की आशंका से परिवार वाले डरे हुए हैं। विकास की मां वार्ड सदस्य हैं और हाल ही में विकास बीस सूत्री का सदस्य भी बनी हैं।

चार दिन पूर्व हुई थी कहासुनी: परिजनों का आरोप है कि डब्ल्यू यादव कुख्यात बदमाश है, उसकी पत्नी सरपंच है। चार दिन पहले डब्ल्यू यादव का विकास साह की मां के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इसी बात को लेकर डब्ल्यू यादव अपने गुर्गों के साथ विकास का अपहरण कर लिया है। बताया जाता है कि कुख्यात अपराधी और संदलपुर पंचायत का सरपंच पति डब्ल्यू यादव दर्जन भर हथियारबंद अपराधी उसके घर के समीप भंवरा पर पहुंचा, जहां बदमाशों ने अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दी। इसके बाद राकेश कुमार उर्फ विकास का अपहरण कर दियारा की ओर भाग निकले।

खून के निशान मिलने से सहमे परिजन: भंवरा के निकट खून के दाग भी मिले हैं जिससे अनहोनी की आशंका से परिवार वाले डरे सहमे हैं। एसपी मनीष ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि साहेबपुर कमाल थाने को बीती रात सूचना मिली की संदलपुर वार्ड नंबर-4 में डब्ल्यू यादव और कुछ लोगों के द्वारा एक व्यक्ति को पकड़कर गंगा किनारे दियारा की तरफ ले जाया गया है। सूचना मिलते ही स्वयं और पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंच कर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

झोपड़ी में आग लगने से जिंदा जले भाई-बहन

पटना। समस्तीपुर जिले के दलसिंहसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत भगवानपुर चकशेखू गांव में रविवार दोपहर एक हृदयविदारक हादसा हो गया। बिजली के शॉर्ट सर्किट से झोपड़ी में लगी आग की चपेट में आकर दो मासूम भाई-बहन की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान तीन वर्षीय अंकित कुमार और पांच वर्षीय प्रीती कुमारी के रूप में हुई है। दोनों बच्चे शंभू माझी के पुत्र और पुत्री थे और फिलहाल अपने ननिहाल में रह रहे थे। परिजनों के अनुसार, दोनों बच्चे झोपड़ी में सो रहे थे, तभी अचानक आग लग गई।

भतीजे के उपनयन संस्कार में शामिल होने आए चाचा की करंट लगने से मौत

केटी न्यूज/पटना

मुंगेर के जमालपुर प्रखंड के इंदरुख पूर्वी पंचायत में उस समय मातम छा गया जब एक परिवार के उपनयन संस्कार के शुभ अवसर पर दुखद हादसा हो गया। भतीजे के उपनयन संस्कार में शामिल होने आए चाचा और एयरफोर्स में सार्जेंट पद पर कार्यरत अवनीश कुमार की करंट लगने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, अवनीश कुमार वर्तमान में बरेली (उत्तर प्रदेश) में तैनात थे। वे 20 मई को अपने परिवार के साथ अपने पैतृक गांव इंदरुख पहुंचे थे, जहां उनके भतीजे का उपनयन संस्कार होना था। इस अवसर पर तीन दिनों तक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। घर के पीछे पंडाल लगाया गया था, जहां बिजली का पंखा लगाते समय अवनीश करंट की चपेट में आ गए।हादसे के वक्त परिवार के अन्य सदस्य वहां मौजूद नहीं थे। कुछ देर बाद जब वे अवनीश को ढूंढ़ने लगे तो देखा कि वे जमीन पर अचेत पड़े हुए हैं। परिजन तुरंत उन्हें सफियासराय स्थित एक निजी नर्सिंग होम ले गए, जहां से डॉक्टरों ने उन्हें सदर अस्पताल रेफर कर दिया। सदर अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस खबर के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

2005 में हुई थी एयरफोर्स में नियुक्तिः 37 वर्षीय अवनीश कुमार की नियुक्ति 2005 में भारतीय वायुसेना में हुई थी। दो साल बाद, 2007 में उनकी शादी भागलपुर निवासी सपना से हुई। उन्हें दो बेटियां शांभवी और श्रेया तथा एक दो वर्षीय बेटा है। अवनीश की मौत की खबर सुनकर उनकी बड़ी बेटी शांभवी अपने पिता के शव से लिपटकर बिलखती रही, जिससे वहां मौजूद हर आंख नम हो गई। जब अवनीश का शव उनके पैतृक गांव पहुंचा तो पूरा गांव शोक में डूब गया।

ग्रामीणों ने बताया कि रविवार से उपनयन संस्कार का कार्यक्रम शुरू होने वाला था, जिसमें रामायण पाठ का आयोजन भी था। लेकिन इस दुखद हादसे ने पूरे माहौल को गमगीन बना दिया। ग्रामीणों ने बताया कि अवनीश गांव का होनहार युवक था। उनके पिता बमबम सिंह किसान हैं।

पटना में दो गुटों के बीच विवाद को लेकर चली गोली, युवक घायल

पटना। पटना जिला के मनेर थाना क्षेत्र के ब्यापुर गांव में पूर्व की रंजिश को लेकर दो गुटों के बीच जमकर पथराव और ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। इस घटना में एक युवक गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक इलाज के बाद पीएमसीएच रेफर किया गया है। घटना रविवार को दिनदहाड़े हुई, जब एक पक्ष के लोगों ने दुसरे पक्ष के घर पर धावा बोलते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में दूसरे पक्ष ने भी पथराव और फायरिंग की। देखते ही देखते चारों ओर ईंट-पत्थरों के ढेर लग गए और कई घरों की दीवारें गोलियों से छलनी हो गईं। स्थानीय लोगों के अनुसार, शनिवार की देर रात को भी दोनों पक्षों के बीच झड़प और फायरिंग हुई थी। पुलिस मौके पर पहुंची थी, लेकिन स्थिति को नियंत्रित करने में नाकाम रही। इसके बाद रविवार को फिर से हिंसा भड़क उठी। फायरिंग के दौरान गोली लगने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

मधेपुरा पहुंचे ऑल इंडिया एंटी टेररिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष एमएस बिट्टा ने कही बात

भारत को आतंकवाद के खिलाफ अब निर्णायक रुख अपनाने की जरूरत, राष्ट्रहित में एकजुट हों सभी: बिट्टा

केटी न्यूज/पटना

ऑल इंडिया एंटी टेररिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष एमएस बिट्टा रविवार को मधेपुरा जिले के आलमनगर प्रखंड स्थित खुरहान गांव में आयोजित खेल महोत्सव में शामिल हुए। जहां उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर बड़ा बयान देते हुए आतंकवाद के खिलाफ देश की एकजुटता की आवश्यकता पर जोर दिया। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि भारत को अब आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक रुख अपनाने की जरूरत है और सभी को परिपक्व राजनेताओं की तरह सोचते हुए राष्ट्रहित में एकजुट होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ा कोई भी बयान देने से पहले नेताओं को पचास बार सोचना चाहिए क्योंकि जब देश सर्वोपरि होता है। हर मतभेद को भुलाकर एकजुट होना ही सच्ची देशभक्ति मानी जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि हर भारतीय को अपनी पहली पहचान भारतीय के रूप में स्वीकार करनी होगी और यदि जान भी जाए तो जाए, लेकिन वतन की शान नहीं जानी चाहिए। बिट्टा ने हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि मां के सामने बेटे को और पत्नी के सामने पति को छीन लेना कायरता की पराकाष्ठा है। भारत ऐसा देश है जो आम मानवता में विश्वास रखता है तथा निर्दोषों के कत्लेआम का विरोध करता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद के समूल नाश के लिए संकल्पित है, इसलिए कुछ कार्रवाइयों में समय लग रहा है, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर तब तक जारी रहेगा जब तक आतंकवाद का नामोनिशान मिट नहीं जाता। पाकिस्तान पर तीखा हमला बोलते हुए बिट्टा ने कहा कि वहां के राष्ट्रपति आतंकियों की मौत पर उनके जनाजे में गुलदस्ता भेजते हैं, जो उनके असली चेहरे को बेनकाब करता है। उन्होंने बताया कि आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में अमेरिका, रूस सहित कई अंतरराष्ट्रीय शक्तियां भारत के साथ खड़ी हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हर भारतीय इजराइल की तरह सतर्क, संगठित और राष्ट्र के प्रति समर्पित बनकर इस लड़ाई को मजबूती दे। गौरतलब है कि एमएस बिट्टा 1992 में हुए बम धमाके में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखे हुए हैं।

26-05-2025 Final_26-05-2025 Final.qxd 5/26/2025 12:25 AM Page 6

संक्षिप्त समाचार

ओरमांझी का बटरफ्लाई पार्क में नए मेहमानों के सुनहले पंखों से आसमान रंगीन

रांची, एजेंसी। इन दिनों ओरमांझी का बटरफ्लाई पार्क तितलियों से गुलजार है। अपने कुनबे को बढ़ाने में जुटीं ये तितलियां नए सदस्यों के स्वागत के लिए उत्साहित हैं, आह्लादित हैं। पत्तों पर पनप रहीं इन जिंदगियों में से कुछ आकार ले चुकी हैं और कुछ आनेवाले दिनों में अस्तित्व में आएंगी। चार चरणों (अंडा, लार्वा, प्यूपा और वयस्क) से गुजरने वाले इस जीवन चक्र में जरूरी नहीं कि सभी आकार पा जाएं। किसी भी चक्र में जीवन के खो जाने का खतरा है। पर इन सब आशंकाओं के बीच कुछ जिंदगियां पनपेंगी। कुछ रंग-बिरंगे पंख खुलेंगे और आसमान को रंगीन बना देंगे। मशहूर कवि, गीतकार और संवाद लेखक निदा फाजली ने तभी तो कहा है, यही है जिंदगी... कुछ ख्वाब, चंद उम्मीदें।

रांची में अड्डाबाजी करने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई, हेल्पलाइन नंबर जारी

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में विभिन्न जगहों पर अड्डेबाजी करने वालों की अब खैर नहीं है। रांची पुलिस अड्डेबाजी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। आम जनता से अपील की गयी है कि कहीं भी अड्डाबाजी करते हुए कोई नजर आये तो तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दें। इसके लिए एक हेल्पलाइन नंबर 8987790664 भी जारी किया गया है। अड्डेबाजी की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचेगी और विधि सम्मत कार्रवाई करेगी। पुलिस द्वारा बताया गया कि अक्सर अड्डेबाजी करने वाले लोग नशा करते हैं और आपराधिक घटनाओं की योजना भी बनाते हैं। ऐसे में अपराध पर नियंत्रण पाने के लिए अड्डेबाजी पर लगाम लगाना काफी जरूरी है। हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से अड्डेबाजी की सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जायेगी।

रांची पहुंचे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, एयरपोर्ट पर हुआ स्वागत

रांची, एजेंसी। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला रांची पहुंच गये हैं। झारखंड विधानसभा स्पीकर रवींद्रनाथ महतो और रक्षा राज्यमंत्री सह सांसद संजय सेठ ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से निकलकर वे सीधे बिरसा चौक पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित किया। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष राजभवन चले गये। बता दें कि ओम बिरला आज रांची और जमशेदपुर में आयोजित कार्यक्रमों का हिस्सा बनेंगे। इस दौरान वे रांची में विभिन्न समूहों द्वारा आयोजित नागरिक कार्यक्रम में शामिल होंगे। साथ ही जमशेदपुर में ओम बिरला सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्लेटिनम जुबली समारोह में शिरकत करेंगे। वे विभिन्न समारोहों में शामिल होने के बाद राजभवन में ही रात्रि विश्राम करेंगे। लोकसभा स्पीकर जमशेदपुर के लोयोला स्कूल के फैसी (Fas4) सभागार में दोपहर 12:15 बजे से दोपहर 2 बजे तक सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्लेटिनम जुबली समारोह में शामिल होंगे। वे दोपहर 3:15 बजे के करीब जमशेदपुर के सोनारी एयरपोर्ट से रांची वापस लौटेंगे। यहां ओम बिरला डंगराटोली के स्वर्णभूमि सभागार में शाम 5:45 बजे से 7:40 बजे तक विभिन्न समूहों द्वारा आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में शिरकत करेंगे।

31प्रतिशत ही हुए पास, चौकीदार पद के लिए 366 अभ्यर्थियों ने लगाई दौड़...

रांची, एजेंसी। चौकीदार के पद पर नियुक्ति के लिए शुक्रवार को खेलगांव स्थित स्टेडियम में शारीरिक जांच परीक्षा हुई। 26 मई तक चलने वाली इस परीक्षा में पहले दिन 366 अभ्यर्थी शामिल हुए। 18 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। 366 अभ्यर्थियों को बारी-बारी से जांच करने के बाद उनका डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन किया गया। इसके बाद सभी दौड़ में शामिल किए गए। अभ्यर्थियों को 6 मिनट में 1600 मीटर की दौड़ पूरी करनी थी। हालांकि दौड़ परीक्षा में मात्र 113 अभ्यर्थी ही पास हुए। परीक्षा में 69 प्रतिशत अभ्यर्थी फेल हो गए। मालूम हो कि 3 दिनों तक चौकीदार पद के लिए चलने वाली इस शारीरिक परीक्षा में कुल 933 अभ्यर्थी खेलगांव स्थित बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में दौड़ लगाएंगे।

13 साल बाद भी अधूरा है आमदा के 500 बेड वाले अस्पताल का निर्माण कार्य

खरसावां, एजेंसी। खरसावां जिले के आमदा में 500 बेड के अस्पताल का निर्माण कार्य आज 13 साल बाद भी अधूरा पड़ा हुआ है। 13 सालों में अब तक केवल भवन का स्ट्रक्चर ही खड़ा हुआ है। अस्पताल का निर्माण डूंगरीनूमा टीला में किया जा रहा है। इस कारण भी अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू करने में देरी हुई। तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने 12 नवंबर 2011 में 500 बेड के अस्पताल का शिलान्यास किया था।

जानकारी के अनुसार, 25 फरवरी 2011 में मंत्री परिषद की बैठक में खरसावां के आमदा में 500 बेड वाले अस्पताल के निर्माण के लिए कुल 153।96 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति मिली थी। इसके लिए नयी दिल्ली की एनबीसीसी लिमिटेड के साथ इकरारनामा किया गया। स्वीकृत राशि में से अधिकांश राशि की निकासी कर ली गयी है। एकरारनामा के अनुसार अस्पताल का

निर्माण कार्य 26 फरवरी 2014 तक पूरा करने का लक्ष्य था, लेकिन अब भी अधूरा पड़ा हुआ है।

अस्पताल भवन का निर्माण कार्य विगत दो सालों से भी अधिक समय से बंद पड़ा हुआ है। इसी बीच झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा निर्माण कार्य को पूरा करने के साथ-साथ अन्य आधारभूत संरचनाओं के निर्माण के लिए 353।04 करोड़ रुपये का प्राक्कलन तैयार कर सरकार के पास भेजा गया है। यह मूल स्वीकृत प्राक्कलन राशि 153।96 करोड़ से काफी अधिक है। सरकार के स्तर पर पुनरीक्षित प्राक्कलन की समीक्षा की जा रही है।

इस 500 बेड के अस्पताल का निर्माण कार्य पूरा कराने के प्रति स्थानीय विधायक दशरथ गागराई भी काफी मुखर रहे है। उन्होंने विगत एक दशक से लगातार इस मामले को विस में उठाया है। विगत बजट सत्र में भी विधायक ने इस मामले को विस उठाते हुए सरकार से जल्द से जल्द अस्पताल भवन का निर्माण कार्य पूर्ण कराने का आग्रह किया था। इस पर सरकार की ओर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने सदन में ही योजना स्थल का निरीक्षण करते हुए दो माह के भीतर इस पर आवश्यक निर्णय लेने का आश्वसन दिया था।

भविष्य में इस अस्पताल को मेडिकल कॉलेज में उत्क्रमित करने की योजना थी। लेकिन, यह योजना पूरी नहीं हो पायी है। खरसावां के आमदा में निर्माणाधीन अस्पताल का कैंपस करीब 25 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। निर्माणाधीन हॉस्पिटल भवन में क्लीनीकल ब्लॉक व ओपीडी 8-8 फ्लोर का है। वार्ड बिल्डिंग में 11 फ्लोर बनाया जा रहा है। 1।25 लाख वर्गफीट में पूरा बिल्डिंग बनाया जा रहा है। अब तो पिछले दो वर्षों से निर्माण कार्य ठप रहने के कारण भवन के सामाग्री भी खराब होने लगे है।

जेल से निकल कर चोरी की बाइक बेचने में लगा दोबारा, तब तक पहुंच गई पुलिस!

रांची, एजेंसी। डीआईजी सह रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को मिली गुप्त सूचना के आधार छह बाइक चोर रांची के रातू इलाके से गिरफ्तार किए गए है। गिरफ्तार चोरों के पास से चोरी की कई बाइक भी बरामद किए गए हैं। डीआईजी सह रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि जियाउल अंसारी नाम का अपराधी रांची जेल से छूटने के बाद से एक बार फिर से मोटर साइकिल चोरी कर ग्रामीण क्षेत्रों में बेच रहा है। साथ ही वो पुलिस के डर से घर से भागा फिर रहा है।

मिली सूचना के आधार एक छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल के द्वारा सर्व प्रथम जियाउल अंसारी के घर पर छापामारी करते हुए घर की तलाशी ली गई। तलाशी क्रम में एक चोरी की बाइक पुलिस को मिली। जिसके बाद जियाउल अंसारी को गिरफ्तार किया गया। जियाउल अंसारी की निशानदेही पर सजीबुल अंसारी के घर की विधिवत तलाशी लेने पर उसके घर से बिना कागजात के तीन मोटर साइकिल बरामद किया गया।

जियाउल अंसारी से कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने अपने अन्य साथियो के नाम भी बताए, जिसके बाद अन्य पांच को भी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार सजीबुल अंसारी और इमरान अंसारी की निशानदेही पर कलीम अंसारी के घर से एक मोडिफाई किया हुआ दो बाइक मिली। वहीं गिरफ्तार इमरान अंसारी की निशानदेही पर मोबीन अंसारी उर्फ गुड्डू और समीन अंसारी के घर से एक-एक मोडिफाई किया हुआ मोटर साइकिल बरामद हुआ है।

सीमेंट लदे ट्रक की पशु लदे ट्रक से टक्कर:

गिरिडीह के मोहालीडीह में हादसा, चालकों की मौत, दर्जनों पशुओं की मौत

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के ताराटांड थाना क्षेत्र के मोहलीडीह के समीप आज सुबह दो ट्रकों के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस भीषण टक्कर में दोनों वाहन के चालकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जिन दो वाहनों के बीच टक्कर हुई ही उनमें से एक वाहन में मवेशी लोड था। वहीं दूसरे वाहन में सीमेंट भरा हुआ था।

दोनों वाहनों के बीच की टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहनो के परखच्चे उड़ गए। इस घटना के बाद इलाके में अफरा - तफरी माहौल हो गया। देखते ही देखे काफी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ गई। इधर घटना की सूचना मिलने के बाद ताराटांड़ थाना पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया।

घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि अहले सुबह एक वाहन धनबाद से गिरिडीह की ओर जा रहा था। वहीं दूसरा वाहन गिरिडीह से धनबाद की ओर जा रहा था। इसी ट्रक में सीमेंट लदा था। अचानक तेज रफ्तार ट्रकों में भीषण टक्कर हो गई। जिसके बाद दोनों वाहन के चालक की गाड़ी में ही फंस कर दर्दनाक मौत हो गई।

घटना के बाद पुलिस की टीम जेसीबी और मशीन के सहारे दोनों वाहनों के आगे के हिस्से को काटा। इसके बाद दोनों वाहन के चालकों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। इस दुर्घटना में एक दर्जन से अधिक मवेशियों की भी मौत हो गई है। फिलहाल दोनों मृतक चालकों की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

झारखंड 10वीं-12वीं का रिजल्ट अगले हफ्ते आएगा: कॉपियों के मूल्यांकन का काम पूरा

शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन कर सकते हैं जारी

रांची, एजेंसी। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) मैट्रिक और इंटर कला, विज्ञान और वाणिज्य स्ट्रीम का रिजल्ट अगले हफ्ते घोषित किया जाएगा। उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का काम पूरा कर लिया गया है। जैक द्वारा रिजल्ट जारी करने को लेकर आयोजित होने वाले समारोह में बतौर मुख्य अतिथि विभागीय मंत्री रामदास सोरेन को भी आमंत्रित करने की परंपरा रही है। ऐसे में पूरी संभावना है कि बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम शिक्षा मंत्री ही जारी करेंगे।

7 लाख 83 हजार स्टूडेंट्स बोर्ड परीक्षा में शामिल : बताते चलें कि इस साल 12वीं की परीक्षाएं 11 फरवरी से 4 मार्च तक चली थीं। वहीं 10वीं की परीक्षाएं 11 फरवरी से 9 मार्च तक आयोजित की गई थीं।

मैट्रिक और इंटरमीडिएट कला, विज्ञान और वाणिज्य की परीक्षा में कुल परीक्षा में कुल 7 लाख 83 हजार स्टूडेंट शामिल हुए थे। इसमें मैट्रिक में कुल 4 लाख 33 हजार स्टूडेंट थे। जबकि इंटरमीडिएट कला, विज्ञान और वाणिज्य में कुल में कुल 3 लाख 49 हजार स्टूडेंट ने परीक्षा में शामिल हुए थे।

पहले मैट्रिक परीक्षा का जारी होगा रिजल्ट : जैक सोर्स के अनुसार मई के अंतिम हफ्ते में कॉपियों की जांच पूरी हो जाने के बाद रिजल्ट जारी होंगे। राज्य में बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम दो चरण में जारी करने का ट्रेंड रहा है। बताया गया है कि 10वीं यानी मैट्रिक परीक्षा के परिणाम मई के अंतिम सप्ताह में जारी किए जाएंगे। मैट्रिक के साथ ही साथ 12वीं साइंस के परिणाम भी जारी कर दिए जाएंगे। इसके बाद 12वीं बोर्ड के इंटर ऑटर्स और कॉमर्स परीक्षा परिणाम जून के पहले सप्ताह में जारी होने की संभावना है। इससे पहले भी इसी दौरान परीक्षा के परिणाम जारी होते रहे हैं।

2086 केंद्रों में ली गई थी बोर्ड परीक्षाएं : इंटर की परीक्षा तीन मार्च तक पूरी हो गई थी। बीच में पेपर लीक की वजह से 8 मार्च तक परीक्षा ली गई। इसके लिए पूरे राज्य में 2086 केंद्र बनाए गए थे। मैट्रिक के 4,33,890 परीक्षार्थियों की परीक्षा 1297 केंद्रों पर, जबकि इंटर के 3,50,138 परीक्षार्थियों की परीक्षा 789 केंद्रों पर हुई। पहली पाली में 9:45 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक मैट्रिक की परीक्षा हुई। वहीं, दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक दूसरी पाली में इंटरमीडिएट की परीक्षा आयोजित की गई।

झारखंड में हुआ 700 करोड़ का शराब घोटाला, आदिवासी क्षेत्र में शराब को बढ़ावा दे रही हेमंत सरकार: रघुवर दास

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने झारखंड सरकार की शराब नीति पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि शराब नीति में 700 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है। पूर्व सीएम ने कहा है कि 2022 के अगस्त माह में हेमंत सरकार के 32 विधायक रायपुर में ठहरे थे। उसका बिल किसने दिया, शराब माफिया या हेमंत सरकार स्पष्ट करें।

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास अपने कार्यालय में मीडिया से बातचीत के दौरान झारखंड में नई शराब नीति पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार ने एक बार फिर माना कि उनके समय बनाई गई नियमावली वर्तमान सरकार द्वारा बनाये गये नियमों की तुलना में ज्यादा राज्यहित और जनहित में थे। उन्होंने कहा कि इसमें राज्य सरकार ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है कि उनकी सरकार द्वारा 2018 में बनाई गई नीति ही सर्वश्रेष्ठ रही है।

पूर्व सीएम ने कहा सरकार ने स्पष्ट माना है कि 2018 की उस नियमावली के लागू होने के बाद राज्य सरकार को शराब से राजस्व में दोगुनी वृद्धि हो गयी थी। पूर्व सीएम ने कहा कि 2018-19 के 1082 करोड़ रुपए के राजस्व की तुलना में 2019-20 में राजस्व दोगुना होकर 2009 करोड़ रुपये हो गया था। लेकिन वर्तमान में राज्य सरकार की शराब नीति राज्य हित में नहीं है। पूर्व सीएम रघुवर दास ने कहा कि हाल के दिनों मे मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव सह उत्पाद विभाग में रहे अधिकारी शराब घोटाले में होटवार जेल में हैं। उन्होंने कहा कि मामला सौ करोड़ का नहीं, सात सौ करोड़ रुपए के घोटाले का है।

पूर्व सीएम रघुवर दास ने कहा कि नई शराब नीति में जनजातीय इलाकों में शराब दुकान खोलने और रात 11 बजे तक बिक्री की बात कही है। जिसका जनजातीय समुदाय और कई सामजिक संगठन विरोध कर रहे हैं, जो सही है। उन्होंने कहा कि जब सरकार कैबिनेट की बैठक में ग्रामीण इलाके में ज्यादा शराब की दुकान खोलने की नीति पास कर चुकी है। ऐसे में झ्रष्ट की बैठक करने की क्या जरूरत है। पूर्व सीएम ने कहा कि झारखंड के सर्वमान्य गुरूजी शिबू सोरेन साहूकार और शराब विरोधी थे। लेकिन उनके सुपुत्र हेमंत सोरेन की सरकार जनजातीय इलाके में अब शराब को बढ़ावा दे रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अगस्त 2022 में जो विधायक छत्तीसगढ़ में ठहरे थे, उस समय होटल का भुगतान किसने किया है। पूर्व सीएम ने कहा कि उसी साल छत्तीसगढ़ के शराब माफिया की नीति झारखंड में लागू हुई थी। उन्होंने कहा कि अभी पांच दिन पूर्व वहां की सरकार इस मामले की जांच सीबीआई से करवा रही है। उन्होंने मीडिया के माध्यम से ष्ट्क्क्ष्ठ से अपील की है कि होटल के बिल की भी जांच हो कि भुगतान किसने किया था।

26 या 27 मई कब रखा जाएगा वट सावित्री का व्रत

धनबाद, एजेंसी। पति की लंबी उम्र के साथ परिवार की सुख समृद्धि व मंगल कामना के लिए सोमवार को महिलाएं उपवास रखकर वट सावित्री व्रत करेंगी। पूजा को लेकर महिलाओं में उत्साह है। खासकर नवविवाहिताओं में इस व्रत को लेकर ज्यादा उत्साह देखा जा रहा है। वे इसकी तैयारी में कई दिन पूर्व से ही लग चुकी हैं।

बाजार में पूजा की खरीदारी होने लगी है। वहीं शहर के मंदिरों में पूजा को लेकर विशेष व्यवस्था की जा रही है। गोल्फ ग्राउंड स्थित खड़ेश्वरी मंदिर के मुख्य पुजारी राकेश पांडेय ने बताया कि वट सावित्री की पूजा को लेकर मंदिर में विशेष तैयारी की गई है।

इस पर्व में सुहागिनें अपने पति के दीर्घायु व संतान की कामना को लेकर भगवान से आराधना करेगी। वट वृक्ष के नीचे बैठक कर सुहागिन महिलाएं सत्यवान और सावित्री की कथा का श्रवण करेंगी। वट सावित्री व्रत की पूजा धूमधाम से मनाने के लिए महिलाएं पूजा सामग्री के अलावा 16 श्रृंगार करने के लिए बाजार में खरीदारी कर रही हैं। शहर के हीरापुर बाजार, पुराना बाजार सहित अन्य जगहों पर महिलाएं खरीदारी करने के लिए आ रही है।

इसके अलावा कई महिलाएं अपनी सुंदरता में चार चांद लगाने के लिए ब्यूटी पार्लर जाने और हाथों में मेहंदी लगाने में जुटी हुई है। रोहरगोडा के विक्रेता चंदन साव ने बताया कि वट सावित्री के लिए दान करने के आइटम की रेंज महज 30 रुपए से शुरू है। दान के लिए अभी से महिलाएं दान पैकेट खरीद रही हैं।

गोल्फ ग्राउंड स्थित खड़ेश्वरी मंदिर में वट सावित्री पूजा को लेकर विशेष तैयारी की गई है। सुहागिन महिलाओं के पूजा करने के लिए सुबह के छह बजे मंदिर का पट खोल दिया जाएगा। दिन भर पूजन कार्यक्रम के बाद संध्या में मंदिर में सभी देवी देवताओं की आरती होगी। इसके बाद सभी भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया जाएगा।

देवघर के पुनासी डैम में बड़ा हादसा, निर्माणाधीन स्पीलवे गटर की ढलाई के दौरान सैंटरिंग गिरा

देवघर, एजेंसी। देवघर के जसीडीह थाना क्षेत्र स्थित पुनासी जलाशय में शनिवार शाम एक बड़ा हादसा हो गया। निर्माणाधीन स्पीलवे के गटर की ढलाई के दौरान स्लैब सैंटरिंग सहित अचानक ढह गया। इस हादसे में पांच मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गये, जबकि दो जूनियर इंजीनियरों को हल्की चोटें आयीं। हादसे के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कार्यस्थल पर चीख-पुकार मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा उस वक्त हुआ जब स्पीलवे गटर की ढलाई का कार्य किया जा रहा था। निर्माणाधीन स्लैब की सैंटरिंग अचानक ढह गई और उसके मलबे में पांच मजदूर दब गए। घायल मजदूरों की पहचान बालमुकुंद यादव (पड़रिया), मोहन यादव (दिघरिया), फूलमणि हेंब्रम, रचयिता हेंब्रम और महारानी हेंब्रम (संताल बदिया) के रूप में हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही मजदूरों को आनन-फानन में सदर अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि सभी मजदूरों के हाथ-पैर में गंभीर चोटें हैं और फ्रैक्चर की भी आशंका है। एक्स-रे और सिटी स्कैन के आधार पर इलाज किया जा रहा है। वहीं, मामूली रूप से घायल जेई मनोज हेंब्रम और संजय श्रीवास्तव को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय विधायक सुरेश पासवान सदर अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों का हालचाल लिया और मौके पर सिविल सर्जन डॉ. जेके चौधरी से फोन पर बात कर बेहतर इलाज का निर्देश दिया। साथ ही घटनास्थल पर तत्काल एम्बुलेंस भेजवाया। विधायक ने कहा कि हादसे की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी और घायलों को हरसंभव सरकारी सहायता दिलाई जाएगी।

घटनास्थल पर मौजूद स्थानीय लोगों और मजदूरों ने निर्माण कार्य में लापरवाही और घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाया। उनका कहना है कि पहले हाफ लैंथ में ढलाई होती थी, लेकिन अभियंताओं के दबाव में फुल लैंथ में सैंटरिंग कर ढलाई करायी जा रही थी, जिससे स्लैब का भार नहीं झेल पाया और गिर गया।

पटमदा में जमीन का दखल दिलाने पहुंची टीम पर हमला, जमकर हुआ बवाल, 3 घंटे बंधक बनी रही पुलिस

पटमदा, एजेंसी। पटमदा थाना क्षेत्र के लच्छीपुर पंचायत अंतर्गत बांतोड़िया गांव में शनिवार को जमीन विवाद को लेकर जमकर बवाल हुआ। यह विवाद तब शुरू हुआ जब दोपहर लगभग 12 बजे जमशेदपुर सिविल कोर्ट के आदेश पर विश्वनाथ माझी पक्ष को 31.15 एकड़ जमीन का दखल दिलाने के लिए कोर्ट की टीम गांव पहुंची। करीब डेढ़ बजे के बाद कोर्ट के कर्मचारियों और ग्रामीणों के दूसरे पक्ष के बीच बहस और झड़प शुरू हो गई। बांतोड़िया के सबर टोला में ग्राम प्रधान विभूति माझी समेत 24 परिवारों ने कोर्ट का आदेश मानने से इनकार कर

दिया। उनका दावा था कि उन्हें पहले ही, वर्ष 2022 में, इसी जमीन पर कोर्ट से डिग्री मिल चुकी है। ऐसे में दूसरी बार आदेश कैसे आ सकता है? कोर्ट के कर्मचारियों और ग्रामीणों के बीच तीखी बहस के बीच भीड़ उग्र हो गई। कुछ ग्रामीण हाथों में पत्थर और मिट्टी के ढेले लेकर पहुंच गए। जवाब में कोर्ट कर्मचारियों ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठियों और हाथों से प्रहार किया। इस दौरान दोनों ओर से कई लोग घायल हुए। स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि यदि पटमदा, बोड़ाम व कमलपुर थाने की पुलिस समय पर बीच-बचाव नहीं करती, तो हालात और बिगड़ सकते थे। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद करीब ढाई बजे मामला शांत हुआ।

घटना के बाद दो ग्रामीणों के घायल होने पर भीड़ और अधिक भड़क गई। उग्र ग्रामीणों ने कोर्ट की टीम के साथ-साथ पुलिसकर्मियों को भी बंधक बना लिया। एक महिला समेत चार घायलों को पटमदा के माचा सीएचसी अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया। लेकिन शाम छह बजे तक पुलिस व कोर्ट की टीम बंधक बनी रही। पुलिस द्वारा उचित कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद ही उन्हें छोड़ा गया। घटना के कारण जमीन की मापी स्थगित कर दी गई।

सुभाषितम्

जिस राष्ट्र में चरित्रशीलता नहीं है उसमें कोई योजना काम नहीं कर सकती।

- विनोबा भावे

पानी का झगड़ा-पाकिस्तान में गृह युद्ध छिड़ा

- किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर अगर दशकों पूर्व के इतिहास पर नजर डालें तो अनेकों ऐसे देश मिलेंगे जो पहले अखंड देश थे फिर इन्हींदेशों के राजनीतिक स्वार्थ के चलते गृह युद्ध होते रहे, व देश टूटते रहे, जिसका सटीक उदाहरण अखंड रूस, अखंड भारत है। अखंड भारत को देखें तो उनमें वर्तमान कुछ देशों के साथ पाकिस्तान भी इसमें शामिल था, जिसे लॉर्ड माउंटबेटन ने प्रक्रियात्मक तरीके से नेताओं के आपसी बातचीत से अलग कर दिया,जबकि 1912 के में सिंध गुजरात व मुंबई बॉम्बे प्रेसीडेंसी के अंतर्गत आते थे। फिर 1928 में अंग्रेजों की सरकार के सामने अलग सिंध प्रांत बनाने की मांग की गई जिसकी कमेटी बनाकर सिफारिश पेश की गई।फिर 1936 में मुंबई प्रेसिडेंसी से अलग कर सिंध को एक राज्य बना दिया गया, हालांकि मुंबई प्रेसिडेंसी में बहुमत हिंदुओं का था, व बाकी मुस्लिम जैन सिख इसाई अपेक्षाकृत कम जनसंख्या में थे। फिर 1941 में सिंध राज्य में मुस्लिम आबादी 72परसेंट व हिंदू आबादी 26 पेर्सेंट हो गई यानें जो मुंबई प्रेसिडेंसी बहुसंख्यक में थे वह सिंध राज्य बनने में अल्पसंख्यक में हो गए। 1947 में लॉर्ड माउंटबेटन ने भारत के बंटवारे को मंजूरी दी, फिर 26 जून 1947 को सिंध विधानसभा ने पाकिस्तान में मिलने का फैसला किया, फिर बंटवारे के बाद 1947-48 में 2 लाख हिंदुओं का नरसिंहार किया गया। यानें नेताओं ने अगर मुंबई प्रेसिडेंसी जिसमें गुजरात मुंबई व सिंध शामिल थे, जिसमें बहुमत हिंदुओं का था,को कायम रखने का निर्णय लेते तो आज पूरा सिंध भारत का एक हिस्सा होता। आज हम इस ऐतिहासिक विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि पाक में खैबरपख्तून, बलूचिस्तान के बाद अब सिंध प्रांत भी आजादी के लिए तीव्रता से आंदोलन कर रहा है। हालांकि यह आंदोलन जी एम साईद, नेता ने 1972 से ही शुरू किया था।परंतु अभी सिंध में 176 किलोमीटर लंबी पानी की 6 नई नहरें सिंधु से निकलकर पंजाब भेजने के लिए चेलिस्तान नहर प्रोजेक्ट चल रहा है,जो आज की चिंगारी है तो, दूसरा भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित करना भी पानी की त्राहिमाम मचाने में से एक कारण है।चूँकि भारत से तनाव के बीच पाकिस्तान के सिंध प्रांत में अलग सिंधु देश बनाने की मांग पर जबरदस्त आंदोलन व प्रदर्शन का आगाज जो 1972 से ही चल रहा है तथा भारत के साथ संघर्ष में उलझे पाकिस्तान हुकुमरनों को बुरी खबर आई खबर, पाकिस्तान बलूचिस्तान सिंध की आजादी के लिए उग्र आज उठाई जा रही है,गृहमंत्री का घर जलाने की स्थिति आई इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्धजानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे पानी का झगड़ा,पाकिस्तान में गृह युद्ध छिड़ा, बलूचिस्तान व सिंध आजादी पर पड़ा।

साथियों बात अगर हम पाक में सिंध की आजादी के लिए तीव्र आंदोलन चलने की करें तो, भारत से तनाव के बीच पाक के सिंध प्रांत में अलग सिंधुदेश बनाने के लिए जोरदार प्रदर्शन शुरू हो गया है। लोग आपदा में अवसर तलाशने की कोशिश कर रहे हैं और ऐसा लग रहा है कि भारत के हमले का इंतजार कर रहे हैं, ताकि अलग अलग प्रांत के लिए पाकिस्तान से टूटकर अलग देश का निर्माण कर सकें। सिंधुदेश की मांग का मतलब सिंधियों के लिए अलग मातृभूमि का निर्माण करना है, जहां लोगों के साथ कोई भेदभाव ना हो और पाक की सेना उन्हें टॉर्चर ना करे। माना जा रहा है कि सिंधुदेश के निर्माण की मांग पाकिस्तान की सेना की दमनकारी नीतियों का परिणाम है,जिसपर पाकिस्तानी पंजाबियों का कंट्रोल है।भारत के साथ संघर्ष में उलझे पाक को घरेलू मोर्चे पर एक और बुरी खबर मिली है। पाकिस्तान में बलोच के बाद अब सिंध प्रदेश में आजादी की मांग उठने लगी है। सिंध में कई लोगों ने अपने अधिकारों और स्वतंत्रता की मांग को लेकर आंदालेन शुरू कर दिया है। सिंधु देश की वकालत करने वाले एक प्रमुख समूह ने हाल में बड़े पैमाने पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। इसमें लापता सिंधी राष्ट्रवादियों की रिहाई की मांग की गई। इस दौरान मानवाधिकार के मुद्दे को भी उठाया गया। सिंध प्रांत में आजादी क मांग बलूचिस्तान की तरह ही तेज हो गई है। जय सिंध फ्रीडम मूवमेंट ने एक शांतिपूर्वक धरने का आयोजन किया। इस प्रदार्शन के दौरान लापता और जेलों में बंद राष्ट्रवादियों की रिहाई की मांग की गई। प्रदर्शन कारियों ने सिंधऔरबलूचिस्तान में होने वाले मानवाधिकार उल्लंघनों को वैश्विक स्तर पर उजागर करने की अपील की। सिंध के लोगों को सरकारी नौकरी तभी मिल सकती है, जब उन्हें ऊर्दू आए। इन घटनाओं ने सिंधियों के बीच अलगाव की भावना को लगातार भड़काया है। विभाजन के बाद जो हिंदू भागकर भारत आ गये, उसका लाभ भी सिंध के लोगों को नहीं हुआ,क्योंकि उनकी संपत्तियों पर मुहाजिरों का कब्जा हो गया। इसके अलावा भारत से गये मुसलमानों को ऊर्दू आती थी, लिहाजा उन्होंने सिंध प्रांत के प्रशासन पर अपना कब्जा कर लिया। साथियों बात अगर हम सिंध के नाराज होने की असली वजह की करें तो, चोलिस्तान नहर प्रोजेक्ट तो इस आग की चिंगारी है, चोलिस्तान नहर प्रोजेक्ट- सिंधु नदी, जिसे पाकिस्तान की लाइफलाइन कहते हैं, उसका पानी पंजाब के चोलिस्तान रेगिस्तान में ले जाने के लिए पाकिस्तान की केंद्र सरकार और सेना ने 176 किलोमीटर लंबी छह नहरें बनाने की योजना बनाई, लेकिन सिंध के लोग इसे अपने लिए खतरा मानते हैं, क्योंकि सिंध की खेती, वहां के किसान, और लाखों लोगों की रोजी-रोटी इसी सिंधु नदी पर टिकी है, अगर ये पानी पंजाब की ओर डायवर्ट हुआ तो सिंध में सूखा पड़ सकता है, फसलें बर्बाद हो सकती हैं और पूरा इलाका रेगिस्तान बन सकता है, सिंध के लोगों ने सड़कों पर उतरकर इसी प्रोजेक्ट का विरोध किया। सिंध के किसानों को डर है कि उनकी फसलें मर जाएंगी, उनके बच्चे भूखे रह जाएंगे, और ये सिर्फ किसानों की बात नहीं है-राजनीतिक दल, धार्मिक संगठन, वकील, और एक्टिविस्ट, सब इस विरोध में शामिल हैं।हिंसा और राजनीतिक अराजकता चोलिस्तान नहर प्रोजेक्ट के खिलाफ सिंध में महीनों से प्रदर्शन चल रहे थे, पिछले महीने पाकिस्तान की काउंसिल ऑफ कॉमन इंटरेस्ट्स ने इस प्रोजेक्ट को रद्द कर दिया था, लेकिन सिंध के लोग कहते हैं, हमें भरोसा नहीं, हमें लिखित में चाहिए कि ये प्रोजेक्ट पूरी तरह बंद हो।

5.50 लाख मस्जिदों के ईमाम नहीं पढ़ाएंगे जनाजे की नमाज

ऑल इंडिया इमाम आगेर्नाइजेशन के चीफ इमाम डॉक्टर अहमद इलियासी ने एक फतवा 27 अप्रैल को जारी किया है। जिसमें कहा गया है, आतंकवादी शैतान होता है। किसी भी आतंकवादी के साथ शैतान की तरह ही व्यवहार किया जाना चाहिए। उन्होंने अपने फतवे में कहा कि भारत के अंदर कोई भी आतंकवादी मारा जाता है, ऐसी स्थिति में उसके जनाजे की नमाज कोई ईमाम नहीं पढ़ाएगा। भारत के कब्रिस्तान में उसे दफनाया भी नहीं जाए। उन्होंने 5.50 लाख मस्जिदों के इमाम को फतवा भेजा है। लव जिहाद के मामले में भी इलियासी ने चिंता जाहिर करते हुए कहा है, समाज में कुछ लोग नाम और पहचान छुपाकर शादी या निकाह करते हैं, यह गलत है। इलियासी ने कहा कि इस्लाम, शांति प्रेम और सहिष्णुता का धर्म है। इस्लाम आतंकवाद का धर्म नहीं है। डॉ. इलियासी ने पहलगाम आतंकी घटना के बाद भारतीय सेना द्वारा जो ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया, उसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि सेना ने आतंकवाद के खिलाफ सटीक और सही जवाब दिया है। यह आपरेशन भारत के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बलूचिस्तान को भी स्वतंत्रता देने की वकालत की। डॉ इलियासी ऑल इंडिया इमाम ऑर्गेनाइजेशन के चीफ इमाम है, उन्होंने जो फतवा जारी किया है, निश्चित रूप से उसका पालन भारत की सभी मस्जिदों और कब्रिस्तानों में होगा। आतंकवादियों के जनाजे की नमाज कोई इमाम नहीं पढ़ाएगा, तो मुस्लिम समाज के बीच में इसका एक बेहतर संदेश जाएगा। इसके साथ ही भारत के सभी वर्गों के नागरिकों के बीच में भी यह संदेश जाएगा। मुस्लिम धर्म को मानने वाले लोग आतंकवादियों को शैतान मानते हैं। अतः जो आतंकवादी यह मानकर चलते हैं, वह इस्लाम की लड़ाई लड़ रहे हैं, उन्हें मरने पर जन्नत नसीब होगी। इस फतवे ने आतंकवादियों को भी बड़ा संदेश दे दिया है। इस्लाम में आतंक के लिए कोई स्थान नहीं है। इस्लाम में आतंक को शैतान का कार्य माना गया है। शैतान का मस्जिद में प्रवेश हो ही नहीं सकता है। शैतान मरते हैं, तो उनके जनाजे की नमाज भी मस्जिद में नहीं होनी चाहिए। यह संदेश देकर उन्होंने भारत में इस्लाम धर्म और भारत के सभी धर्म के बीच के भाईचारे को मजबूत करने का काम किया है। निश्चित रूप से किसी भी धर्म के मूल में शांति, सद्भाव और सेवा का ही वर्णन मिलता है। सभी धर्म में मानवीय आचरण में शांति, प्रेम और सद्रभाव को ही धर्म बताया गया है। जिस तरह से मुस्लिम समाज के इमाम डॉक्टर अहमद इलियासी ने जब सारी दुनिया में आतंकवाद बढ़ रहा है, ऐसे समय पर उन्होंने आतंकवादियों के खिलाफ फतवा जारी करके मुस्लिम समुदाय के साथ-साथ भारत और दुनिया के सभी देशों के नागरिकों को शांति का संदेश देने की कोशिश की है। इसकी जितनी सराहना की जाए, कम है। इसके साथ ही अन्य धर्म के धार्मिक गुरुओं को भी आगे आकर शांति, प्रेम और सद्भाव का संदेश देना चाहिए। तभी मानवीय समाज का उत्थान और विकास संभव है। भारत इस मामले में दुनिया के सभी देशों में सबसे अलग है। हजारों वर्षों से भारत में विभिन्न संस्कृति, विभिन्न धर्मों और विभिन्न भाषाओं के लोग यहां पर रहते हैं। जैसे पानी में दूध या तो दूध में पानी मिलकर एक दूसरे में आत्मसात हो जाते हैं। ठीक उसी तरह से भारत की संस्कृति वसुदेव कुटुंब की रही है। भारत की संस्कृति में प्रकृति की पूजा का प्रावधान है। भारत में जन्म लेने वाले और रहने वाले सभी लोग एक दूसरे की संस्कृति और एक दूसरे के विचारों को आत्मसात करते हैं। जिसके कारण ही भारत दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश अनादिकाल से है, आगे भी रहेगा। हाल के वर्षों में जिस तरह से सांप्रदायिक उन्माद फैलाया जा रहा है। धर्म की सीढी के माध्यम से सत्ता प्राप्त करने के लिये जिस तरह का आतंक फैलाया जा रहा है। यह सभी को समझ आने लगा है। पहलगाम की साजिश घटना को जिस तरह से हिंदू और मुस्लिम के बीच तनाव पैदा करने की कोशिश आतंकवादियों और सत्ता में बैठे हुए कुछ लोगों द्वारा की गई थी, उसे भारत के लोगों ने नकार दिया है। भारतीय मुसलमानों ने पहलगाम की इस आतंकवादी घटना के बाद जिस तरह से सारे देश और दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता संदेश दिया है। वह निश्चित रूप से सराहनीय है। इसका असर दीर्घकालीन होगा। आतंकवाद के खिलाफ सभी धर्मों के धर्म गुरुओं को आगे आकर धर्म को आगे करके जो आतंकवाद की लड़ाई हो रही है, आहुति डालनी होगी। तभी भारत और दुनिया के देशों को आतंकवाद से निजात मिलेगी।

चिंतन-मनन

सादगी और निष्ठा

मोतीहारी में गांधीजी कार्यकताओं को निर्देश दे रहे थे- आज अवंतिका आने वाली होगी, उसे स्टेशन से लिवा लाना और कमरे में ठहरा देना। एक ने कहा- बापू उसे इन साधारण कमरों में चटाई पर सोना क्यों पसंद होगा? वह तो पहले दरजे में सफर की आदी है। बापू ने कहा-वह जनसेवक के तौर पर आ रही है। जनसेवक के अनुरूप अगर तीसरे दरजे में आई तो उसे यहीं रखूंगा, वरना वापस भेज दूंगा। पर बापू .... दूसरे ने संकोच में कहा-उनके पास पैसा है, वह भी उन्हीं का कमाया हुआ। उसे खर्च करने में क्या बुराई है? खर्च का मतलब अपव्यय तो नहीं। स्वयं सेवक गांधीजी के सबसे छोटे पुत्र देवदास गांधी के साथ आवंतिका बाई को लेने स्टेशन गए। देवदास ही अकेले उन्हें पहचानते थे। देवदास ने उम्मीद के मुताबिक उन्हें दूसरे दरजे के डिब्बों में खोजा, लेकिन कहीं पता न चला। तब वे निराश होकर वापस आ गए और खबर दी कि अवंतिका बाई इस गाड़ी से नहीं आईं। यह सुनकर सब लोग हंसने लगे। दरअसल अवंतिका अपने पति के साथ पहले ही एक साधारण कमरे में ठहर चुकी थीं। यात्रा उन्होंने तीसरे दर्जे में की थी और बापू की कसौटी पर खुद को खरा साबित किया। शाम को गांधीजी उन्हें समझाने लगे- किस तरह बड़हखा गांव जाकर काम शुरू करना करना है। इस पर कस्तूरबा ने कहा- ये आज ही आए हैं और कल दीवाली है। दीवाली मनाकर जाएं। नहीं ऐसा नहीं होगा, इन्हें कल सुबह ही निकलना होगा।

आओ बड़े बुजुर्गों की छत्रछाया में मिलजुल कर रहने की भारतीय संस्कृति को विलुप्त होने से बचाएं

- किशन सनमुखदास भावनानी

कुदरत द्वारा रचित अनमोल खूबसूरत सृष्टि में भारत आदि अनादि काल से संस्कृति सभ्यता बड़े बुजुर्गों को मान सम्मान संयुक्त परिवार प्रथा सहित सभी गुणों में विशाल वटवृक्ष की भांति फलता फूलता रहा है हमारे बड़े बुजुर्गों ने स्वर्णलोक, स्वर्ग अनुभूति इस सृष्टि में धरती पर अपनों के बीच किया देखा और सुख भोगा है। उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल है घर,परिवार,संयुक्त परिवार एक मजबूत सुख की छावं देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार, घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने,उनके फैसलों पर अमल करनें,आगे बढ़ाने और समर्पित भाव से जीवन जीने का सुख,अनमोल क्षण के साए में जीवन जीने का आनंद ही कुछ और है। परंतु वर्तमान परिपेक्ष में धीरे-धीरे हमारे देश के अधिकांश युवा पाश्चात्य संस्कृति के साए में बड़े बुजुर्गों को नजरअंदाज कर, एकला चलो रे !वाली नीति पर चलने की राह पर हैं किसी का लिखा एक खूबसूरत वाक्यांश बता दें, घर तब तक नहीं टूटता तब तक फैसला बड़ों के हाथों में होता है, अगर घर का हर सदस्य बड़ा बनने लगे तो घर टूटने में देरी नहीं लगती इसलिए अब समय आ गया है कि हमें बड़े बुजुर्गों की आज्ञा, उनकी छत्रछाया में जीने का अंदाज सीखने की तात्कालिक आवश्यकता है,इसलिए हम इस आर्टिकल के माध्यम से आओ बड़े बुजुर्गों की छत्रछाया में मिलजुल कर रहने की भारतीय संस्कृति को विलुप्त होने से बचाएं पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम महत्वपूर्ण फैसलों के बड़ों के हाथों से छुटने की करें तो, उम्र के फर्क. के साथ-साथ बड़े बुजुर्गों और बच्चों के मूल्यों में अंतर आ जाता है, मिसाल के लिए अगर बड़े बुजुर्ग बहुत धार्मिक हैं और उन्होंने बच्चों को भी वहीं संस्कार दिए तो भी जरूरी नहीं कि बच्चे उन्हीं संस्कारों को मानें, बस !यहीं से टकराव की शुरूआत होती है। अलगाव की स्थिति पैदा हो जाती है, ये भी देखा गया है कि आमतौर से अलग होने वाले माता- पिता और बच्चों के बीच अलग होने की वजह को लेकर कोई संवाद नहीं होता, इसलिए पता ही नहीं चलता कि आखिर वजह क्या है।इसके अलावा भाई-बहनों के अलग मिजाज और माता-पिता का किसी एक बच्चे के प्रति गहरा लगाव भी अलगाव की वजह बन जाते हैं, ऐसा नहीं है कि परिवार में अलगाव तेजी से और रातों रात हो रहा है, बल्कि ये बहुत धीरे-धीरे हो रहा है। कई बार छोटी सी घटना भी परिवार को तोड़ देती है। कहने को तो वो एक घटना होती है लेकिन उसके नतीजे दूरगामी होते हैं जिसको रेखांकित करना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम घर में हर कोई बड़ा बनने के दो मुख्य कारणों की करें तो, पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि भूमंडलीकरण की वजह से उन देशों में भी परिवार टूट रहे हैं, जहां अकेले रहने की रिवायत नहीं है, भारत की ही बात करें तो बड़ी संख्या में लोग रोजगार की तलाश में गांवों से शहरों में या विदेशों में पलायन कर रहे हैं। वहीं जिन देशों में सरकार की ओर से बेहतर सुविधाएं नहीं मिलतीं वहां बुजुर्ग, नौजवान और बच्चों के बीच मजबूत रिश्ता और एक दूसरे से लगाव देखने को मिलता है, इसकी मिसाल हमें यूरोप के कुछ देशों में देखने को मिलती है। बाहर बड़े शहरों या विदेश में रोजगार में जाने की वजह से माता-पिता से दूरी बन जाती है, साथ ही ऐसे परिवारों में आर्थिक रूप से लोग एक दूसरे पर निर्भर नहीं करते, स्वाभाविक रूप से वे अपने फैसले खुद लेने लगते हैं, लिहाजा उन्हें अलग होने में कोई हिचक भी महसूस नहीं होती। ये भी देखा गया है कि जो किसी समुदाय के लोग एक दूसरे से ज्यादा करीब रहते हैं, उनके यहां बड़े परिवार भी एक छत के नीचे रहना पसंद करते हैं, ये भी हो सकता है कि असुरक्षा का भाव उन्हें ऐसा करने को कहता हो। शहरों में बड़े परिवार को साथ रखना आसान नहीं है, हर कोई बड़ा बनने एवं फैसला लेने की चाह रखता है इसलिए भी बुजुर्गों के साथ अलगाव की स्थिति पैदा हो रही है और गुजरते दौर के साथ ये स्थिति और मजबूत होगी। लेकिन किसी भी समाज में जो सांस्कृतिक मूल्य बहुत मजबूत होते हैं, वो आसानी से खत्म नहीं होते, लिहाजा जिन समाज में परिवार के साथ रहने का चलन है वो आगे भी रहेगा, परंतु मुमकिन है कि आने वाले 20 साल में स्थिति पूरी तरह बदल जाएगी।

साथियों बात अगर हम उस एक पुराने जमाने की करें जहां संयम, बड़ों की कद्र और संयुक्त परिवार से संयुक्त समाज का निर्माण हुआ था और फैसला लेना बड़ों के हाथ में रहता था तो, उस दौर में संयम, बड़ों की कद्र, छोटे बड़े का कायदा, नियंत्रण इन सब बातों का प्रभाव था। ऐसे ही संयुक्त परिवारों से संयुक्त समाज का निर्माण हुआ था और पूरा मोहल्ला और गांव एक परिवार की ही तरह रहते थे।परिवार का नहीं, मोहल्ले का बुजुर्ग सबका बुजुर्ग माना जाता था और ऐसे बुजुर्गों के सामने जुबान चलानें या किसी अप्रिय कृत्य करने का साहस किसी का नहीं होता था। उस दौर में मोहल्लों में ऐसा माहौल और अपनापन होता था कि गांव का दामाद या मोहल्ले का दामाद कहकर लोग अपने क्षेत्र के दामाद को पुकारते थे और अगर कोई भानजा है तो किसी परिवार का नहीं, बल्कि पूरे मोहल्ले और गांव का भानजा माना जाता था और यही कारण था कि लोग गांव की बेटी या गांव की बहू कहकर ही किसी औरत को संबोधित करते थे जो रेखांकित करने वाली बात है।

साथियों बात अगर हम आओ घर को टूटने से बचाने के आसान उपायों की करें तो, एक संयुक्त परिवार और बड़े बुजुर्गों के निर्देशन में जीने का सही तरीका है? स्वार्थ भावना से दूर रहकर, खुद से पहले दूसरों की खुशी का ध्यान रखना होगा और हमारा परिवार हमारी खुशी का ध्यान रखेगा।अपने कर्तव्यों को पूरा करने की कोशिश हमेशा होनी चाहिए। बड़ो के प्रति आदर भाव और छोटों के प्रति प्रेम होना चाहिए। घर छोटा हो या बड़ा लेकिन दिल हमेशा बड़ा होना चाहिए। अपनी इच्छाओं से पहले परिवार की जरूरतों को ध्यान में रखना चाहिए। संयुक्त परिवार में मेरा कुछ नहीं होता जो भी होता है वो सबका होता है। कुछ बातों को नजरअंदाज करने की कला तो कुछ बातों पर ध्यान देने की कला आनी चाहिए। हर खुशी बड़ी हो जाती है और हर दुख छोटा सयुक्त परिवार में। साथ बैठने का और साथ खाने का महत्व समझना चाहिए।शेयर करना स्वभाव होना चाहिए क्योंकि, बस एक दूसरे का हाथ पकड़कर चलना सीख लो।सहनशीलता अच्छी होनी चाहिए। सामंजस्य बैठाना भी आता हो। साथियों मेरा यह निजी अनुभव है कि, मेरा परिवार सयुंक्त परिवार और इसीलिए मैने इस प्रश्न का उत्तर देना चाहा।

मनुष्य के मौलिक सृजन को संरक्षित करना बड़ी चुनौती

- ललित गर्ग

रचनात्मकता, सृजनात्मकता और संरचनात्मकता मनुष्य की स्वाभाविक वृत्ति है, मानव की इन मौलिक विशेषताओं एवं उपलब्धियों को उचित सम्मान मिले, उचित प्रोत्साहन एवं पारिश्रमिक मिले, ऐसे नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए ही हर साल 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य बौद्धिक संपदा (आईपी) के बारे में जागरूकता बढ़ाना है और नवाचार तथा रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने में आईपी की भूमिका को उजागर करना है। कृत्रिम बौद्धिकता के दौर में मानव की स्वतः स्फूर्त बौद्धिकता का संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन ज्यादा जरूरी है। 2025 की थीम ह्यआईपी और संगीतः आईपी की धड़कन महसूस करेंह्न है। यह संगीत उद्योग में बौद्धिक संपदा (आईपी) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है, इस थीम का उद्देश्य आईपी के माध्यम से संगीत रचनाकारों की रचनाओं की रक्षा करना और उन्हें उनके काम के लिए उचित मान्यता दिलाना है। 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि इसी दिन 1970 में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन की स्थापना करने वाला कन्वेंशन लागू हुआ था। यह दिन बौद्धिक संपदा अधिकारों जैसे पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क आदि के महत्व को उजागर करता है, जो नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। बौद्धिक संपदा दिमाग की रचनाओं से संबंधित है, जैसे आविष्कार, साहित्यिक सृजन, संगीत, कला और कलात्मक कार्य, डिजाइन और व्यापार में उपयोग किए जाने वाले प्रतीक, नाम और चित्र आदि। ऐसे रचनात्मक काम जो पहले नहीं किया गया हो, ये हमारी बौद्धिक संपदा है। इस रचनात्मक सम्पदा का कोई दूसरा अनाधिकृत उपयोग नहीं सके, इसके लिए हमें अपनी बौद्धिक संपदा को सुरक्षित एवं संरक्षित करवाना चाहिए। इसी उद्देश्य से यह दिवस बौद्धिक संपदा संरक्षण के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देता है, दुनियाभर में बौद्धिक संपदा संरक्षण के प्रभाव को विस्तार देता है, देशों से बौद्धिक संपदा संरक्षण कानूनों और विनियमों को प्रचारित और लोकप्रिय बनाने का आग्रह करता है, बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में सार्वजनिक कानूनी जागरूकता बढ़ाता है। इसके साथ ही इसका बड़ा उद्देश्य है विभिन्न देशों में आविष्कार-नवाचार गतिविधियों को प्रोत्साहित करना और बौद्धिक संपदा क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान को मजबूत करना है। भारत भी विश्व बौद्धिक संपदा संगठन का सदस्य है। इस संगठन की स्थापना 14 जुलाई 1967 को हुई थी, जिसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उद्भव एवं प्रचलन का बौद्धिक संपदा (आईपी) ढांचे पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है, जो एक बड़ी चुनौती है। हमें एआई जैसे नवाचार प्रोत्साहनों के उभरते परिदृश्य और मौजूदा आईपी ढांचे के लिए इसके द्वारा उत्पन्न चुनौतियों पर मंथन करना होगा। पेटेंट योग्यता दुविधाओं से लेकर कॉपीराइट पहेली तक, हम पाते हैं कि तेजी से तकनीकी प्रगति के बीच नवाचार को बढ़ावा देने और सामाजिक हितों की रक्षा करने के बीच एक नाजुक संतुलन है।

दैनिक पंचांग

26 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.37 बजे से
चंद्र	मेष में	कर्क	08.50 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	11.06 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.18 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.29 बजे से
शुक्र	मीन में	वृश्चिक	17.44 ब.से
शनि	मीन में	धनु	20.00 बजे से
राहु	मीन में	मकर	22.05 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	23.51 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मीन	01.24 बजे से
		मेष	02.55 बजे से
		वृष	04.35 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 146 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण
तिथि चतुर्दशी 12.12 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 08.24 बजे को समाप्त।
योग शोभन 07.02 बजे तदनन्तर अतिगण्ड 02.55 बजे रात्र को समाप्त।
करण शकुनि 12.12 बजे तदनन्तर चतुष्पद 22.22 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 08'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872356
जूलियन दिन 2460821.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्काद **तारीख** 27
विशेष वट सावित्री व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

विशेष

अपनी डफली- अपना राग

ऑपरेशन सिंदूर के समय सत्ता पक्ष को पहलगाम की घटना के बाद विपक्ष ने पूरा समर्थन दिया। ऑपरेशन सिंदूर की बढ़ चढ़कर तारीफ विपक्ष ने की। जैसे ही ऑपरेशन सिंदूर को बीच में रोका गया। उसके बाद विपक्ष ने सत्ता पक्ष पर हमला शुरू कर दिया। सत्ता पक्ष ने सेना की सफलता को मोदी की सफलता बताना शुरू कर दिया। विपक्ष की आलोचना शुरू कर दी। दुनिया भर में सांसदों के जो डेलिकेट भेजे जा रहे थे। उनमें सत्ता पक्ष ने राजनीति शुरू कर दी। सत्ता पक्ष अपनी डफली बजा रहा है। वहीं विपक्ष ने मोदी सरकार को घेरने के लिए अपना राग अलापना शुरू कर दिया है। दोनों ही पक्ष अपनी-अपनी राजनीति कर रहे हैं। जनता तमाशा देखने विवश है।

शशि थरूर बने सत्ता पक्ष के दूल्हा

भारत सरकार का डेलिकेट विभिन्न देशों में गया है। आतंकवाद के खिलाफ भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सांसद भारत का पक्ष रखेंगे। भारत में इसको लेकर जो आंतरिक राजनीति शुरू हुई है उसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। पहलगाम की घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केरल गए थे। उनके स्वागत तथा कार्यक्रम के मंच पर शशि थरूर पहुंचे थे। प्रधानमंत्री ने मंच से कहा था, विपक्ष को तगड़ा झटका लगेगा। विदेश मे सांसदों के डेलिकेट में शशि थरूर को शामिल कर, सत्ता पक्ष ने विपक्ष को झटका देने की कोशिश की। विपक्ष बिफर गया, इसको लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष एक दूसरे के निशाने पर है। भाजपा जो भी काम करती है। उसकी रणनीति दीर्घकालीन होती है। कांग्रेस में फूट डालने के लिए और शशि थरूर को अलग करने के लिए जो बीज भाजपा ने बो दिया है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1828 अंतराष्ट्रीय रेडक्रास के संस्थापक हेनरी डुनांट का जन्म हुआ. 1884 अमरीकी राष्ट्रपति हैरी एस.धुमन का जन्म हुआ. 1892 स्वीडन ने मौत की सजा समाप्त कर दी गई. 1945 द्वितीय विश्व सुद्ध में यूरोप में विजय दिवस मनाया गया. 1963 भारतीय रेडक्रास की शताब्दी समारोहों का आयोजन हुआ. 1987 इरान, इराक युद्ध में पहली बार सोवियत मालवाहक पर हमला हुआ. 1989 अमरीकी अंतरिक्ष शटलअटलांटिस कैलीफोर्निया के के. मोजेव रेगिस्तान में सुरक्षित उतरा. 1990 एस्टोनिया ने खुद को गणराज्य घोषित किया. 1991 समुद्री तूफान से ढाका में 45 व्यक्ति मारे गये. 1995 अंग्रेजी दैनिक ट्रिब्यून के एक पूर्व मुख्य संपादक प्रेम भाटिया का निधन, 1997 राजीव गांधी हत्या के छः वर्ष के बाद उनकी पत्नी सोनिया गांधी ने कांग्रेस दल की प्रारंभिक सदस्यता ग्रहण की.

आज का राशिफल

मेष आज दिन कारोबार और आर्थिक मामलों में लाभ से भरा होगा। आपके सभी रुके हुए काम पूरे होंगे।

तुला सम्मान से भरा रहेगा। शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि मिल सकती है।

वृषभ करियर में सम्मान मिलेगा। अचानक धन लाभ होने के योग हैं और आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक आज आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। धन और सम्मान में वृद्धि होगी। रुके हुए काम पूरे होंगे।

मिथुन आज भाग्य साथ देगा। आपके द्वारा बनाई गई योजनाएं सफल होंगी। आपकी तरक्की होगी।

धनु आज दिन अधिक खर्च वाला रहेगा। सांसारिक सुख-भोग के साधनों में वृद्धि होगी।

कर्क आज करियर में सफलता मिलेगी। कारोबार में तरक्की और सफलता के योग बन रहे हैं।

मकर करियर के मामले में लाभ का दिन है। कारोबार में लाभ होगा। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

सिंह आज दिन शुभ है। योजनाएं सफल होंगी। राजनीतिक क्षेत्र में कामयाबी मिलेगी। संतान के दायित्व पूरे होंगे।

कुंभ आज करियर के मामले में काफी भागदौड़ करनी पड़ सकती है। खर्च अधिक रहेगा।

कन्या आज दिन प्रसन्नता से भरा रहेगा। आपको रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। धन में वृद्धि के योग हैं।

मीन आज दिन शुभ है। किसी काम से यात्रा हो सकती है। व्यापार में बढ़ती प्रगति से खुशी होगी।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

खेती-किसानी

बक्सर, 26 मई 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

भूरापन या ब्राउनिंग

यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

लक्षण

भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

उपचार

बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

व्हिपटेल

यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

लक्षण -

मुख्यत: मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यत: व्हिपटेल कहा जाता है।

उपचार -

मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डिट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

बटनिंग

बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

लक्षण

फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

उपचार

बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

रेसीयनेस

रेसीयनेस के लक्षण मुख्यत: वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

लक्षण

समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

उपचार

रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

अन्धता

अन्धता गोभीवर्गीय फसलों से पौधे की वृद्धि के शुरूआत मुख्य कलिका में कीट के प्रकोप के कारण तथा वातावरण में तापमान में कमी होने वाला पाला पड़ने के कारण होता है।

लक्षण

अन्धता में पौधे की मुख्य कलिका कीट के कारण क्षतिग्रस्त हो जाती है तथा इसके पत्ते बड़े, चमड़े जैसे मोटे और गहरे रंग के हो जाते हैं।

उपचार

अन्धता की रोकथाम के लिए मुख्य कलिका को कीटों से क्षतिग्रस्त होने से बचाने के लिये कीटनाशक का प्रयोग करना चाहिए, उचित किस्म का चयन करना चाहिए।

दूध के साथ रेशम उत्पादन

भारत के कई इलाकों में सिंचाई की सुविधाएँ सीमित मात्रा में होने से 50 प्रतिशत से ज्यादा खेती बारानी है। यह सर्वविदित हैं कि पिछले कुछ वर्षों से अनियमित मानसून, अमौसमी बरसात, कठोर जलवायु तथा अन्य कई कारणों से बारानी खेती बिना भरोसे की तथा नुकसानमंद साबित हो रही हैं। इससे किसानों में निराशा आर्थिक नुकसान के कारण आत्महत्या तक हो रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एक उपाय हैं खेती से जुड़े पूरक व्यवसाय शुरू करना और उन्हें ज्यादा प्रभावी तथा ज्यादा फायदेमंद बनाने हेतु दो या तीन पूरक व्यवसायों को एक साथ करना जैसे दुग्ध व्यवसाय और रेशमकीट पालन एक साथ करना जो एक-दूसरे के पूरक हैं।

मिल्क विथ सिल्क सिद्धांत की जरूरत और महत्व

दुग्ध उत्पादन हेतु पशुपालन तथा रेशम कीट पालन हेतु मलबेरी की काश्त करना एक-दूसरों के कई तरह से पूरक हैं। पशुओं को दूध उत्पादन हेतु पौष्टिक चारा चाहिए जो उन्हें मलबेरी की पत्तियों से मिलता हैं।

इसके अलावा मलबेरी की पत्तियाँ जायकेदार पाई गई। उनकी पाचकता 70 से 90 च पाई गई। उनमें खनिज लवण 25 प्रतिशत तक पाये गये जो दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु तथा पशु के स्वास्थ्य एवं प्रजनन क्षमता बरकरार रखने हेतु अत्यंत उपयुक्त हैं।

एक गाय को उसके शरीर पोषण हेतु रोजाना 7 ग्राम कैल्शियम तथा 7 ग्राम फॉस्फोरस आवश्यक होता हैं जबकि मलबेरी की पत्तियों में करीब 1.8 से 2.4 प्रतिशत कैल्शियम तथा 0.14 से 0.24 प्रतिशत फास्फोरस पाया गया हैं। इसका मतलब हैं कि अगर मलबेरी की पत्तियाँ भरपूर मात्रा में दुधारू पशु को खिलाई जाये तो उनके दूध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी इसके अलावा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। एक वैज्ञानिक प्रयोग में पाया गया कि खुराक और मलबेरी को पत्तियां अनुक्रम 60:40 तथा 25:75 प्रतिशत इस अनुपात में खिलाने पर गायों का दूध उत्पादन 13.2 और 13.8 लीटर प्राप्त हुआ जबकि सिर्फ खुराक खिलाने पर 14.2 लीटर था। इसका मतलब यह हुआ की मलबेरी की पत्तियाँ खिलाने से दूध उत्पादन में ज्यादा कमी नहीं आई बल्कि खुराक की मात्रा कम लगने से उसके पोषण खर्च में कमी आई यानि मलबेरी की पत्तियां खिलाने से दूध उत्पादन का धंधा किफायती होता हैं।

रेशम कीटों को डाली हुई मलबेरी की जो पत्तियां बाकी रह जाती हैं वो पत्तियाँ, डालियाँ दुधारू पशुओं को खिलाया जाये तो वह बरबाद होने से बच जाता हैं। कुछ स्थानों पर रेशम की इल्लियों के अपशिष्ट पदार्थ पर नमक का घोल डालकर वह दुधारू पशुओं को खिलाया जाता हैं।

इस प्रकार रेशम कीट पालन तथा दुग्ध व्यवसाय का आपस में घनिष्ठ नाता जोड़कर दोनों ही व्यवसाय एक साथ एक ही खेत पर कर सकते हैं। इसमें जो मजदूर होते हैं उनका उत्कृष्ठ इस्तेमाल होता हैं. रेशम कीटों द्वारा कोष निर्माण होने पर उन्हें बेचकर पैसा प्राप्त होता हैं। इसके अलावा दुग्ध व्यवसाय से दूध, खाद तथा बछड़े बेंचकर अधिक धन प्राप्त होगा और इस प्रकार किसान भाईयों को कमाई के दो स्त्रोत प्राप्त होंगे जिससे ज्यादा आर्थिक सम्पन्नता का लाभ होगा।

रेशम कीट पालन हेतु प्रशिक्षण, जानकारी, तांत्रिक मार्गदर्शन, रेशम उद्योग, संचालनालय से प्राप्त होते हैं तथा दुग्ध व्यवसाय के विषय में जानकारी प्रशिक्षण तथा तांत्रिक मार्गदर्शन हर जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, जिले के पशुपालन विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों में स्थित पशुपालन एवं दुग्ध शास्त्र विभाग आदि जगह से प्राप्त कर सकते हैं।

ध्यान रहे, पूरक व्यवसाय के बिना किसान भाईयों की सही मायने में उन्नति नहीं हो सकती अत: पूरक व्यवसाय अवश्य अपनाएं और अपनी आर्थिक उन्नति हासिल करें.

कद्दूवर्गीय सब्जियां और कीट-बीमारियां

हमारे देश में मुख्य रूप से लौकी, करेला, कद्दू, खीरा, तरबूज, खरबूज, घीया, टिण्डा, परवल को ग्रीष्म व वर्षाऋतु में उगाते हैं. इन सब्जियों पर रोग व कीड़ों के आक्रमण से काफी नुकसान होता है यदि इन व्याधियों को समय पर नियंत्रित कर दिया जाये तो उत्पादन को 15-20 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है. कद्दूवर्गीय सब्जियों में लगने वाले प्रमुख रोग कीट व उनका नियंत्रण इस प्रकार किया जा सकता है.

कद्दूवर्गीय सब्जियों के प्रमुख कीट

कद्दू का लाल गिडार

लाल रंग का उड़ने वाला यह कीट शिशु पौधों की पत्तियों को खाकर छलनी जैसे छिद्र कर देता है जिससे पौधों की बढ़वार रुक जाती है फलों में भी यह छेदकर उन्हें नुकसान पहुंचाता है कीट नियंत्रण हेतु मैलाथियान 50 ई.सी. या ऐसीफेट 75 एस.पी. के 0.1 प्रतिशत घोल का छिड़काव करना चाहिए.

फलवेधक मक्खी

कीट का मैगट फलों एवं बेलों को खाते हैं जिससे बेल में गांठे बन जाती हैं. मादा मक्खी अपने अंडरोपक की सहायता से फलों की ऊपरी सतह में छिद्र करने के पश्चात अंडरोपण करती है जिससे वहां फल की सतह के ऊपर रस जमकर एक भूरे रंग का धब्बा बन जाता है और अंत में फल सड़ जाते हैं. कीट नियंत्रण हेतु मैलाथियान या डाइमिथियेट 30 ई.सी. का 0.1 प्रतिशत के घोल का छिड़काव करना चाहिए.

माहू

इस कीट के शिशु व वयस्क दोनों पत्तियों से रस चूसकर उन्हें कमजोर करते हैं साथ ही विशेष प्रकार का मधुस्त्राव पत्तियों पर छोड़ते हैं जिस पर बाद में फफूंद लग जाने से वह स्थान काला रंग का हो जाता है. यह कीट मोजेक रोग को रोगी पौधे से स्वस्थ पौधे तक फैलाते हैं नियंत्रण हेतु ऑक्सीडिमेटान मिथाइल 25 ई.सी. अथवा डाइमिथियेट 30 ई.सी. 1.0 मि.ली. प्रति लीटर

कद्दूवर्गीय सब्जियों के प्रमुख रोग

चूर्णीफफूंद या भभूतिया रोग

इस रोग का प्रकोप मुख्य रूप से खीरा, लौकी, खरबूज में होता है. रोग की प्रारंभिक अवस्था में पत्तियों की निचली सतह पर गोल-गोल सफेद धब्बे बनते हैं तथा रोग के उग्र होने पर ये धब्बे भूरे हो जाते हैं, पत्तियां सिकुड़ जाती हैं और पत्तियों की ऊपरी सतह पर सफेद चूर्ण बिखरा रहता है, बाद में पत्तियां सड़ जाती हैं आर्द्र व ऊष्ण जलवायु में यह रोग अधिक लगता है रोग नियंत्रण हेतु कवकनाशी-केराथेन 0.5 प्रतिशत अथवा सल्फेक्स 0.2 प्रतिशत का छिड़काव करना चाहिए.

मृदुरोमिल आसिता

लौकी, खीरा, खरबूज, करेला आदि में सर्वप्रथम पत्तियों के ऊपरी सतह पर पीले धब्बे बनते हैं तथा निचली सतह पर रूई जैसी वृद्धि दिखाई देती है. रोग नियंत्रण हेतु 0.3 प्रतिशत का छिड़काव 10 दिन के अंतर से करना चाहिए.

आल्टरनेरिया झुलसन रोग

आल्टरनेरिया झुलसा रोग की प्रारंभिक अवस्था में पत्तियों पर छोटे-छोटे धब्बे बनते हैं जो बाद में संख्या व आकार में बढ़कर मिलकर पूरी पत्ती को झुलसा देते हैं. नियंत्रण हेतु मेंकोजेब 0.3 प्रतिशत अथवा कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत का छिड़काव करना चाहिए.

मोजेक

विषाणुजनित इस रोग में पत्तियों पर पीलापन, सिकुड़न, इंटरनोड का छोटा होना प्रदर्शित होता है इस रोग का संचरण माहू नामक कीट द्वारा होता है रोग से बचाव हेतु वाहक कीट का नियंत्रण आवश्यक है. अत: ऑक्सी मिथाइल डिमेटान 25 ई.सी. या डाईमिथियेट 30 ई.सी. 0.1 प्रतिशत का छिड़काव करें. प्रारंभिक अवस्था में रोगित पत्तियों को तोड़कर नष्ट करना चाहिए.

26-05-2025 Final_26-05-2025 Final.qxd 5/26/2025 12:25 AM Page 9

श्रविन भारती मित्तल ने टैक्स के कारण यूके छोड़ दिया?

2.30 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के हैं वारिस

नई दिल्ली, एजेंसी। यूके में रहने वाले भारतीय परिवार के एक सदस्य ने यूके छोड़ दिया है। इनका नाम श्रविन भारती मित्तल है। 37 साल के श्रविन यूके की बड़ी टेलीकॉम कंपनी बीटी ग्रुप पीएलसी के सबसे बड़े शेयरहोल्डर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रविन अब संयुक्त अरब अमीरात शिफ्ट हो गए हैं। उनके परिवार का एक बड़ा कारोबार है, जिसकी यूके की एक बड़ी मोबाइल और ब्रॉडबैंड कंपनी में 24.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है। श्रविन ने लंदन में एक इन्वेस्टमेंट फर्म अनबाउंड शुरू की थी। अब उन्होंने अबू धाबी में उसकी एक ब्रांच खोली है।

भारती मित्तल परिवार के पास कुल 27.5 बिलियन डॉलर (करीब 2.30 लाख करोड़ रुपये) की संपत्ति है। श्रविन के यूके छोड़ने का सबसे बड़ा कारण अमीर लोगों पर बनाए गए टैक्स नियम हैं। इन नियमों के कारण जो लोग च में रहते हैं लेकिन मूल रूप से विदेश से हैं उन्हें टैक्स में छूट नहीं मिल रही है। क्या है सरकार का नियम मार्च 2024 में यूके की कंजर्वेटिव सरकार ने एक नियम खत्म कर दिया था। इस नियम के तहत जो लोग यूके के नहीं हैं, उन्हें 15 साल तक अपनी विदेशी कमाई पर यूके में टैक्स नहीं देना होता था। लेबर पार्टी ने जुलाई में चुनाव जीतने के बाद इस नियम को बदल दिया। साथ ही टैक्स से संबंधित कई और पाबंदियां लगा दीं। इससे कई लोगों ने यूके छोड़ने का फैसला किया। काफी अमीर यूके छोड़ भी चुके हैं।

कौन हैं श्रविन?

श्रविन भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल के बेटे हैं। साथ ही वह अनबाउंड के फाउंडर और सीईओ भी हैं। यह एक ऐसी कंपनी है जो टेक्नोलॉजी में लंबे समय के लिए निवेश करती है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक सुनील मित्तल की कुल संपत्ति 27.5 बिलियन डॉलर (करीब 2.30 लाख करोड़ रुपये) है। सुनील मित्तल दुनिया के 72वें सबसे अमीर शख्स हैं।

कई जगह कर चुके हैं काम

श्रविन भारती ग्लोबल में एमडी के तौर पर काम करने से पहले सॉफ्टबैंक में एक निवेशक थे। उन्होंने बेटर कैपिटल में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में भी काम किया। श्रविन ने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से एमबीए किया है। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ बाथ से अकाउंटिंग और फाइनेंस में बीएससी की डिग्री भी हासिल की है। हार्वर्ड से एमबीए करते समय उन्होंने तीन महीने के लिए ड्रॉपबॉक्स में इंटर्नशिप भी की थी। श्रविन ने साल 2015 में साक्षी मित्तल से शादी की। दोनों दिल्ली के द ब्रिटिश स्कूल में साथ पढ़ते थे। साक्षी भी व्हार्टन स्कूल की छात्रा रही हैं और उन्होंने फाइजर और लंदन स्थित इपीआइसी प्राइवेट इक्विटी सहित कई कंपनियों के लिए काम किया है। साक्षी ने भी एमबीए किया है।

एलआईसी ने 24 घंटे में किए 5,88,107 लाइफ इंश्योरेंस, बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गया है। एलआईसी ने 24 घंटे में 5,88,107 जीवन बीमा पॉलिसी कर विश्व रिकॉर्ड बनाया है। एलआईसी ने इस उपलब्धि को लेकर एक बयान भी जारी किया। इसमें निगम ने कहा कि इस साल 24 जनवरी को 24 घंटे में देशभर में 4,52,839 एलआईसी एजेंटों ने मिलकर कुल 5,88,107 लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी किए, जो विश्व रिकॉर्ड है। इस उपलब्धि को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। एलआईसी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह हमारे एजेंटों के समर्पण, कौशल और अथक कार्य का एक प्रमाण है। इस शानदार प्रयास ने महज 24 घंटे के भीतर जीवन बीमा उद्योग में एक नया वैश्विक मानक स्थापित कर दिया। यह उपलब्धि हमारे ग्राहकों और उनके परिवारों को महत्वपूर्ण वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के हमारे मिशन की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

मैड मिलियन डे पर की गई थी पहल

यह रिकॉर्ड प्रयास एलआईसी के एमडी और सीईओ सिद्धार्थ मोहंती की पहल का परिणाम था। जिसमें उन्होंने प्रत्येक एजेंट से 20 जनवरी, 2025 को मैड मिलियन डे पर कम से कम एक पॉलिसी पूरी करने की अपील की थी। इस अवसर पर बोलते हुए, मोहंती ने मैड मिलियन डे को ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी ग्राहकों, एजेंटों और कर्मचारियों को धन्यवाद दिया।

हर्ष गोयनका ने डायग्राम बनाकर दिखाए चीन, अमेरिका और यूरोप के नजारे!

नई दिल्ली, एजेंसी। उद्योगपति हर्ष गोयनका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भारत की तकनीकी तरक्की को लेकर एक जरूरी सवाल उठाया है। उन्होंने चीन, अमेरिका और यूरोप की तुलना में भारत को थोड़ा पीछे बताया है। गोयनका ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में डायग्राम शेयर किया। इस डायग्राम में दुनिया के तकनीकी नजारे को दिखाया गया है। इसमें बताया गया है कि चीन चीजें बनाता है, अमेरिका नए आइडिया लाता है और यूरोप नियम बनाता है। गोयनका ने पूछा, भारत कहां है? उनका मतलब था कि भारत में कुछ कमी है।

कौन कितना आगे?

डायग्राम में गोयनका ने दिखाया गया है कि चीन ने ड्रोन, एडवांस्ड बैटरी और 5त्र में महारत हासिल की है। अमेरिका टेक्नोलॉजी, एडवांस्ड फिजिक्स और बायोटेक व फार्मा में आगे है। यूरोप नियम बनाने में आगे बढ़ रहा है। वहीं चीन और अमेरिका चिप, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, नेक्स्ट जेन नेटवर्क्स और एआई में एक दूसरे को टक्कर दे रहे हैं।

भारत का कौन सा नंबर?

भारत ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में 2015 से 2023 के बीच 81वें नंबर से 40वें नंबर पर आ गया है। लेकिन अभी भी कुछ दिक्कतें हैं। भारत अपनी जीडीपी का सिर्फ 0.64 प्रतिशत ही रिसर्च और डेवलपमेंट पर खर्च करता है। जबकि चीन 2.68 प्रतिशत और अमेरिका 3.5 प्रतिशत खर्च करते हैं। चीन की कंपनी हुआवेई भी भारत के पूरे सरकारी और प्राइवेट सेक्टर से ज्यादा रिसर्च पर खर्च करती है।

क्या है चीन-अमेरिका की तरक्की का कारण: चीन की तरक्की का कारण मेड इन चाइना 2025 जैसी सरकारी योजनाएं हैं। चीन हर साल लगभग 500 बिलियन डॉलर की रकम रिसर्च और डेवलपमेंट पर खर्च करता है। वह सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिक गाड़ियों जैसे सेक्टरों पर ध्यान दे रहा है। अमेरिका में सिलिकॉन वैली है, जो नए आइडिया को बढ़ावा देती है।

चीन को सिरदर्द दे रहीं भारत की दवाइयां! भारतीय कंपनियों ने बढ़ाई अमेरिका और यूरोप में पहुंच

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की फार्मा इंडस्ट्री इस समय चीन को कड़ी टक्कर दे रही है। अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर में भारत की दवा कंपनियों को फायदा मिल रहा है और ये तेजी से दवाएं बना रही हैं। इस समय कई भारतीय दवा कंपनियों ने विदेशी कंपनियों से डील की है। ऐसे में देखा जाए तो भारत की फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री चीन के लिए सिरदर्द बन रही है। अप्रैल के महीने में सुवेन फार्मास्युटिकल्स के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन विवेक शर्मा एक बड़ी डील के लिए एक विदेशी कंपनी के अधिकारियों से बात कर रहे थे। यह कंपनी दवा बनाने के लिए जरूरी सामान बनाती है। शर्मा की कंपनी हैदराबाद में है। वे ऐसी कंपनियों को खरीदना चाहते हैं जिनके पास नई तकनीक हो। इससे उनकी कंपनी पश्चिमी देशों की बड़ी दवा कंपनियों से दवा बनाने का काम ले सकेगी।

अमेरिकी कंपनी में खरीदी बड़ी हिस्सेदारी

इससे पहले दिसंबर में सुवेन ने एनजे बायो इंक में ज्यादातर हिस्सेदारी खरीद ली थी। यह कंपनी अमेरिका के प्रिंसटन में है। यह एक रिसर्च कंपनी है जो कैंसर के इलाज के लिए दवाएं बनाती है। सुवेन ने इस कंपनी को 65 मिलियन डॉलर में खरीदा। इस डील से सुवेन सीडीएमओ के बाजार में एक बड़ी कंपनी बन गई है। सीडीएमओ दूसरी कंपनियों के लिए दवा बनाने का काम करती हैं। ये कंपनियां दवा बनाने से लेकर उसे बाजार में बेचने तक का सारा काम करती हैं। इस बीच, बायोकोन कंपनी सिंजीन इंटरनेशनल ने अमेरिका के बाल्टीमोर में इमर्जेंट बायो सॉल्यूशंस नाम की एक कंपनी को खरीद लिया है। यह कंपनी प्रोटीन और जीन जैसी दवाएं बनाती है। यह डील 36.5 मिलियन डॉलर में हुई है। सिंजीन इंटरनेशनल के एमडी और सीईओ, पीटर बैंस का कहना है कि इस डील से सिंजीन को अमेरिका में पैर जमाने में मदद मिलेगी और वह अपने ग्राहकों के करीब आ सकेगी। ग्लोबल फार्मा कंपनियां अब अपने सप्लाई चेन को बदलना चाहती हैं। अमेरिका और यूरोप की बड़ी दवा कंपनियां चीन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहती हैं क्योंकि अमेरिका और चीन के बीच रिश्ते ठीक नहीं हैं। इसलिए, वे अपने देश के करीब दवाएं बनवाना चाहती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिमी देशों की दवा कंपनियां अपने देश में फैक्ट्रियां लगा रही हैं ताकि सप्लाई चेन में दिक्कत न हो, नियमों का पालन हो सके और दवाएं बनाने का काम आसानी से हो सके।

ट्रंप का आदेश भी अच्छी खबर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक आदेश जारी किया था जिसमें दवा कंपनियों को 30 दिनों में दवाओं की कीमतें कम करने के लिए कहा गया था। कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि इससे दवा कंपनियां भारत में अपने पार्टनर ढूंढेंगी ताकि वे रिसर्च और प्रोडक्शन की लागत कम कर सकें। यह भारतीय सीडीएमओ के लिए एक अच्छी खबर है।

अमेरिका और यूरोप में जमा रहीं पैर

भारत की कई सीडीएमओ पश्चिमी देशों की बड़ी दवा कंपनियों के लिए दवाएं बनाने में मदद कर रही हैं। अब ये कंपनियां अमेरिका और यूरोप में ऐसी कंपनियों को ढूंढ रही हैं जिन्हें खरीदकर वे अपनी क्षमता बढ़ा सकें। एक बड़े अधिकारी का कहना है कि भारत की लगभग हर सीडीएमओ कंपनी के लोग अमेरिका के पूर्वी तट और पश्चिमी तट पर ऐसी कंपनियों को ढूंढ रहे हैं जिन्हें खरीदा जा सके। भारत में इन कंपनियों की फैक्ट्रियां सालों से विदेशी दवा कंपनियों की मदद कर रही हैं। अब ये कंपनियां ऐसी कंपनियों को खरीदना चाहती हैं जो कैंसर, जीन थेरेपी और बायोलॉजी के क्षेत्र में काम करती हैं।

पेटीएम को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, अब फोकस में रहेंगे कंपनी के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी।अगले सप्ताह पेटीएम के शेयर फोकस में रहने वाले हैं। ये हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि पेटीएम को एक बड़ी राहत मिली है। दरअसल, उच्चतम न्यायालय ने फिनटेक कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के स्वामित्व वाले रियल मनी गेमिंग मंच फर्स्ट्ट गेम्स को भेजे गए 5,712 करोड़ रुपये के जीएसटी नोटिस पर रोक लगा दी है। पेटीएम ब्रांड नाम के तहत कारोबार करने वाली वन97 कम्युनिकेशंस ने शनिवार को शेयर बाजार को यह जानकारी दी। बता दें कि जीएसटी खुफिया महानिदेशालय, नयी दिल्ली ने अप्रैल में फर्स्ट्ट गेम्स को कारण बताओ नोटिस (एससीएन) जारी किया था।

क्या कहा पेटीएम ने

शेयर बाजार को दी गई जानकारी में पेटीएम ने कहा-फर्स्ट्ट गेम्स ने हमें 24 मई, 2025 को सुबह 10:44 बजे (आईएसटी) बताया कि उक्त कारण बताओ नोटिस को चुनौती देने वाली फर्स्ट्ट गेम्स की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए माननीय उच्चतम न्यायालय ने 23 मई, 2025 को एससीएन की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। वन97 कम्युनिकेशंस ने कहा कि कर का मामला उद्योग-व्यापी मुद्दा है और फर्स्ट्ट गेम्स तक सीमित नहीं है।

ई-कॉमर्स के सहारे एफएमसजी कंपनियों की शहरों में बिक्री बढ़ाने में मिल रही मदद

नई दिल्ली, एजेंसी। कंज्यूमर उत्पाद बनाने वाली कंपनियों एफएमसजी कंपनियों की बिक्री शहरी क्षेत्रों में बिक्री ग्रामीण इलाकों की तुलना में कम रहा है। कंपनियों का शहरी विकास दर 4.2 प्रतिशत से धीमी होकर 2.6 प्रतिशत रहा है। लेकिन शहरों में विशेषकर महानगरों में कंपनियों की बिक्री बढ़ाने में ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स चैनल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कंपनियों का भी मानना है क्विक कॉमर्स ने पिछले कुछ सालों में शहरी बिक्री को बढ़ाने में मददगार साबित हुए हैं। हाल ही में निलसन ने अपनी रिपोर्ट जारी की है, जिसमें शहरों में विशेषकर महानगरों में ई-कामर्स की और उपभोक्ताओं का रुझान तेजी से बढ़ा है, जिसकी बढ़ी वजह खरीदारों की बढ़ती हुई सहभागिता है। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (जीसीपीएल) के प्रबंधन निदेशक और सीईओ सुधीर सीतापति ने

को बताया कि पिछले दो सालों में ई-कॉमर्स में अच्छी ग्रोथ दिख रही है। शहरों क्षेत्रों में इन प्लेटफॉर्म के जरिए बिक्री बढ़ रही है। इसमें हमारी हमारी बिक्री 7 से 8 प्रतिशत है और इसमें मिक्स साइज के पैक की बिक्री अधिक होती है। इसमें पर्सनल केयर और बॉडी वॉश जैसे उत्पादों की अच्छी बिक्री हुई है। भविष्य में कंपनी इस और फोकस जारी रखेगा, क्योंकि महानगरों में इनके जरिए बिक्री काफी तेजी से बढ़ रही है। कंपनी मार्केट शेयर के बजाए लॉर्ज कैटेगरी पर फोकस करेगी। मैरिको के प्रबंध निदेशक सौगत गुप्ता ने कंपनी परिणाम के बाद विशलेष कॉल में कहा कि कंपनी ई-कॉमर्स पर फोकस कर रही है। इसके अलावा आईटीसी और डाबर भी अपने ई-कॉमर्स बिक्री में वृद्धि देख रहे हैं। नीलसनआईक्यू इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार ई-कॉमर्स अथवा क्विक कॉमर्स का महत्व बढ़ रहा है विशेषकर शहरी महानगरों में ई-कॉमर्स की ओर रुझान बढ़ा रहा है। इसकी बड़ी वजह खरीदारों की बढ़ती हुई सहभागिता है। इसका असर ऑफलाइन चैनल पर पड़ रहा है। आधुनिक व्यापार और सामान्य व्यापार दोनों की हिस्सेदारी क्रमशः 22.8 प्रतिशत और 62.5 प्रतिशत तक गिर गई है। मेट्रो शहरों में ई-कॉमर्स की वृद्धि जो कि 39.9 प्रतिशत तक पहुंच गई है, पारंपरिक व्यापार में 2.2प्रतिशत की गिरावट और आधुनिक व्यापार 7.7 प्रतिशत की गिरावट से आगे है। नीलसनआईक्यू के अनुसार यह ऑनलाइन शॉपर्स की बढ़ती पहुंच खरीदारी के आकार को बढ़ाएगी साथ ही कंपनियों को शहरों में बिक्री बढ़ाने में सहायक होगी।

कबाड़ी वाले से आइडिया लेकर दो दोस्तों ने शुरू किया कबाड़ का काम, अब कमा रहे लाखों रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या कबाड़ का कारोबार करके भी बड़ा बिजनेसमैन बना जा सकता है? हां, और यह सच कर दिखाया है महाराष्ट्र के ठाणे शहर के दो दोस्तों ने। इनका नाम हेनिक गाला और श्रेयस जलपुर है। इन्होंने बचपन में एक कबाड़ी वाले को देखा। उस कबाड़ीवाले से प्रेरणा लेकर उन्होंने स्क्रैपजी नाम से एक स्टार्टअप शुरू किया। आज इनका टर्नओवर लाखों रुपये है।

स्क्रैपजी हर महीने 10,000 किलो से ज्यादा कचरा रीसायकल करता है। हेनिक और श्रेयस जब छोटे थे तो उन्होंने अपने स्कूल के पास एक कबाड़ी वाले को देखा। वे उसे कचरा छांटते और तौलते हुए देखते थे। हेनिक बताते हैं कि वह असली समस्या का समाधान कर रहा था। यह बात उनके दिमाग में बैठ गई। साल 2023 में जब वे 26 साल के हुए तो उन्होंने स्क्रैपजी शुरू किया। यह स्टार्टअप तकनीक की मदद से कचरा इकट्ठा करता है और उसे रीसायकल करता है। स्क्रैपजी का काम करने का तरीका थोड़ा अलग है। यह स्टार्टअप लोगों के घरों से अखबार, प्लास्टिक, मेटल और ई-कचरा इकट्ठा करता है। लेकिन इसमें तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे काम आसान हो जाता है। ग्राहक वेबसाइट या वाटसऐप के जरिए कचरा उठाने का समय तय कर सकते हैं। स्क्रैपजी के कर्मचारी घर आकर कचरा तोलते हैं और तुरंत पैसे देते हैं। कचरे को रीसाइक्लिंग सेंटर भेजा जाता है। इससे सब कुछ ठीक तरह से होता है। स्क्रैपजी के 2,000 से ज्यादा ग्राहक हैं। हर महीने वे 10 टन कचरा रीसायकल करते हैं। क्रिकेटर दिनेश कार्तिक भी इस मुहिम में शामिल हो गए हैं। वे स्क्रैपजी के ब्रांड एंबेसडर हैं और उन्होंने कंपनी में पैसा भी लगाया है। इससे स्क्रैपजी को फंडिंग और सरकारी मदद मिलने में आसानी हो रही है।

क्या है सपना?

हेनिक कहते हैं, हमारा सपना है कि 2030 तक भारत कचरा मुक्त हो जाए। लेकिन वे जानते हैं कि यह काम अकेले नहीं हो सकता।

ओयो अब थोड़े समय के लिए घर भी किराए पर देगी, इसके लिए ऑस्ट्रेलिया की कंपनी मेडकॉम्फी को खरीदा

नई दिल्ली, एजेंसी। ओयो की वेकेशन होम मैनेजमेंट कंपनी बेलविला बाय ओयो ने एक बड़ा कदम उठाया है। उसने ऑस्ट्रेलिया के शॉर्ट-टर्म रेंटल प्लेटफॉर्म मेडकॉम्फी को खरीद लिया है। यह डील कैश और स्टॉक में हुई है। ओयो की पैरेंट कंपनी ओरावेल स्टेज की एक्स्ट्राऑर्डिनरी जनरल मीटिंग में इस फैसले को 100 प्रतिशत मंजूरी मिली। इस डील के तहत कंपनी 1.9 मिलियन डॉलर (लगभग 16 करोड़ रुपये) के शेयर जारी करेगी। हर शेयर की कीमत 0.67 डॉलर (लगभग 57.09 रुपये) होगी। इससे बेलविला की पैरेंट कंपनी ओयो की वैल्यू लगभग 5 बिलियन डॉलर (लगभग 42,500 करोड़ रुपये) आंकी गई है। इसके अलावा, दो साल बाद 9.6 मिलियन डॉलर (लगभग 81 करोड़ रुपये) के शेयर भी दिए जाएंगे। कंपनी कुछ कैश भी देगी, लेकिन इसकी जानकारी नहीं दी गई है। मेडकॉम्फी की वेबसाइट के अनुसार इस कंपनी को सबरीना बेथुनिन और क्विरिन श्वाइघोफर ने साल 2015 में शुरू

किया था। यह कंपनी ऑस्ट्रेलिया में 1,200 से ज्यादा प्रॉपर्टीज का मैनेजमेंट करती है। इनके ऑफिस सिडनी, मेलबर्न, ब्रिस्बेन, पर्थ और एडिलेड में हैं। यह कंपनी न्यूजीलैंड में भी है और ऑकलैंड, वेलिंगटन और हैमिल्टन में प्रॉपर्टीज मैनेज करती है। सूत्रों के अनुसार, मेडकॉम्फी ने 2024 में लगभग 9.6 मिलियन डॉलर (लगभग 81 करोड़ रुपये) का रेवेन्यू कमाया। यह कंपनी शॉर्ट-टर्म रेंटल प्रॉपर्टी मैनेजमेंट सर्विस देती है। इनकी टीम प्रॉपर्टी इन्वेस्टर्स के साथ मिलकर काम करती है ताकि उनकी रेंटल इनकम को बढ़ाया जा सके।

ओयो ने पहले भी की हैं ऐसी डील

ओया ने साल 2019 में लीजर ग्रुप को खरीदा था। इसमें बेलविला ब्रांड भी शामिल था। इसका मकसद यूरोप में वेकेशन होम रेंटल बिजनेस को बढ़ाना था। बेलविला पहले लीजर ग्रुप का हिस्सा था, लेकिन बाद में इसे बेलविला बाय ओयो के नाम से जाना जाने लगा। दिसंबर 2024 में ओयो ने जी6 हॉस्पिटैलिटी को 525 मिलियन डॉलर में खरीदा था। जी6 हॉस्पिटैलिटी, मोटल 6 और स्टूडिया 6 की पैरेंट कंपनी है। यह डील पूरी तरह से कैश में हुई थी। इस अधिग्रहण से ओयो को अमेरिका और कनाडा में लगभग 1,500 फ्रैंचाइज्ड होटल मिल गए। बेलविला के पास यूरोप के 20 देशों में 50,000 हॉलिडे होम हैं। इनमें नीदरलैंड, बेल्जियम, जर्मनी, फ्रांस, इटली और स्पेन जैसे देश शामिल हैं।

मैं सरफराज हूं इसलिए टीम से निकाल दिया? टीम इंडिया ने की नाइंसाफी

नई दिल्ली, एजेंसी। आमिर खान की 'पीके' जब आई थी, तब सिर्फ वो फिल्म ही हिट नहीं हुई थी, उस फिल्म के साथ-साथ वो डायलॉग भी हिट हुआ था- सरफराज धोखा नहीं देगा. टीम इंडिया के मामले में भी सरफराज वैसा ही निकला. उसने धोखा नहीं दिया. मगर क्या टीम इंडिया ने उसे धोखा दिया? उसके साथ नाइंसाफी की? अगर नहीं तो फिर टीम से सरफराज को निकाला क्यों? जबकि, सरफराज का कसूर भी नहीं. वो तो ये मानकर बैठे थे कि सेलेक्टर्स बैठेंगे और उन्हें चुनेंगे. यही सोचकर अपनी तैयारियों को अंजाम भी दे रहे थे. लेकिन, 24 मई को जब टीम का ऐलान हुआ तो सरफराज का नाम उसमें नहीं आया .

सरफराज का टेस्ट डेब्यू रहा था धमाकेदार

पिछले साल ही इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में सरफराज खान का टेस्ट डेब्यू हुआ था, जहां पहली 5 पारियों में से 3 में उन्होंने अर्धशतक जड़ा था. सरफराज के बल्ले का जोर टेस्ट क्रिकेट में यहीं नहीं थमा, इसके बाद उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में भी खेलने का मौका मिला, और कीवियों के खिलाफ भी शतक जड़ते हुए वो 150 रन की बड़ी पारी खेलने में कामयाब रहे. ऐसे प्रदर्शन के बाद किसी भी खिलाड़ी को टीमें और मौके देना चाहती है.

ऑस्ट्रेलिया जाने का मौका तो मिला मगर

घरेलू पिच पर इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली कामयाबी ने सरफराज को ऑस्ट्रेलिया जाने का मौका दिया. ये मौका मिला तो सभी को लगने लगा कि अब गाड़ी चल पड़ी. ऐसा लगना लाजमी भी था क्योंकि सरफराज ने कुछ गलत नहीं किया था. लेकिन, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने के बाद सबकुछ वैसा नजर नहीं आया, जैसा देखने की तमन्ना थी. पिछली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सरफराज अपनी बारी के इंतजार में पूरी सीरीज बेंच पर ही बैठे रह गए. मतलब, टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया दौरा खत्म हो गया, मगर सरफराज खान को किसी भी मैच में खेलने का मौका ही नहीं मिला. वो बिना खेले ही वापस लौट आए.

टी20 मुंबई लीग 2025 के टिकटों की बिक्री शुरू

मुंबई, । मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने शनिवार को आधिकारिक तौर पर बहुप्रतीक्षित टी20 मुंबई लीग 2025 के लिए टिकटों की बिक्री शुरू की, जो 4 से 12 जून तक दो प्रतिष्ठित स्थानों - वानखेड़े स्टेडियम और डीवाई पाटिल स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। टिकटें डिस्ट्रिक्ट बाय जोमैटो पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं, जिनकी कीमत लेवल 1 के लिए 100रुपये, लेवल 2 के लिए 300 रुपये और गरवारे पैवेलियन लेवल 2 के लिए 400 रुपये है। भारत के प्रमुख घरेलू फ्रेंचाइज-आधारित टी20 टूर्नामेंटों में से एक, टी20 मुंबई लीग, शहर की बेहतरीन क्रिकेट प्रतिभाओं की भागीदारी के साथ छह साल के अंतराल के बाद अपनी वापसी पर एक शानदार शो का वादा करती है। प्रशंसक भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, अजिंक्य रहाणे, शिवम दुबे और पृथ्वी शॉ सहित अंतरराष्ट्रीय सितारों को देखने के लिए उत्सुक हो सकते हैं। सीजन 3 में मुंबई के उभरते हुए खिलाड़ी जैसे मुशीर खान और अंगकृष रघुवंशी भी शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, एमसीए वंचित बच्चों और बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) स्कूलों के छात्रों को भी आमंत्रित करेगा, जिससे उन्हें मैचों का लाइव अनुभव करने और बड़े सपने देखने की प्रेरणा मिलेगी। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में 23 रोमांचक मैच होंगे, जिसमें नॉर्थ मुंबई पैंथर्स (होराइजन स्पोर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड), एआरसीएस अंधेरी (आर्क्स स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड), ट्रायम्फ नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्ट (ट्रांसकॉन ट्रायम्फ नाइट्स प्राइवेट लिमिटेड), बांद्रा ब्लास्टर्स (पीके स्पोर्ट्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड), ईगल थाने स्ट्राइकर्स (ईगल इंफ्रा इंडिया लिमिटेड), आकाश टाइगर्स मुंबई वेस्टर्न सबअर्ब्स (वर्ल्ड स्टार प्रीमियर लीग एलएलपी), सोबो मुंबई फाल्कन्स (रोडवे सॉल्यूशंस इंडिया इंफ्रा लिमिटेड) और मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स (रॉयल एज स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट) खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। लीग चरण के दौरान हर दिन चार मैच खेले जाएंगे, प्रत्येक स्थल पर दो। वानखेड़े स्टेडियम में दोपहर 2.30 बजे और शाम 7.30 बजे मैच खेले जाएंगे। सेमीफाइनल और फाइनल क्रमशः 10 जून और 12 जून को वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे।

आईपीएल 2025 प्लेऑफ से पहले RCB के लिए खुशखबरी, वापस लौटे जोश हेजलवुड

बेंगलुरु, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सबसे सफल गेंदबाज जॉश हेजलवुड कंधे की चोट से उबरने के बाद यहां लौट आए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जॉश हेजलवुड के वापसी की जानकारी देते हुए कहा कि उसके तेज गेंदबाज हेजलवुड प्लेऑफ में खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया से भारत वापस लौट आए है।

हेजलवुड इस सत्र में आरसीबी के सबसे अच्छे गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने 17.27 की औसत और 8.44 की इकॉनमी से 18 विकेट लिये है और आईपीएल 2025 में चौथे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। आरसीबी प्लेऑफ में पहुंच चुकी है, लेकिन शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद से साथ उच्च स्कोर वाले मुकाबले में हार के बाद उसके आईपीएल की अंक तालिका में शीर्ष दो में रहने की उम्मीद को झटका लगा था। ऐसा माना जा रहा है कि ऐसे समय में हेजलवुड की वापसी उसके लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

आईपीएल के एक सप्ताह के लिए स्थगित किये जाने पर वह ऑस्ट्रेलिया लौट गए थे। वहां वह रिहैब करने के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की तैयारी के तहत ब्रिस्बेन में अभ्यास भी कर रहे थे।

टीम इंडिया में सात साल बाद वापसी पर करुण की पहली प्रतिक्रिया

बोले- बहुत समय से इस पल का इंतजार था

जयपुर, एजेंसी। करुण ने शनिवार को आईपीएल में दिल्ली से खेलते हुए पंजाब के खिलाफ 27 गेंद में 44 रन बनाए। दिल्ली ने जीत के लिए 207 रन का लक्ष्य 19.3 ओवर में हासिल कर लिया। 33 वर्षीय करुण ने 2024-25 सत्र में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया और इसका इनाम उन्हें भारतीय टीम में चयन के रूप में मिला।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का एलान हो गया है। अगले महीने 20 जून से शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति ने 18 सदस्यीय टीम की घोषणा की। शुभमन गिल को नया टेस्ट कप्तान बनाया गया। वहीं, इस टीम में करुण नायर की भी वापसी हुई है। करुण सात साल बाद भारतीय टीम में चुने गए हैं। अगर वह मैदान पर उतरते हैं तो आठ साल बाद भारत के लिए कोई टेस्ट खेलते दिखेंगे। टीम में चुने जाने के बाद करुण की पहली प्रतिक्रिया भी सामने आई है। करुण ने खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें इसका लंबे समय से इंतजार था।

करुण ने दिल्ली के लिए खेली मैच जिताऊ पारी

करुण ने शनिवार को आईपीएल में दिल्ली से खेलते हुए पंजाब के खिलाफ 27 गेंद में 44 रन बनाए। दिल्ली ने जीत के लिए 207 रन का लक्ष्य 19.3 ओवर में हासिल कर लिया। 33 वर्षीय करुण ने 2024-25 सत्र में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया और इसका इनाम उन्हें भारतीय टीम में चयन के रूप में मिला। उन्होंने भारत के लिए पिछली बार 2017 में खेला था। 2018 में इंग्लैंड सीरीज के लिए वह स्क्वॉड में तो थे, लेकिन एक भी मैच नहीं खेल पाए थे।

● **रणजी में करुण ने चार शतक की मदद से 863 रन बनाए** – उनके शानदार प्रदर्शन ने विदर्भ को 2024-25 सत्र में रणजी ट्रॉफी जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रणजी ट्रॉफी में उन्होंने नौ मैचों में चार शतक की मदद से 863 रन बनाए। विजय हजारे ट्रॉफी (लिस्ट ए) में उन्होंने केवल आठ पारियों में 779 रन बनाये।

हम इस सत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके

करुण ने पंजाब के खिलाफ मैच के बाद कहा, शानदार लग रहा है और हम इस जीत के हकदार थे। हम इस सत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके, लेकिन इस मैच में हमने दिखा दिया कि हमारी टीम अच्छी थी लेकिन कुछ मैच खराब गए। अपने प्रदर्शन के बारे में उन्होंने कहा, मैं काफी रन बनाकर आईपीएल में आया था। आत्मविश्वास की कमी नहीं थी। पारी में बहुत जल्दी बड़े शॉट खेल रहा था जिस पर कोच ने अपना समय लेकर फिर आक्रामक खेलने की सलाह दी।

करुण को तिहरा शतक के बावजूद बाहर किया गया

करुण को 2017 में टेस्ट में तिहरा शतक जड़ने के बावजूद टीम से बाहर कर दिया गया था। वह भारत के लिए तिहरा शतक लगाने वाले सिर्फ दूसरे बल्लेबाज है। टेस्ट टीम में चयन के बारे में उन्होंने कहा, बहुत शुक्रगुजार हूं कि वापसी कर सका। खुशकिस्मत हूं कि यह मौका मिला। मुझे भी आप लोगों की ही तरह पता चला। मैं लंबे समय से इसका इंतजार कर रहा था। बहुत सारे बधाई के संदेश मिले हैं।

क्रिकेट में सबसे जबरदस्त वापसी में से एक

करुण की वापसी क्रिकेट में सबसे जबरदस्त वापसी में से एक है। भारत के लिए छह टेस्ट मैचों में उन्होंने 62.33 की औसत से 374 रन बनाए थे। इसमें एक तिहरा शतक शामिल है। इस दौरान सात पारियों में उनका स्कोर– 4, 13, 303*, 26, 0, 23 और 5 रन का रहा है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में करुण ने 49.16 की शानदार औसत से 8211 रन बनाए हैं। इनमें 23 शतक और 36 अर्धशतक शामिल हैं। तिहरे शतक के बावजूद उन्हें दरकिनार कर दिया गया।

करुण को तैयारी का अच्छा मौका भी मिलेगा

इसके अलावा वह दो वनडे भी खेल चुके हैं। 2016 में उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ हरारे में दो मैच खेले थे। इसमें उन्होंने कुल मिलाकर 46 रन बनाए थे। करुण को इंग्लैंड सीरीज से पहले तैयारी का अच्छा मौका भी मिलेगा। वह इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैचों के लिए भारतीय-ए टीम का हिस्सा हैं, जिसकी शुरुआत 30 मई से कैंटबरी में होगी। भारत-ए टीम 13 से 16 जून तक बेकेनहैम में सीनियर टीम के साथ एक इंट्रा-स्क्वॉड मैच भी खेलेगी। इंग्लैंड में भारतीय टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन निश्चित रूप से इस दाएं हाथ के बल्लेबाज को लंबे समय तक टीम इंडिया में बनाए रखेगी। खासकर ऐसे समय में जब विराट कोहली और रोहित शर्मा ने प्रारूप छोड़ दिया है, करुण अच्छी पारी खेलकर इनमें से एक की जगह पर कब्जा जमाने की कोशिश करेंगे।

शमी के लिए बंद हुए टेस्ट में वापसी के रास्ते!

● अगरकर ने क्या कहा और उनका विकल्प कौन?

नई दिल्ली, एजेंसी। 'अमरोहा एक्सप्रेस' के नाम से मशहूर शमी 64 टेस्ट में 229 विकेट ले चुके हैं, लेकिन क्या अब वह इसमें इजाफा कर पाएंगे? फिलहाल तो ऐसा नहीं लगता। आइए जानते हैं इंग्लैंड दौरे पर शमी की कमी की भरपाई कौन सा गेंदबाज कर सकता है...

आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का एलान हो चुका है। 18 सदस्यीय टीम में अनुभवी मोहम्मद शमी को नहीं चुना गया है। उनके बाहर होने की अटकलें काफी दिनों से लगाई जा रही थीं और चयन समिति ने शनिवार को इस पर मुहर भी लगा दी। वजह यह दी गई कि शमी टेस्ट मैच का कार्यभार संभालने के लिए फिट नहीं हैं और अब टेस्ट में उनके भविष्य पर सवाल उठने भी शुरू हो गए हैं।

शमी के लिए वापसी का रास्ता बेहद मुश्किल – 'अमरोहा एक्सप्रेस' के नाम से मशहूर शमी 64 टेस्ट में 229 विकेट ले चुके हैं, लेकिन क्या अब वह इसमें इजाफा कर पाएंगे? फिलहाल तो ऐसा नहीं लगता। ऐसा माना जा रहा है कि उनके लिए वापसी के रास्ते बंद हो चुके हैं। भारतीय टीम के पास फिलहाल जिस प्रकार की युवा पेस बैटरी है, चयनकर्ता उन्हें ही ज्यादा से ज्यादा मौका देना चाहते हैं। शमी ने जून 2023 के बाद से कोई टेस्ट नहीं खेला है। यानी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केनिंग्टन ओवल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल उनका पिछला टेस्ट मैच था। ऐसे में अब चयनकर्ता चाहते हैं कि शमी सिर्फ सीमित ओवर के क्रिकेट में ही खेलें। टेस्ट की तुलना में सीमित ओवर क्रिकेट में शमी का प्रदर्शन शानदार रहा है।

● **अगरकर ने शमी को लेकर कही यह बात** – टीम का एलान करते वक्त अगरकर ने शमी को लेकर संकेत भी दिए थे। उन्होंने कहा, वह सीरीज के लिए फिट होने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पिछले सप्ताह उसे थोड़ी चोट लगी और एमआरआई कराया गया। मुझे नहीं लगता कि वह पांचों टेस्ट के लिये उपलब्ध होने वाले थे। अभी वह इतना कार्यभार संभालने के लिए फिट नहीं हैं। हमें उम्मीद थी कि वह कम से कम कुछ मैचों के लिए उपलब्ध होंगे, लेकिन अगर वह फिट नहीं है तो इंतजार कर पाना मुश्किल है।

● **टेस्ट में गेंदबाजी के लिए फिट नहीं हैं शमी** – बीसीसीआई खेल विज्ञान और मेडिकल टीम का एक प्रतिनिधि इस सप्ताह लखनऊ में था और उन्होंने कहा है कि शमी का शरीर इस समय दिन के 15 से 20 ओवर डालने और 90 ओवर खेलने के लिए फिट नहीं है। अगरकर ने भी इसी बात पर जोर दिया था कि वनडे और टी20 में चार से अधिकतम 10 ओवर डालने और टेस्ट में दिन में कम से कम 15-20 ओवर डालने में काफी अंतर है और हाल फिलहाल में शमी जिस तरह की चोट से गुजरे हैं, वह टेस्ट के लिए तैयार नहीं हैं।

प्रीमियर लीग

लिवरपूल के मो सालाह को प्लेयर ऑफ द सीजन चुना गया

लिवरपूल, एजेंसी। मोहम्मद सालाह को 2024/25 प्रीमियर लीग का प्लेयर ऑफ द सीजन चुना गया है, क्योंकि उनके शानदार प्रदर्शन की बदौलत लिवरपूल ने लीग का खिताब जीता है। लिवरपूल के इस फॉरवर्ड ने अपने करियर में दूसरी बार यह पुरस्कार जीता है, इससे पहले उन्होंने 2017-18 में क्लब के साथ अपने सनसनीखेज डेब्यू अभियान के अंत में यह पुरस्कार जीता था। सालाह ने इस सत्र में रेड्स की खिताबी जीत में मदद करने के लिए अब तक के सबसे बेहतरीन व्यक्तिगत प्रीमियर लीग सत्रों में से एक का प्रदर्शन किया है, जिसे अप्रैल में चार मैच शेष रहते हासिल किया गया था। उन्होंने रविवार को क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाले अंतिम मुकाबले से पहले आर्ने स्लॉट की टीम के लिए शीर्ष पर पहुंचने में 28 गोल किये हैं और 18 असिस्ट किए हैं।

मिस्र के इस खिलाड़ी ने इन आंकड़ों के दम पर डिवीजन के सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी और क्रिएटर के रूप में शीर्ष स्थान हासिल किया है। 46 गोलों की भागीदारी के साथ उन्होंने 38 मैचों के सीजन में सबसे ज्यादा गोल और असिस्ट का रिकॉर्ड बनाया है, सालाह ओवरऑल प्रीमियर लीग रिकॉर्ड से सिर्फ एक पीछे हैं, जो एलन शियरर और एंड्रयू कोल के नाम है, दोनों ने 42 मैचों के अभियान में 47 गोल किए हैं। 32 की उम्र में, सालाह लगातार रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। इस सीजन में वे 244 गोल के साथ लिवरपूल के ऑल-टाइम स्कोरर की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस सीजन की शुरुआत प्रीमियर लीग के इतिहास में 11वें सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी के रूप में की

थी, लेकिन उसके बाद वे प्रतियोगिता में 185 गोल करके पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जो केवल शियरर (260), हैरी केन (213), वायने रूनी (208) और कोल (187) से पीछे हैं। वे इस सीजन में प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं, उन्होंने सर्जियो एगुएरो के 184 गोल को पीछे छोड़ दिया है, जबकि वे अब ऑल-टाइम संयुक्त गोल और असिस्ट की रैंकिंग में चौथे स्थान पर हैं। सालाह ने यह पुरस्कार आम जनता के वोटों और फुटबॉल विशेषज्ञों के पैनल के वोटों को मिलाकर जीता। वह आठ लोगों की शॉर्टलिस्ट में शीर्ष पर थे, जिसमें लिवरपूल के साथी खिलाड़ी वर्जिल वैन डिज्क और रयान ग्रेवेनबेर्च के साथ-साथ मॉर्गन गिब्स-व्हाइट, अलेक्जेंडर इसाक, ब्रायन मबेउमो, डेक्लान राइस और क्रिस वुड शामिल थे। उन्होंने लगातार पांच सीजन के उस दौर को समाप्त किया, जिसमें मैनचेस्टर सिटी के किसी खिलाड़ी ने यह पुरस्कार जीता था।

कुश मैनी ने रचा इतिहास: फॉर्मूला 2 रेस जीतने वाले पहले भारतीय बने

मोंटे कार्लो, एजेंसी। कुश मैनी ने सर्किट डी मोनाको में पोल पोजीशन हासिल करते हुए डैम्स लुकास ऑयल के लिए मोंटे कार्लो स्प्रिंट रेस में जीतकर इतिहास रच दिया। भारतीय ड्राइवर ने अल्पाइन अकादमी के प्रतिभाशाली साथी गैब्रिएल मिनी को पीछे छोड़ा, जो प्रेमा रेसिंग के लिए दूसरे स्थान पर रहे और इस प्रतिष्ठित स्थल पर रेस जीतने वाले पहले भारतीय ड्राइवर बने। पीवी और मोनाको में जीतने वाले पहले भारतीय बनने पर मैनी ने, यह बहुत बड़ा सम्मान और सपना सच होने जैसा है। मैं डैम्स और मेरा समर्थन करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद कहना चाहता हूं। हम विश्वास करते रहेंगे!

मैनी ने सही शुरुआत की, लेकिन ल्यूक ब्राउनिंग टर्न 1 तक पहले स्थान से पांचवें स्थान पर गिर पड़े। उनके खराब गेटवेट के कारण गैब्रिएल मिनी उपर पीडब्ल्यू स्थान पर आ गए। मिराब्यू में, लिंडब्लैड ने तीसरे स्थान के लिए जैक क्रॉफोर्ड को पास देने का प्रयास किया, लेकिन दोनों के बीच संपर्क ने ब्राउनिंग को चौथे स्थान पर वापस जाने और अमेरिकी से आगे निकलने की अनुमति दी। कैम्पोस

ड्राइवर तीसरे स्थान पर उलझन से बाहर आया, लेकिन टक्कर के कारण उसे 10 सेकंड की समय पनेल्टी दी गई।

डीआरएस के कारण, मिनी रेस लीडर के पीछे थी, शुरुआती 10 लैप में अंतर 0.3 सेकंड का था, जबकि यह जोड़ी तीसरे स्थान पर मौजूद लिंडब्लैड से 8 सेकंड आगे थी। लैप 12 पर अंतर को बेअसर कर दिया गया जब जोशुआ डुएरकेन की एआईएक्स रेसिंग कार को ठीक करने के लिए सेफ्टी कार को तैनात किया गया। पराग्वे के ड्राइवर को मिराब्यू से बाहर एमपी मोटरस्पोर्ट के ओलिवर गोएथे के संपर्क के बाद पोर्टियर से आगे की बाधाओं में छोड़ दिया गया था, जिससे एआईएक्स को रेस-एंडिंग क्षति हुई थी। लैप 15 में प्रवेश करते हुए रेसिंग की स्थिति में वापस मैनी मिनी के पीछे भागे, जबकि लिंडब्लैड ने सड़क पर तीसरे स्थान की लड़ाई में ब्राउनिंग को अपनी नजर पर रखा था। गोएथे फिर से आगे बढ़ रहे थे, अपनी एमपी कार को ला रास्कैस में विक्टर मार्टिंस के अंदर से चुपके से सड़क पर लेने के लिए ले गए। दोनों के बीच संपर्क के कारण गोएथे को 10 सेकंड की समय पनेल्टी मिली। 10 लैप शेष रहते मिनी रेस लीडर से 0.2 सेकंड के अंतर से वापसी करते नजर आए, जबकि लिंडब्लैड अपने समय दंड को कम करने के लिए लेट-रेस चार्ज सेट करने के लिए 10 सेकंड से अधिक पीछे हो गए थे। रेड बुल जूनियर टीम के ड्राइवर को लैप 22 पर आगे बढ़ने के लिए कहा गया और उसने तुरंत अपनी गति बढ़ा दी ताकि खुद और ब्राउनिंग के बीच एक बफर बना सके।

अंतिम लैप तक वह मिनी के पीछे दूसरे स्थान पर थे और मेनी कुछ सेकंड आगे थे। लिंडब्लैड के समय दंड के लागू होने के साथ इसने ब्राउनिंग को दिया गया और कैंपोस ड्राइवर को आठवें स्थान पर गिरा दिया। क्रॉफोर्ड रिचर्ड वर्शूर, सेबेस्टियन मोंटोया, लियोनार्डो फोर्नारोली से आगे चौथे स्थान पर रहा क्योंकि लिंडब्लैड नेअंक पूरे किए।

इन अभिनेत्रियों ने छोटे पर्दे से की शुरूआत

अब फिल्मों में खूब कमाया नाम

बॉलीवुड में पहुंचने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है। इसके बाद उन्हें अच्छी फिल्में मिलती हैं और उनका नाम होता है। बॉलीवुड की कई ऐसी अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने छोटे पर्दे यानी टीवी से अपने करियर की शुरूआत की। इसके बाद वह बड़े पर्दे यानी बॉलीवुड तक पहुंचीं। आज दुनिया में उनका नाम है। आज इस खबर में हम उन अभिनेत्रियों के बारे में जानेंगे जिन्होंने छोटे पर्दे से बड़े पर्दे तक का सफर तय किया।

विद्या बालन

विद्या बालन बॉलीवुड में अलग अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने साल 1995 में हम पांच टीवी शो से अदाकारी में कदम रखा। इसके बाद वह बंगाली फिल्म में नजर आईं। उन्होंने बॉलीवुड में अपने अभिनय की शुरूआत साल 2005 में फिल्म परिणीता से की।

मौनी रॉय

मौनी रॉय आज बॉलीवुड की बड़ी एक्ट्रेस हैं। एक वक्त था जब वह छोटे पर्दे पर अदाकारी करती थीं। उन्होंने सबसे पहले साल 2006 में क्योंकि सास भी कभी बहू थी से अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने बतौर एक्ट्रेस साल 2018 में फिल्म गोल्ड से अदाकारी शुरू की।

यामी गौतम

यामी गौतम अपनी सबसे पहली फिल्म विक्की डोनर (2012) से बहुत मशहूर हुईं। इसके बाद उन्हें कई फिल्में मिलीं। लेकिन उन्होंने अपने इभिनय की शुरुआत छोटे पर्दे से की थी। उन्होंने सबसे पहले टीवी सीरियल 'चांद के पार चलो' से अदाकारी की शुरूआत की थी।

मृणाल ठाकुर

मृणाल ठाकुर बॉलीवुड इंडस्ट्री का जाना पहचाना चेहरा हैं। उन्होंने अपना एक्टिंग करियर कुमकुम भाग्य टीवी शो से शुरू किया था। उन्होंने बॉलीवुड में लव सोनिया से कदम रखा। उन्होंने ऋतिक रोशन और जॉन अब्राहम के साथ काम किया।

प्राची देसाई

प्राची देसाई भी फिल्मों में जलवा दिखाने से पहले टीवी सीरियल में दमदार अदाकारी कर चुकी हैं। उन्होंने सबसे पहले कसम से सीरियल में अदाकारी की। उन्होंने रॉक आन से बॉलीवुड में कदम रखा। वह इमरान हाशमी के साथ फिल्म अजहर में भी नजर आ चुकी हैं।

रश्मिका को अच्छी लगती है बारिश की भीनी खुशबू, लेकिन एक चीज नहीं पसंद!

बारिश की पहली बूंदों की भीनी-भीनी सी खुशबू हर किसी को बहुत भाती है। मशहूर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को भी पहली बारिश की खुशबू बहुत पसंद है। लेकिन उन्होंने बारिश से होने वाली असुविधा को निराशाजनक बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें पहली बारिश की खुशबू बहुत पसंद है, लेकिन उन्हें यह अच्छा नहीं लगता कि बारिश की वजह से सब कुछ धीमा हो जाता है।

रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर बारिश का एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो पर एक लाइन लिखी है, जब बारिश होती है तो मिट्टी की खुशबू आती है। इस वीडियो को शेयर करते हुए रश्मिका ने लिखा, तो बारिश आ गई है... मुझे यह अच्छा नहीं लगता कि बारिश की वजह से सब कुछ थोड़ा धीमा हो जाता है, लेकिन कसम से! पहली बारिश की खुशबू सबसे अच्छी होती है और वह एहसास भी कमाल का होता है। यह सबसे प्यारा लगता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो रश्मिका की झोली में कई फिल्में हैं, जिसमें आदित्य सरपोतदार की थामा, जिसमें आयुष्मान खुराना लीड रोल में हैं, साथ ही कुबेरा, पुष्पा 3, द गर्लफ्रेंड और रेनबो भी शामिल हैं।

20 मई को, रश्मिका ने जी सिने अवॉर्ड्स 2025 के रेड कार्पेट पर वॉक किया था। लुक की बात करें तो इस दौरान वह ब्लैक कलर की खूबसूरत मॉडर्न साड़ी में नजर आईं। इसके साथ उन्होंने डीप स्वीटहार्ट नेकलाइन वाला डिजाइनर ब्लाउज पहना हुआ था। इसके अलावा, गोल्डन हार्ट शेप की बालियां फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच रही थीं।

शानदार लुक पाने के लिए उन्होंने अपने बालों को खुला छोड़ा हुआ था। अपने इस लुक की तस्वीरें रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, काफी समय बाद मैं फिर से रेड कार्पेट पर गई... आप सबका इतना प्यार मिल रहा है, जिससे मेरा दिल बहुत खुश है। बस आपको दिखाना चाहती थी कि उस दिन मैंने क्या पहना था...

टीवी पर जल्द शुरू हो रहा सुपर डांसर सीजन 5

टीवी का पसंदीदा डांस रियलिटी शो सुपर डांसर अपने पांचवें सीजन के साथ लौट रहा है। यह शो बच्चों की डांस प्रतिभा को मंच देता है। अब जब सीजन 5 की तैयारी शुरू हो गई है, तो दर्शकों के बीच उत्सुकता देखने को मिल रही है। इस नए सीजन में 12 बच्चे बतौर कंटेस्टेंट हिस्सा लेंगे। इस शो की जज एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, कोरियोग्राफर गीता कपूर और उनके साथ कोरियोग्राफर मर्जी पेस्टनजी होंगे। बता दें कि शिल्पा और गीता पहले भी शो की जज रह चुकी हैं। वहीं, मर्जी इस शो में पहले कई बार गेस्ट के तौर पर शामिल हो चुके हैं, लेकिन इस बार वह शो के नए जज बनकर आएंगे। शो के होस्ट परितोष त्रिपाठी होंगे। शो के बारे में अपनी उत्सुकता साझा करते हुए शिल्पा शेट्टी ने कहा, एक मां का सबसे बड़ा सपना होता है कि उसका बच्चा दुनिया में नाम कमाए। मैं खुद एक मां हूं, इसलिए जानती हूं कि मां का अपने बच्चे के लिए कितना प्यार और सपोर्ट होता है। जज के तौर पर मैं ऐसे परफॉर्मेंस देखना पसंद करती हूं जो सीधा दिल को छू जाए। जज गीता कपूर ने कहा, इस नए सीजन में खास बात ये है कि मां और बच्चे के रिश्ते को बहुत खूबसूरती से दिखाया जाएगा। हर कंटेस्टेंट अपने डांस में नए-नए आइडियाज लेकर आएंगे। वह बिना डर के एक्सपेरिमेंट करेंगे और पूरी मेहनत से बेहतरीन परफॉर्मेंस देंगे। मैं इन सभी कंटेस्टेंट्स को पहले से ही दिल से शुभकामनाएं देती हूं। कोरियोग्राफर मर्जी ने कहा, मैं पहले भी सुपर डांसर शो में गेस्ट बनकर आया हूं। जब भी मैं यहां आया हूं, हर बार बच्चों की काबिलियत, एनर्जी और जोश देखकर हैरान रह जाता हूं। कंटेस्टेंट्स के डांस देखकर मुझे वाकई बेहद खुशी होती है। पहली बार जज बनकर इस शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत खास और भावुक करने वाला अनुभव है। सुपर डांसर- सीजन 5 जल्दी ही सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर शुरू होने वाला है। लेकिन अभी तक शो की रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

विक्रांत मैसी ने श्री श्री रविशंकर प्रसाद पर आधारित महावीर जैन और मार्फिलक्स पिक्चर्स की अंतर्राष्ट्रीय थ्रिलर फिल्म व्हाइट की तैयारी शुरू की

प्रभावशाली सिनेमा के पीछे दूरदर्शी निर्माता महावीर जैन और वैश्विक अपील वाली अत्याधुनिक फिल्में देने के लिए मशहूर सिद्धार्थ आनंद की मार्फ़्लिक्स पिक्चर्स, फिल्म व्हाइट बनाने के लिए एक साथ आ रहे हैं, एक अंतरराष्ट्रीय थ्रिलर जो विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर प्रसाद के जीवन और शिक्षाओं पर गहराई से प्रकाश डालती है। विक्रांत मैसी की मुख्य भूमिका वाली फिल्म व्हाइट में मनोरंजक कहानी और गहन आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि का मिश्रण होने का वादा किया गया है, जो सामाजिक रूप से जागरूक और वैश्विक रूप से प्रासंगिक फिल्म निर्माण में एक साहसिक अध्याय की नई शुरूआत करेगी। फिल्म की टीम ने अब इसकी गहन तैयारी शुरू कर दी है, जो एक प्रामाणिक और इमर्सिव सिनेमाई यात्रा की नींव रखेगी। इस तैयारी के हिस्से के रूप में, महावीर जैन ने व्यक्तिगत रूप से बेंगलुरु में आर्ट ऑफ़ लिविंग आश्रम की एक महत्वपूर्ण दौरा किया। प्रशंसित अभिनेता विक्रांत मैसी, जो श्री श्री रविशंकर की भूमिका निभा रहे हैं.

माइंडसेट को बनाओ मजबूत, नतीजे होंगे शानदार: रकुल प्रीत

एक

मशहूर एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह न सिर्फ अपनी फिल्मों और खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं, बल्कि अपनी पॉजिटिव सोच और लाइफस्टाइल के लिए भी चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक किताब का पन्ना शेयर किया, जिसमें जिंदगी से जुड़ी गहरी बात छिपी हुई थी। दरअसल, इस पन्ने पर लिखा था- आपके सोचने का तरीका, हमारी जिंदगी की बुनियाद होता है।

इस पोस्ट को शेयर करते हुए रकुल प्रीत सिंह ने कैप्शन में लिखा, माइंडसेट पर काबू रखें, तो नतीजों पर भी काबू होगा। यानी अगर आप अपने सोचने के तरीके पर काबू पा लेते हैं, तो आप अपने नतीजों पर भी काबू पा सकते हैं। रकुल का यह पोस्ट इस बात का सबूत है कि वह अपने फैंस का सिर्फ मनोरंजन ही नहीं करती, बल्कि जिंदगी से जुड़ी प्रेरणाएं भी उन्हें देती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने पिता के साथ पोस्ट शेयर किया था। इस पोस्ट में उन्होंने एक पुरानी तस्वीर साझा की, जिसमें वह अपने पिता के साथ स्कूटर पर बैठी हुई दिखाई दीं। यह तस्वीर उनके बचपन की थी। इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, सेना दिवस भले ही पूरी दुनिया में मनाया जाता हो, लेकिन मेरा दिल एक वर्दी के लिए धड़कता है, मेरे पापा की वर्दी के लिए। एक आर्मी ऑफिसर के बच्चे के रूप में मैंने बचपन से ही त्याग, सम्मान और हिम्मत का मतलब समझा। आज मैं सिर्फ अपने पापा को नहीं, बल्कि उन सभी सैनिकों को सलाम करती हूं, भारत और दुनिया भर के, जो खुद से पहले देश की सेवा को चुनते हैं। खासकर हाल के समय में भारतीय सेना की बहादुरी हमें याद दिलाती है कि शांति मुफ्त में नहीं मिलती, उसे सैनिकों की कुर्बानी से सुरक्षित रखा जाता है। मैं दिल से शुक्रगुजार हूं।

फ्लाइट के दौरान सिगरेट जलाने पर ब्रिटनी स्पीयर्स को चेतावनी

लॉस एंजेलिस। पॉप आइकन ब्रिटनी स्पीयर्स को उनके व्यवहार के लिए उड़ान के दौरान फटकार लगाई गई है। कई स्रोतों ने पुष्टि की है कि अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ काबो सान लुकास से लॉस एंजिल्स की यात्रा के दौरान गायिका ने शराब पी रखी थी और उड़ान के दौरान सिगरेट जलाई थी। सिंगर की ओर से संघीय विमानन नियमों का उल्लंघन किया गया है। सिंगर के इस बर्ताव से चार्टर प्लेन में मौजूद फ्लाइट अटेंडेंट घबरा गए, क्योंकि विमान में धूम्रपान करना वर्जित होता है। फ्लाइट अटेंडेंट की ओर से बताया गया कि स्पीयर्स ने सिगरेट बुझा दी। फिर भी, उड़ान के बीच में ही अधिकारियों से संपर्क किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, जब विमान उतरा तो अधिकारियों ने सिंगर से मुलाकात की और उन्हें उड़ान के दौरान ऐसे बर्ताव को लेकर चेतावनी दी। बाद में उन्हें जाने की अनुमति दे दी गई। एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, यह पहली चेतावनी नहीं है। इससे पहले भी वह इस तरह की हरकत कर विवादों में फंस चुकी हैं। सूत्र ने आगे कहा, वह नियमों का ठीक से पालन नहीं करतीं। सार्वजनिक चार्टर ऑपरेटर जेएसएक्स, जिस पर स्पीयर्स सवार थीं, उसने इस घटना के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की, जबकि गायिका के प्रतिनिधि ने भी टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया। सिंगर के मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार को पहले भी कई बार लोगों ने नापसंद करते हुए नाराजगी जताई है। 2000 के दशक की शुरुआत में कई परेशान करने वाली घटनाओं के बाद मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण स्पीयर्स 13 साल तक गार्डियनशिप के अधीन रहीं।

आर. माधवन के नाम पर ऑनलाइन लूट रही थी महिला, एक्टर ने खोलकर रख दी पोल

ऑनलाइन दुनिया में ठगी के धंधे भी बहुत हैं। कई बार ठग सितारों का नाम लेकर ठगी करते हैं। ऐसा ही कुछ एक महिला आर. माधवन के नाम पर करने की फिराक में थी। मगर, एक्टर ने समय रहते महिला ठग की पोल खोल दी। बड़े प्रोडक्शन हाउस और सुपरस्टार्स के नाम पर अक्सर मासूमों को ठगा जाता है। खासकर, वे लोग जो सिनेमा की दुनिया में करियर बनाने मायानगरी आते हैं। खुद को बड़े सितारों का मैनेजर बताकर न जाने ठग कितने ही मासूमों को अपने झांसे में फंसाते हैं। ऑनलाइन दुनिया में ऐसा ही एक महिला ठग अभिनेता आर. माधवन के नाम पर कर रही थी। मगर, एक्टर ने सूझबूझ दिखाई। पता चलते ही महिला की पोलपट्टी खोल दी।

अभिनेता आर. माधवन ने आज शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक स्क्रीनशॉट शेयर किया है। यह श्रुति नैना नाम की एक प्रोफाइल का स्क्रीनशॉट है। इसके बायो में लिखा है, आर. माधवन की ऑफिशियल मैनेजर। एक्टर ने स्क्रीनशॉट में यह हिस्सा गोला लगाकर शेयर किया है। साथ ही लिखा है, फ्रॉड अलर्ट।

श्रुति नैना नाम की जिस प्रोफाइल का स्क्रीनशॉट शेयर किया गया है, इसके करीब सवा तीन सौ फॉलोअर्स हैं।

बढ़े हुए वजन को लेकर ट्रोल हुई ऐश्वर्या राय, ट्रोल्स को फिर दिया करारा जवाब

बॉलीवुड की ग्लोबल आइकन और पूर्व मिस वर्ल्ड ऐश्वर्या राय बच्चन एक बार फिर कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में अपने अनोखे और रॉयल अंदाज से चर्चा में आ गई हैं। इस बार ऐश्वर्या ने फेस्टिवल के पहले दिन एक पारंपरिक बनारसी साड़ी पहनकर सबका ध्यान खींच लिया। माथे पर सिंदूर, गले में चोकर और कंधों पर लहराता लंबा दुपट्टा–ऐश्वर्या का यह लुक भारतीय परंपरा और आधुनिकता का सुंदर मेल था।

सिंदूर से जुड़ा गहरा संदेश?

ऐश्वर्या के लुक की सबसे खास बात थी उनकी मांग में भरा सिंदूर, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर कई चर्चाएं शुरू हो गईं। कई यूजर्स ने इसे हाल ही में वायरल हुए ऑपरेशन सिंदूर अभियान से जोड़ते हुए कहा कि यह ऐश्वर्या का एक साइलेंट स्टैंड हो सकता है–भारतीय संस्कृति के उस पक्ष के समर्थन में, जिसमें सिंदूर को एक विशेष पहचान दी जाती है। उनके इस देसी लुक की तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 3 के साथ आ रहा वापस

कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा का सुपरहिट शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो वापस आ रहा है। नेटफ्लिक्स पर इसका तीसरा सीजन प्रसारित होगा। इस नए सीजन की शुरुआत 21 जून से होगी। कपिल की हंसी-मजाक और दिलचस्प बातचीत फिर से दर्शकों का मनोरंजन करेगी। इस मजेदार कॉमेडी शो में कपिल शर्मा के साथ उनके पुराने साथी सुनील ग्रोवर, कीकू शारदा, कृष्णा अभिषेक और हमेशा हंसती रहने वाली अर्चना पूरन सिंह भी नजर आएंगी, यानी इस बार के सीजन में कई जाने-पहचाने चेहरे फिर से दिखेंगे। इस सीजन में नेटफ्लिक्स दुनिया भर के शो के सुपर फैंस को एक खास मौका दे रहा है। इस मौके के तहत फैंस शो के स्टेज पर आकर अपना हुनर दिखा सकते हैं। नए सीजन के बारे में बात करते हुए कपिल शर्मा ने कहा, नेटफ्लिक्स पर एक और सीजन के साथ वापस आना ऐसा लग रहा है जैसे मैं अपने परिवार के पास लौट आया हूं और इस बार हमारा परिवार और बड़ा हो रहा है! कपिल ने आगे कहा, इस सीजन हमने कोशिश की है कि शो में करियर, जिंदगी, परिवार, प्यार जैसी अलग-अलग बातों को दिखाया जाए और इन सबको मजेदार तरीके यानी कॉमेडी के जरिए लोगों तक पहुंचाया जाए। ताकि लोग हंसी के साथ-साथ जिंदगी की जरूरी बातों को भी समझें। उन्होंने कहा, सीजन 3 में हमारे मजेदार बातों और शानदार मेहमानों के अलावा, नेटफ्लिक्स और द ग्रेट इंडियन कपिल शो की टीम कुछ नया और खास लेकर आ रही है, ऐसा कुछ जो पहले नहीं हुआ था। हमें जो इतना प्यार मिला है, उसके बदले में हम इस बार अपने सुपर फैंस को खास मौका दे रहे हैं। अब लाइमलाइट उन पर होगी, उनकी कहानियां, उनकी खास बातें और उनका हुनर, सबकुछ उन्हें स्टेज पर पेश करने का मौका दिया जाएगा। इस आइडिया को लेकर कपिल शर्मा ने कहा, इस बार हमने सोचा कि क्यों न अपने फैंस को भी शो का एक मजेदार हिस्सा बना दिया जाए?

-साभार-एजेंसी